MIMANSA

2021



Reflections from COVID-19 Vaccination in Bihar

MIMANSA

2021

Reflections from COVID-19 Vaccination in Bihar

HEALTH DEPARTMENT, GOVERNMENT OF BIHAR

MIMANSA 2021: REFLECTIONS FROM COVID-19 VACCINATION IN BIHAR

Published by:
Health Department, Government of Bihar

Suggested citation:
Mimansa 2021: Reflections from COVID-19 Vaccination in Bihar.

A publication of Health Department, Government of Bihar

Photo credits:
Health Department, Government of Bihar

Supported by:
Bill and Melinda Gates Foundation
Asian Disaster Preparedness Center

Layout and design:
Aspire Design, New Delhi

© Health Department, Government of Bihar



श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार

संदेश

कोविड–19 ने अप्रत्याशित मुसीबत और अवरोध पैदा करते हुए हमारी दुनिया को हमेशा के लिए बदल दिया है। साल 2020 को इतिहास में बहुत लंबे समय तक एक अफसोस और अविश्वास के साथ याद किया जाएगा। इस महामारी ने सभी सीमाओं को पार करते हुए विभिन्न समुदायों को अपनी आगोश में लेते हुए, हमारे जीवन की नींव को हिलाकर रख दिया।

जब महामारी का प्रसार पूरे देश और राज्य में हो रहा था तभी, बिहार ने त्वरित रूप से कुशलता के साथ रिस्पान्स किया। कोविड–19 महामारी से लड़ने के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण साधनों में से एक है, और राज्य सरकार अपने नागरिकों को टीका लगाने की इस विकट चुनौती का सामना करने के लिए सतत् तैयार है।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर हम एक साथ हों तो हम कोविड–19 महामारी के खिलाफ इस लड़ाई को निश्चित रूप से जीत सकते हैं। मेरा प्रयास हमेशा बिहार के प्रत्येक नागरिक को हर संभव स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने का रहा है, विशेष रूप से इस गंभीर संकट के समय में सभी को टीकाकरण का प्रस्ताव इससे अलग नहीं है।

राज्य में हर जगह, सभी के लिए टीके तैयार और उपलब्ध रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए हमने कोई कसर नहीं छोड़ी है। बिहार देश का पहला राज्य था जिसने सभी के लिए मुफ्त टीकाकरण की घोषणा की, और अब हम **"6 करोड़, 6 माह"** के अपने लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह एक मेगा योजना है जिसके अन्तर्गत 6 महीने की अवधि में 6 करोड़ नागरिकों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाना है।

सरकार ने टीकाकरण कार्यक्रम की संकल्पना, क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण से लेकर अन्य कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना किया है परन्तु अब इस रास्ते पर हम एक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह कॉफी टेबल बुक बताता है कि हम कैसे इस विशाल अभ्यास को एक समावेशी एवं कुशल तरीके से क्रियान्वित करने में सफल रहे, जिससे इस अभियान में हर गांव और हर टोले तक पहुंचा जा सके।

मुझे विश्वास है कि हम ऐसा करना जारी रखेंगे और "बिहार का टीकाकरण अभियान" पूरी दुनिया में कोविड–19 वायरस के विरूद्ध लड़ने में एक उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय उदाहरण सिद्ध होगा।

नीतीश कुमार



श्री मंगल पाण्डेय
स्वास्थ्य मंत्री, बिहार

संदेश

दो साल पहले तक केवल वैज्ञानिक अथवा स्वास्थ्य से जुड़े लोग ही कोविड शब्द से परिचित थे। आज दुनिया भर में शायद ही कोई होगा जो इस शब्द विशेष से अनजान हो। कोविड–19 महामारी पूरी दुनिया में फैली हुयी है, जो मौत और तबाही का कारण बनी हुई है, इससे अर्थव्यवस्थाएं बाधित हुई हैं और मानव प्रजाति घबरायी हुई है। कोई भी, किसी भी उम्र में वायरस से संक्रमित हो सकता है, बीमार पड़ सकता है और मर भी सकता है।

कोविड के विरूद्ध टीका ही आशा की एकमात्र किरण है और इसलिए समय पर सही तरीके से टीकाकरण की अत्यावश्यकता को कम करके नहीं आंका जा सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस बड़े पैमाने पर किए जाने वाले टीकाकरण अभ्यास में कोई भी पीछे न छूट जाए, बिहार ने अपने सभी नागरिकों के लिए टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू की, जिसमें स्वास्थ्य विभाग की अगुवाई में राज्य की पूरी मशीनरी एक साथ मिलकर आगे आई। विभिन्न चुनौतियों के बीच एक बड़ी आबादी का टीकाकरण किया गया और राज्य में टीकाकरण का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। इस प्रक्रिया में सरकार को जिन कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उनमें स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना, वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करना और लोगों में वैक्सीन के प्रति ढ़ती झिझक पर काबू पाना शामिल था।

लेकिन एक साथ मिलकर काम करने से ही हम एक बेहतर दुनिया की ओर बढ़ सकते हैं।

सरकारी अधिकारी, कर्मी, राजनेता, चिकित्सा कर्मी और फ्रण्टलाईन कार्यकर्ता आदि अपने प्रयासों में तालमेल बिठाने और टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे। यह कॉफी टेबल बुक उन सभी को सम्मान स्वरूप समर्पित है जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के बारे में बिना कोई विचार किए इस गंभीर खतरे का सामना करने के लिए लगन और बहादुरी के साथ काम किया है।

मंगल पाण्डेय



श्री त्रिपुरारी शरण
मुख्य सचिव
बिहार

प्राक्कथन

पूरी दुनिया और हमारे देश में तबाही मचाने वाली महामारी को कम करने के लिए कोविड–19 वैक्सीन एक आवश्यक कदम है। यह महामारी लोक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है और मानव जीवन के सभी क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ा है। बिहार ने अपने सभी योग्य लाभार्थियों को मुफ्त टीकाकरण प्रदान करने का जिम्मा लिया है, ताकि कोई भी इसमें छूट न जाये। लोंगो को टीका देने के निर्धारित क्रम के सम्यक अनुपालन में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने और जान बचाने की क्षमता है। स्वास्थ्य कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, टीका लेने की झिझक पर काबू पाना, निर्धारित क्रमानुसार टीका लगाना– ये कुछ ऐसी चुनौतियाँ थीं जिन्हें हासिल किया जाना आवश्यक था क्योंकि सरकार को अपने टीकाकरण कार्यक्रम को और आगे बढ़ाना था। यह कॉफी टेबल बुक बिहार में कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के अनुभवों का वर्णन करती है, और उन तरीकों, अभ्यासों और लोगों को प्रतिबिम्बित करती है जिन्होंने इसे संभव बनाया है। मैं स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों की तहे दिल से सराहना करता हूं, जिन्होंने इस टीकाकरण अभियान में अमूल्य योगदान दिया है, और जिनकी बहुमूल्य और समर्पित सेवा के बिना, यह टीकाकरण अभियान सम्भवतः इतना सफल नहीं होता।

त्रिपुरारी शरण



श्री प्रत्यय अमृत
अपर मुख्य सचिव
स्वास्थ्य विभाग, बिहार

आभार

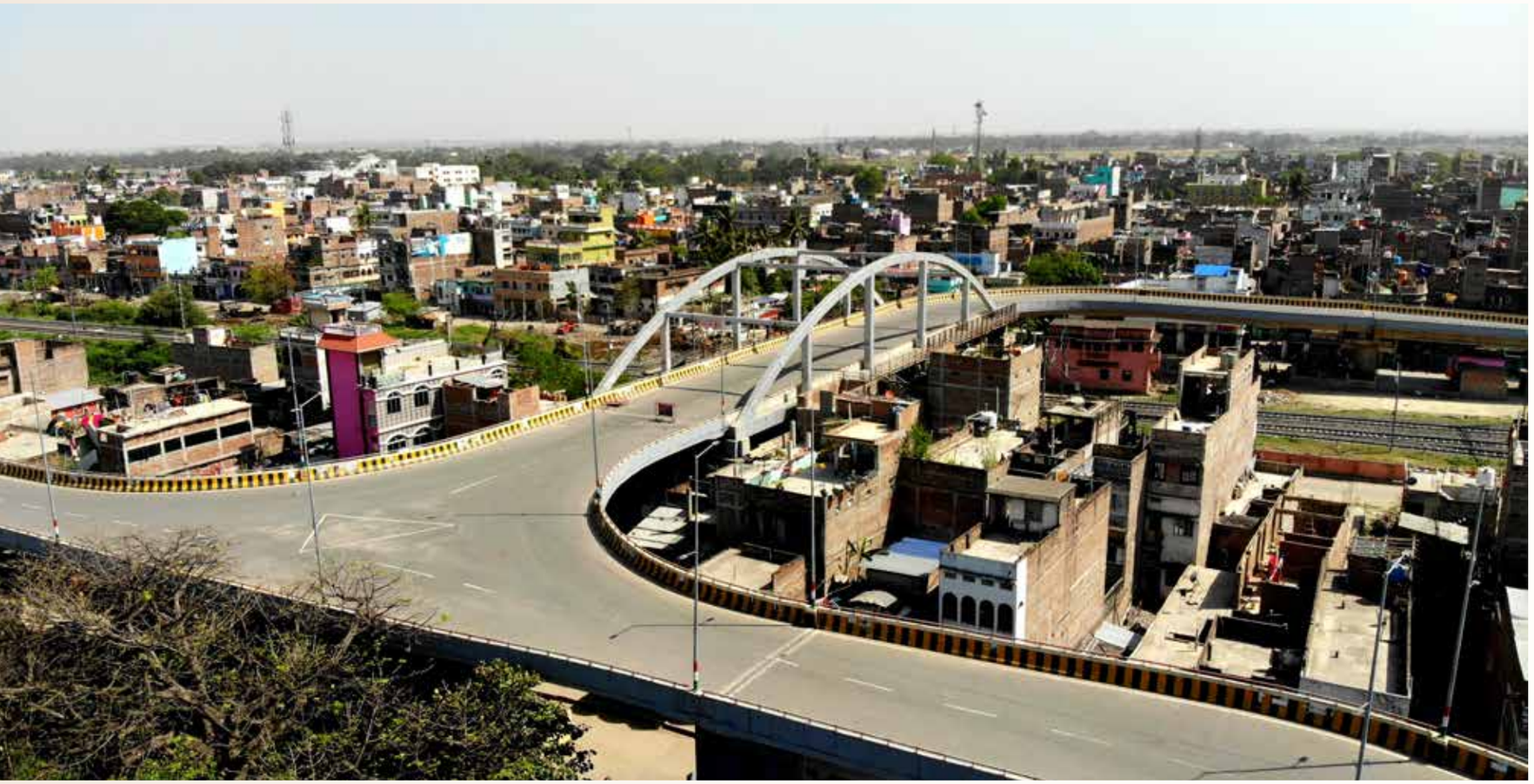
हमारा मानना है कि कार्य करने का सही वक्त अभी है।

बिहार में आपदाओं का सामना करने का एक लंबा इतिहास रहा है, लेकिन कोविड–19 प्रेरित महामारी अप्रत्याशित थी। इस दौरान आगे जो भी अनिश्चितताएँ थीं, वे अंतहीन लग रही थीं। लेकिन सक्षम मार्गदर्शन और त्वरित कार्रवाई के तहत, बिहार का किसी भी आपदा से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना करने का एक दिलचस्प अतीत रहा है। वायरस के प्रसार से लड़ने के लिए टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण विकल्प है, और इसलिए बिहार के लिए एक विशिष्ट टीकाकरण कार्यक्रम की रणनीति बनाई गई। जब भी कोई आपदा आती है तो सबसे ज्यादा नुकसान हमेशा वंचित और कमजोर लोगों का ही होता है। लेकिन, सुनियोजित, सुव्यवस्थित एवं समन्वित तरीके से काम करके, हमने पाया है कि समर्पित उद्देश्य, समन्वित प्रयास और लोगों की सद्भावना के माध्यम से हर चुनौती को दूर किया जा सकता है। चुनौती को स्वीकार कर तत्काल कार्रवाई करते हुए सबसे कमजोर आबादी को टीका लगाने के साथ हमने चरणों में अपना टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया। टीके के संग्रहण, वितरण, टीकाकरण और लोगों के बीच इसकी स्वीकार्यता के लिए हमारी एक बहुआयामी रणनीति थी, जो महीनों की सावधानीपूर्वक और सुनियोजित योजना की परिणति थी। हमनें सीखे गए सबक और साझा किए गए अनुभवों को एक साथ जोड़ते हुए वैक्सीन कार्यक्रम को समृद्ध किया ताकि टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति सुचारू, प्रभावी और न्यायसंगत हो। बिहार के टीकाकरण कार्यक्रम पर इस कॉफी टेबल बुक में बिहार सरकार के द्वारा किये गये कार्यों को एक साथ लाते हुए मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि की अनुभूति हो रही है। मैं उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने इस टीकाकरण कार्यक्रम को सफल बनाया है, और वैश्विक पैमानें की इस आपदा को एक ऐसे कार्यक्रम में बदलने में मदद की है जो सराहनीय और हकदार दोनों है। मुझे विश्वास है कि यहां साझा की गई प्रक्रिया और कार्यविधि सभी संबंधित हितधारकों को सीखने एवं आत्मसात करने में मदद करेंगी और बिहार को शत प्रतिशत टीकाकरण वाला राज्य बनाने के हमारे समान लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होगी।

प्रत्यय अमृत



Fighting COVID-19 in Bihar



The year 2020, especially in its initial months, will be remembered for a long time in human history. This was a period when time seemed to stand still, with the world on the brink of a disaster never envisioned before. The fear and shock caused by the pandemic COVID-19, reverberated across the globe, changing the world as we know, for ever. But, little by little, as the leaders, the medical fraternity and the government came together in mutual support and synergised action, hope made its presence felt, and slowly the citizens and their lives returned back on track.

वर्ष 2020, खासकर इसके शुरुआती महीनें, मानव इतिहास में लंबे समय तक याद किये जाएंगे। यह एक ऐसा वक्त था जब समय थम सा गया था, दुनिया एक ऐसी आपदा के कगार पर थी जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। कोविड–19 महामारी के कारण उत्पन्न भय और सदमें की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी और जैसा कि हम जानते हैं, इसने पूरी दुनिया को हमेशा के लिए बदल कर रख दिया। लेकिन, धीरे–धीरे, नेतृत्वकर्ता, चिकित्सा बिरादरी और सरकार आपसी सहयोग और मिलजुल कर कार्यवाही करने हेतु एक साथ आए, परिणामतः आशा की एक किरण जागी और धीरे–धीरे लोग और उनका जीवन पटरी पर लौट आया।

“THE COVID VACCINATION MARKS A TRIUMPH OF HUMAN KNOWLEDGE, SKILL, AND TECHNOLOGY OVER AN UNPRECEDENTED EPIDEMIC LIKE COVID-19



कोविड टीकाकरण, कोविड –19 जैसी अभूतपूर्व महामारी पर मानव ज्ञान, कौशल और तकनीकी की जीत का प्रतीक है”

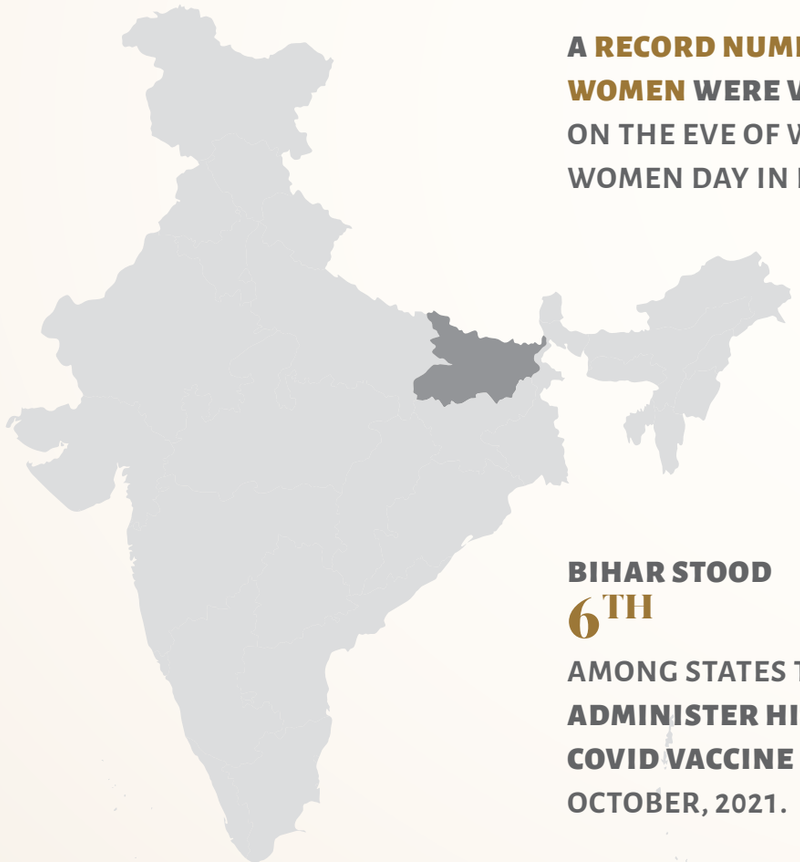
The COVID vaccination marks a triumph of human knowledge, skill, and technology over an unprecedented epidemic like COVID-19, and has proved effective in tackling a tragedy that was poised to shatter the socio-economic fabric of the globe. The quick pace at which efforts were carried out all over the world to develop an effective vaccine for the prevention of COVID-19 is exemplary. India demonstrated its technical proficiency on the global platform by developing and manufacturing effective indigenous vaccines like COVAXIN. Also, it has proved its potential in the development of COVISHIELD and its capacity towards large-scale manufacturing. The development and manufacturing of vaccines as well as quality access to the final beneficiary is a huge challenge, carried out across the country effectively.

कोविड टीकाकरण, कोविड –19 जैसी अभूतपूर्व महामारी पर मानव ज्ञान, कौशल और तकनीकी की जीत का प्रतीक है, और एक ऐसी त्रासदी से निपटने में कारगर साबित हुआ है जो दुनिया के सामाजिक–आर्थिक ताने–बाने को तोड़ने के लिए तैयार थी। कोविड–19 की रोकथाम के लिए एक प्रभावी टीका विकसित करने के लिए पूरी दुनिया में जिस तीव्र गति से प्रयास किए गए, वह अनुकरणीय है। भारत ने COVAXIN जैसे प्रभावी स्वदेशी टीकों का विकास और उत्पादन करके वैश्विक मंच पर अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। साथ ही, इसने COVISHIELD के विकास और बड़े पैमाने पर निर्माण की क्षमता में भी अपनी कुशलता साबित की है। टीकों का विकास और निर्माण के साथ–साथ अंतिम लाभार्थी तक गुणवत्तापरक पहुंच एक बड़ी चुनौती थी, जिसे पूरे देश में प्रभावी ढंग से अंजाम दिया गया।

FIRST PHASE
4,20,586
HEALTH WORKERS

SECOND PHASE
2,05,467
FRONTLINE WORKERS

THIRD PHASE,
4,86,363
SENIOR CITIZENS INCLUDING PERSONS WITH COMORBIDITY



A RECORD NUMBER OF WOMEN WERE VACCINATED ON THE EVE OF WORLD'S WOMEN DAY IN BIHAR.

BIHAR STOOD
6TH
AMONG STATES TO ADMINISTER HIGHEST COVID VACCINE IN OCTOBER, 2021.

Bihar is the third-largest populous state of the country, and faces many public health challenges. Undeterred by this, under the able politico-administrative leadership, the state exhibited exemplary convergence in preventing the epidemic to turn into a mass tragedy. The state made remarkable progress towards COVID vaccination by using the robust ecosystem of routine immunization. The guidance received from the Centre eased the establishment of a productive mechanism, suited to the ground realities of the state and made it a more beneficiary friendly experience through its enhanced, strong monitoring and surveillance system. Considering a large set of beneficiaries, an effective strategy was devised to make vaccination uninterrupted and all preparations, that included cold-chain assessment, beneficiaries' enrolment, session site identification, supply chain management and others,





बिहार देश का तीसरा सबसे बड़ा आबादी वाला राज्य है, और कई लोक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करता है। तथापि इससे विचलित हुए बिना, सक्षम राजनैतिक–प्रशासनिक नेतृत्व में, राज्य ने असाधारण सामंजस्य का प्रदर्शन करते हुए महामारी को एक सामूहिक त्रासदी में बदलने से रोकने में अनुकरणीय भूमिका निभायी है। राज्य ने नियमित टीकाकरण के सशक्त मौजूदा तंत्र का उपयोग करके कोविड टीकाकरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। केंद्र से प्राप्त मार्गदर्शन ने राज्य की जमीनी वास्तविकताओं के अनुकूल एक उपयोगी तंत्र की स्थापना को आसान बना दिया और इसकी मजबूत निगरानी और सर्विलांस प्रणाली के माध्यम से इसे अधिक लाभार्थी अनुकूल अनुभव बना दिया। लाभार्थियों के एक बड़े समूह को ध्यान में रखते हुए, टीकाकरण को निर्बाध बनाने के लिए एक प्रभावी रणनीति तैयार की गई और तदनुसार कोल्ड चेन मूल्यांकन, लाभार्थियों का नामांकन, सत्र स्थल की पहचान, सप्लाई चेन प्रबंधन और अन्य सभी तैयारियां की गयी। वास्तविक टीकाकरण गतिविधि से पहले, राज्य के शीर्ष नेतृत्व के त्वरित समर्थन से सभी संभव उपाय किए गए थे। राज्य में कई स्थानों पर ड्राई रन के माध्यम से एक टीकाकरण मॉकड्रिल किया गया और उसके अनुसार आवश्यक सुधार किए गए। टीकाकरण गतिविधियों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफार्मों का बेहतर उपयोग करते हुए कई चरणों में प्रशिक्षित किया गया।

were made accordingly. Before the actual vaccination activity, all the possible measures were undertaken with prompt support from the state's top leadership. A mock vaccination drill was carried out through Dry Run's at several places in the state and necessary improvements were made accordingly. For smooth implementation of vaccination activities, all concerned officers and personnel were trained in phases with constructive use of online training platforms.

COVID vaccination activities were carried out in a phased manner in the state. . In the first phase, about 4,20,586 health workers were immunized while 2,05,467 frontline workers were immunized in the second phase. Similarly, in the third phase, 4,86,363 senior citizens including persons with comorbidity were covered. A record number of women were vaccinated on the eve of World's Women Day in Bihar. Bihar stood 6th among states to administer highest Covid vaccine in October, 2021.[1]

In this continuous process of vaccination, the CoWIN application proved to be an innovative technology to ensure quality service by preparing a due list, informing beneficiaries via SMS, real-time reporting, and fixing accountability at every level.

What this pandemic has brought to the fore is the how inter dependent and inter connected we all are. It has taught has humility, resilience and the ability to renew hope and move ahead together, where in so many individuals have contributed in a singular manner, with grit and determination. This coffee table book is an attempt to bring out the concentrated efforts of hundreds of such individuals, health workers, officers and people's representatives from Bihar, whose tireless efforts have helped transform the COVID vaccination into an efficient and effective experience.

1 http://timesofindia.indiatimes.com/articleshow/87190939.cms?utm_source=contentofinterest&utm_medium=text&utm_campaign=cppst

राज्य में चरणबद्ध तरीके से कोविड टीकाकरण गतिविधियां चलाई गईं। पहले चरण में लगभग 4,20,586 स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण किया गया जबकि दूसरे चरण में 2,05,467 फ्रंटलाइन कर्मियों का टीकाकरण किया गया। इसी तरह, तीसरे चरण में, 4,86,363 वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया गया, जिनमें गंभीर बीमारी के लक्षण वाले व्यक्ति भी शामिल थे। बिहार में विश्व महिला दिवस की पूर्व संध्या पर रिकॉर्ड संख्या में महिलाओं का टीकाकरण किया गया। अक्टूबर, 2021[1] में अधिकतम कोविड वैक्सीन टीकाकरण करने वाले राज्यों में बिहार छठे स्थान पर रहा।

टीकाकरण की इस निरंतर प्रक्रिया में, CoWIN एप्लिकेशन एक नवीन तकनीक साबित हुई जिसने उचित सूची तैयार कर, एस.एम.एस. के माध्यम से लाभार्थियों को सूचित करके, रीयल–टाइम रिपोर्टिंग और हर स्तर पर जवाबदेही तय करते हुए गुणवत्तापरक सेवा सुनिश्चित करने में सहयोग प्रदान किया। इस महामारी ने हमें जो एक बात सिखाई, वह यह कि हम सभी कितने परस्पर एक दूसरे पर निर्भर और आपस में जुड़े हुए हैं। इसने हमें विनम्रता, रेजिलिएन्स एवं उम्मीद को फिर से जागृत करने और एक साथ आगे बढ़ने की क्षमता का पाठ पढ़ाया जहां बहुत सारे लोगों ने अद्वि तीय तरीके से, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ अपना योगदान दिया। यह कॉफी टेबल बुक बिहार के सैकड़ों ऐसे व्यक्तियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के केंद्रित प्रयासों को सामने लाने की एक कोशिश है, जिनके अथक प्रयासों ने कोविड टीकाकरण को एक कुशल और प्रभावी अनुभव में बदलने में मदद की है।

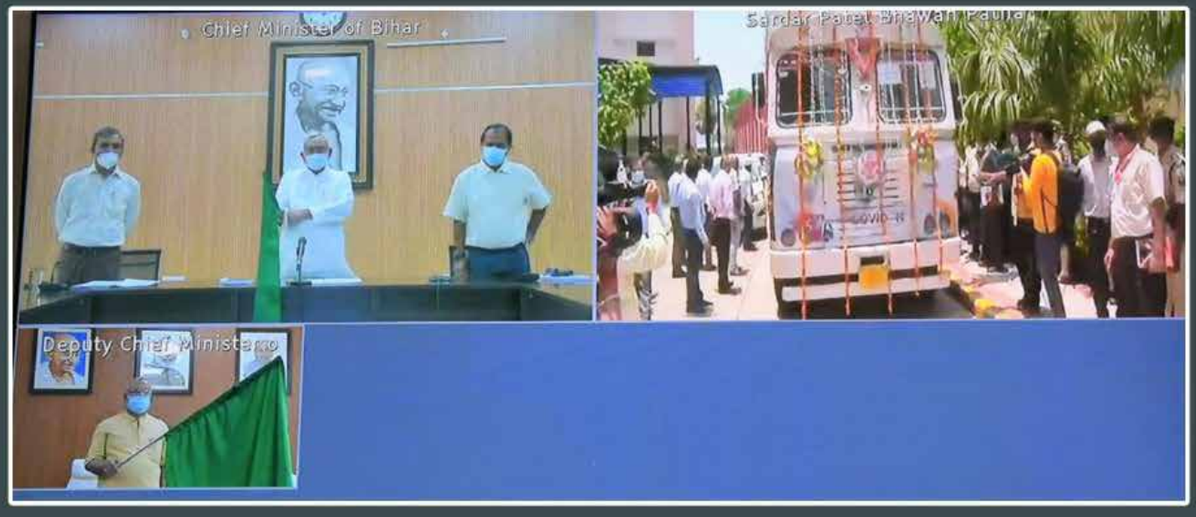
1 http://timesofindia.indiatimes.com/articleshow/87190939.cms?utm_source=contentofinterest&utm_medium=text&utm_campaign=cppst



शहरी क्षेत्रों में भी कोरोना टीका एक्सप्रेस आपके द्वार

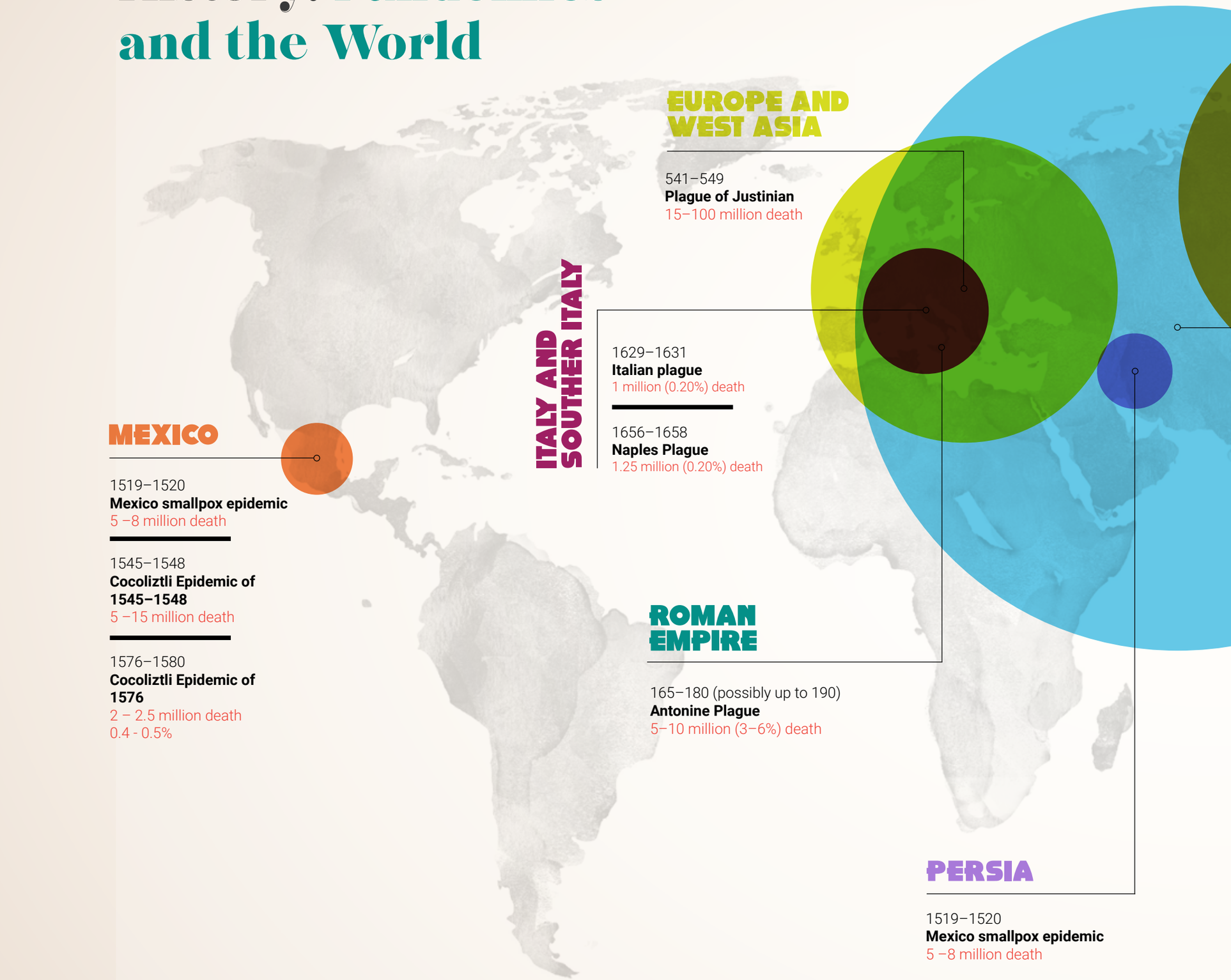
सीएम नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर कोरोना टीका एक्सप्रेस को किया रवाना





जुग-जुग जिये बिहार

History: Pandemics and the World



EUROPE AND WEST ASIA

541–549
Plague of Justinian
15–100 million death

ITALY AND SOUTHER ITALY

1629–1631
Italian plague
1 million (0.20%) death

1656–1658
Naples Plague
1.25 million (0.20%) death

MEXICO

1519–1520
Mexico smallpox epidemic
5 –8 million death

1545–1548
Cocoliztli Epidemic of 1545–1548
5 –15 million death

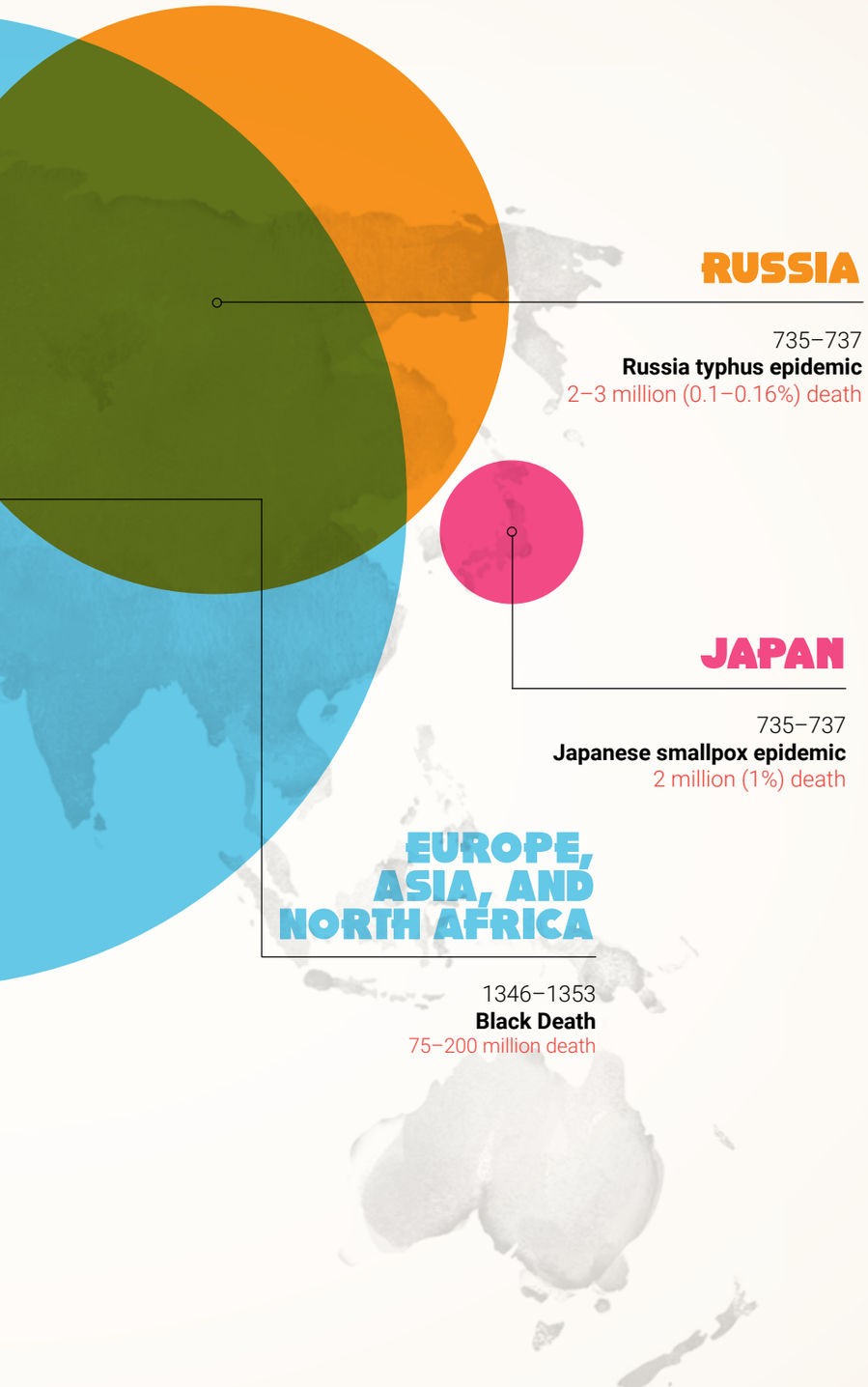
1576–1580
Cocoliztli Epidemic of 1576
2 – 2.5 million death
0.4 - 0.5%

ROMAN EMPIRE

165–180 (possibly up to 190)
Antonine Plague
5–10 million (3–6%) death

PERSIA

1519–1520
Mexico smallpox epidemic
5 –8 million death



World Wide Pandemic

Third cholera pandemic
1846–1860

1 million+(0.08%) death

Third plague pandemic
1855–1960

12–15 million death

Flu pandemic
1889–1890

1 million (0.07%) death

Spanish flu
1918–1920

17–100 million (1–5.4%) death

Asian flu
1957–1958

1–4 million (0.03–0.1%) death

Hong Kong flu
1968–1969

1–4 million (0.03–0.1%) death

HIV/AIDS pandemic
1981–present

35 million+* death
*(as of 2020)

2019 - Present

COVID-19 pandemic

2.6 million+ * (0.03%) death
*(as of March 2021)



COVID situation in Bihar

The path of the pandemic

The novel coronavirus identified in December 2019, has made its way across the globe, jumping borders and crossing continents. As the world reels under the COVID 19 pandemic, Bihar too continued to grapple with its ever-growing presence in the state. And as the pandemic continued to flare, the number of people affected in the state increased in urban and rural settings, both bearing the brunt of ill health and untimely deaths.

The pandemic affected the old and the young, the healthy and the invalid, all with careless impunity, impacting every aspect of our lives. Under its menacing shadow the health care system seemed to stretch to their breaking points, hospitals became understaffed and overworked, even as the state government took on immediate urgent actions to create an inclusive and resilient ecosystem to stem the tide of this outbreak.



THE PANDEMIC AFFECTED THE OLD AND THE YOUNG, THE HEALTHY AND THE INVALID, **ALL WITH CARELESS IMPUNITY,** IMPACTING EVERY ASPECT OF OUR LIVES.





महामारी का रास्ता

दिसंबर 2019 में पहचाने गए नोवेल कोरोनावायरस ने सभी सीमाओं और महाद्वीपों को पार करते हुए पूरी दुनिया को अपने प्रभाव में ले लिया। जैसा कि पूरी दुनिया कोविड–19 महामारी से जूझ रही थी, बिहार राज्य भी इसकी बढ़ती उपस्थिति से जूझ रहा था। और जैसे–जैसे महामारी फैलती गई, राज्य में शहरी और ग्रामीण इलाकों में प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ती गई और खराब स्वास्थ्य एवं असामयिक मौतों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

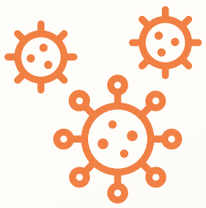
महामारी ने बूढ़े और युवा, स्वस्थ और अशक्त सभी को प्रभावित करते हुए हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया। इसकी भयावह छाया के तहत ऐसा लग रहा था कि स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली ध्वस्त हो रही थी, अस्पताल में कर्मचारियों की कमी हो गयी और काम का बोझ अधिक हो गया, यहां तक कि राज्य सरकार को इस प्रकोप के प्रसार को रोकने हेतु एक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए तत्काल कई आवश्यक कदम उठाये ।

Tracking the spread

A look at the progress of the pandemic paints a dismal picture. From a single case in March 2020, the number of cases reported in Bihar rose to 1,53,568 by 11th September 2020. From then on, the cases began to drop slowly, but March 2021 brought in the second devastating wave of COVID-19. With a record number of new infections and deaths occurring, the onus was on the government to keep the upsurge of cases under control through effective monitoring and immunisation.

As the virus engulfed the country, the COVID-19 death toll rate too increased.

The total number of people affected by COVID-19 in the state reached 7,25,958 as of 30th September 2021, of which 7,16,243 have been discharged [2]. District Patna has been affected the worst, with around 1,46,963 positive cases resulting in 2,334 deaths as of 30th September 2021. The month of May, 2021 took a heavy toll on the people of Bihar, when the highest number of deaths were recorded in the state.



PEOPLE AFFECTED BY COVID-19 IN THE STATE

7,25,958



PEOPLE DISCHARGED

7,16,243

as of 30th September 2021

2 State Health Society, GoB



महामारी के प्रसार को ट्रैक करना

महामारी के बढ़ने की स्थिति पर एक नजर डालते हैं तो यह एक निराशाजनक तस्वीर पेश करती है। मार्च 2020 में दर्ज हुए एक मामले से लेकर 11 सितंबर 2020 तक बिहार में रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या बढ़कर 1,53,568 हो गई। तब से, मामले धीरे–धीरे कम होने लगे, लेकिन मार्च 2021 कोविड–19 की दूसरी विनाशकारी लहर लेकर आया। नए संक्रमणों और मौतों की रिकॉर्ड संख्या के साथ, प्रभावी निगरानी और टीकाकरण के माध्यम से मामलों की वृद्धि को नियंत्रण में रखने की जिम्मेदारी सरकार पर थी।

जैसे ही वायरस ने देश को अपनी चपेट में लिया, कोविड–19 से मरने वालों की संख्या भी बढ़ गई।

30 सितंबर, 2021 तक राज्य में कोविड–19 से प्रभावित लोगों की कुल संख्या 7,25,958 तक पहुंच गई, जिनमें से 7,16,243[1] लोग ठीक हो चुके। 30 सितंबर, 2021 तक लगभग 1,46,963 कोरोना पाजीटिव मामलों एंव, 2,334 मौतों के साथ, पटना जिला सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मई, 2021 का महीना बिहार के लोगों पर भारी पड़ा, जब राज्य में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गईं।

1 State Health Society, GoB

Healthcare challenges

The strain on the healthcare system of the state was immense with the rise of cases in the state. With limited hospital space and overloaded health staff, prioritising COVID care became the government's urgent mantra. Improved testing capacity, building or reallocating exclusive infrastructure to avoid intermingling of COVID patients, e-initiatives, enforcement of emergency measures, containment strategy, and above all an inclusive, equitable vaccination programme rollout became the core strategies of the state government to deal with the pandemic challenge.

Hospitals were overburdened, the staff overworked and health workers seemed exhausted. But, the state government rose up courageously to this extraordinary challenge with a strategy that was well planned, effective and beneficial to all its citizens. Besides the existing hospitals, dedicated health centres were created and readied for COVID patients, the RTPCR tests numbers and frequency increased across the state, additional medical staff was recruited and provisions for oxygen tanks and ambulances catered for.

स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां

राज्य में मामलों के बढ़ने के साथ राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव बहुत अधिक था। सीमित अस्पताल और अतिभारित स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ, कोविड देखभाल को प्राथमिकता देना सरकार का जरूरी मंत्र बन गया। बेहतर परीक्षण क्षमता, कोविड रोगियों के आपस में मिलने से बचने के लिए विशेष बुनियादी ढांचे का निर्माण या पुनः निर्धारण, ई–पहल, आपातकालीन उपायों को लागू करना, रोकथाम रणनीति, और सबसे बढ़कर एक समावेशी, न्यायसंगत टीकाकरण कार्यक्रम रोलआउट इस महामारी की चुनौती से निपटने के लिए राज्य सरकार की मुख्य रणनीति बन गई।

अस्पतालों पर बहुत अधिक बोझ था, कर्मचारियों पर बहुत अधिक काम का दबाव था और स्वास्थ्य कर्मी थके हुए लग रहे थे। लेकिन, राज्य सरकार इस असाधारण चुनौती के लिए साहसपूर्वक एक रणनीति के साथ आगे बढ़ी जो सुनियोजित, प्रभावी और अपने सभी नागरिकों के लिए लाभकारी थी। मौजूदा उपलब्ध अस्पतालों के अलावा, कोविड रोगियों के लिए विशेष समर्पित स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए और कोविड सम्बन्धित आश्यक सुविधाओं को तैयार किया गया। राज्य भर में RTPCR परीक्षणों की संख्या और आवृत्ति में वृद्धि हुई, अतिरिक्त चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती की गई एवं ऑक्सीजन टैंक और एम्बुलेंस के व्यवस्था की गई।

THE RTPCR TESTS NUMBERS AND FREQUENCY INCREASED ACROSS THE STATE

ADDITIONAL MEDICAL STAFF RECRUITED

PROVISIONS FOR OXYGEN TANKS AND AMBULANCES





Government initiatives

In a bid to contain the pandemic threat, state level restrictions related to public health emergency were ordered. A high-powered Crisis Management Group (CMG) issued strict guidelines to contain the transmission of the corona virus ravaging across the state. All incoming visitors at the airport from Maharashtra, Kerala and Punjab were permitted to leave the airport only if they carried a COVID-19 negative report. This soon included people from the states of Gujarat, Delhi, Haryana, Chhattisgarh and Madhya Pradesh. At the railway stations too, random tests were carried out through the Rapid Antigen Test kit to identify and isolate probable carriers.

Community regulations were enforced and public gatherings curtailed. Social distancing, wearing of masks, travel restrictions and lockdown became the by-words during this period. Where ever positive cases surfaced, micro containment zones were created, followed by 100 percent testing and medical care. Schools, markets and offices shutdown, even as scientists across the world scrambled to find a vaccine to stop the deathly viral transmission.



सरकार की पहल

महामारी के खतरे को रोकने के लिए, लोक स्वास्थ्य आपातकाल से संबंधित राज्य स्तरीय प्रतिबंधों का आदेश दिया गया। एक उच्चाधिकार प्राप्त संकट प्रबंधन समूह (सीएमजी) ने राज्य भर में फैले कोरोना वायरस के संचरण को रोकने के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए। महाराष्ट्र, केरल और पंजाब से हवाईअड्डे पर आने वाले सभी आगंतुकों को हवाईअड्डे से बाहर जाने की अनुमति तभी दी गई जब उनकी कोविड–19 रिपोर्ट नेगेटिव आई हो। यह जल्द ही गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश राज्यों से आने वाले लोगों पर भी लागू हो गया। रेलवे स्टेशनों पर भी, संभावित वाहकों की पहचान करने और उन्हें अलग करने के लिए रैपिड एंटीजन टेस्ट किट के माध्यम से रैण्डम परीक्षण किए गए।

सामुदायिक नियमों को लागू किया गया और सार्वजनिक समारोहों पर अंकुश लगाया गया। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना, यात्रा प्रतिबंध और लॉकडाउन जैसे शब्द आम हो गए। जहां भी पॉजिटिव केस सामने आए, वहां माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाए गए, इसके बाद शत–प्रतिशत टेस्टिंग और मेडिकल केयर किया गया। स्कूल, बाजार और कार्यालय बंद हो गए, यहां तक कि दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने इस घातक वायरल संचरण को रोकने के लिए एक वैक्सीन खोजने के लिए जद्दोजहद शुरू कर दी।

The race for vaccines

Across the world, ways and means to stop the spread of the COVID-19 virus are being sought after. Social distancing, masks and hand hygiene today are the buzz words for individual safety. But to prevent infection, hospitalisation and probable death, and to build a better immune response towards the virus, the endeavour was to create a safe and effective COVID-19 vaccine. This protection through vaccination coverage seems to be humanity's best hope against the pandemic, a crucial step that will lead to a decline in the COVID-19 cases and deaths.

A newly developed vaccine, like any novel medicine, needs to go through extensive and rigorous screenings, repeated evaluations, safety tests and clinical trials before it is deemed fit to be introduced to the public, a lengthy process that usually takes anywhere between 10-15 years. But COVID-19 has made these times unusual.





वैक्सीन की लिए भाग दौड़

दुनिया भर में, कोविड –19 वायरस के प्रसार को रोकने के तरीके और साधन खोजे जा रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क और हाथों की साफ–सफाई आज व्यक्तिगत सुरक्षा के चर्चित शब्द हैं। लेकिन संक्रमण, अस्पताल में भर्ती होने और संभावित मौत को रोकने और वायरस के प्रति बेहतर प्रतिरक्षा प्रणाली बनाने के लिए, एक सुरक्षित और प्रभावी कोविड–19 वैक्सीन बनाने का प्रयास किया गया। टीकाकरण कवरेज के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करना एक महत्वपूर्ण कदम था जो इस महामारी के खिलाफ मानवता की सबसे बड़ी उम्मीद प्रतीत हो रही थी जो कोविड–19 मामलों और मौतों में गिरावट की ओर ले जाने में सक्षम होगी।

किसी भी नई दवा की तरह एक नए विकसित टीके को, इससे पहले कि इसे जनता के लिए उपयुक्त समझा जाए, व्यापक और कठोर जांच, बार–बार मूल्यांकन, सुरक्षा परीक्षण और चिकित्सीय परीक्षणों की एक लंबी प्रक्रिया जो आमतौर पर कहीं भी 10–15 वर्षों के बीच होती है, से गुजरना पड़ता है। परन्तु कोविड–19 ने इस समय को भी असामान्य बना दिया।

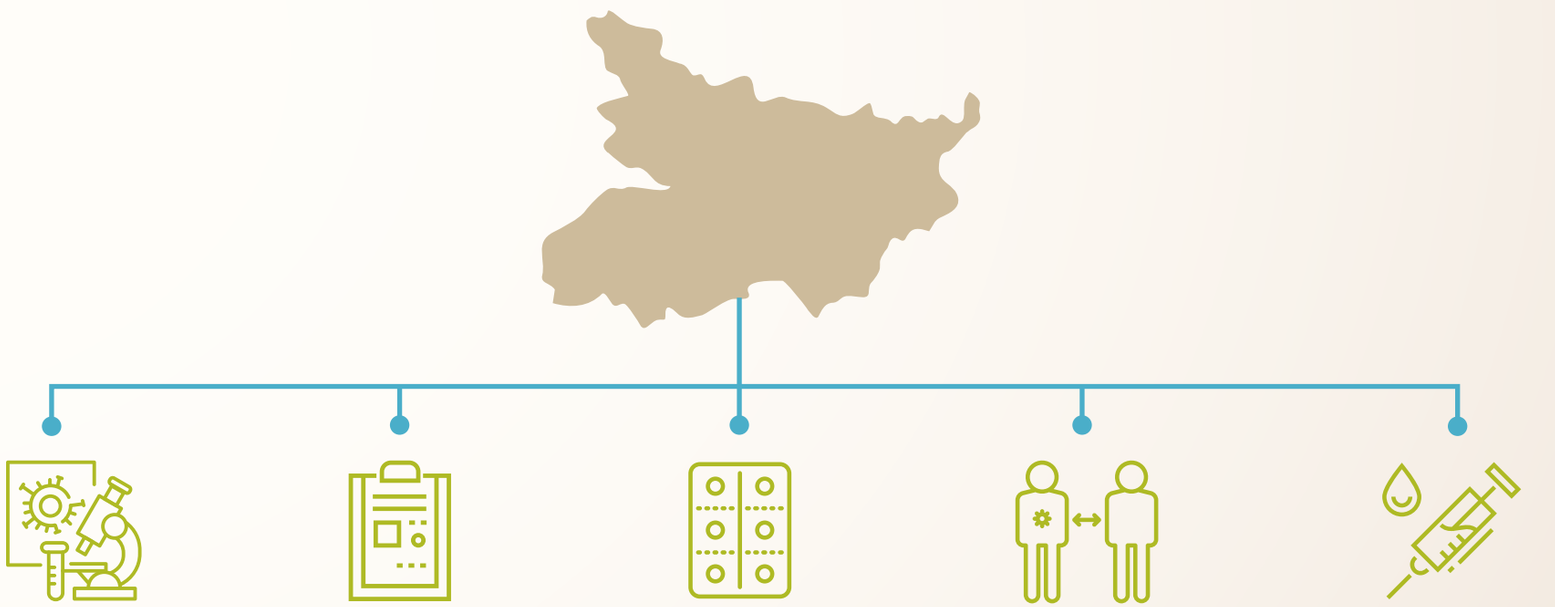
In a bid to slowdown the deadly viral transmission and reduce mortality, scientists were working harder and faster to investigate potential vaccinations. As per World Health Organization (WHO), as of January 15, 2021, there were 64 vaccines undergoing clinical evaluation worldwide. Vaccine research efforts accelerated, new vaccines were introduced and manufacturing capacity of pharmaceutical companies enhanced. And, thus several vaccines that meet the necessary criteria for safety and efficacy were launched after having undergone regulatory approvals.

The government of Bihar following the five basic principles of Testing, Tracking, Treatment, Covid Appropriate Behaviour and Vaccination, in the fight against COVID-19; geared up for this daunting challenge, ready to launch its ambitious vaccination programme through an integrated roadmap and detailed framework plan.

घातक वायरल संचरण को धीमा करने और मृत्यु दर को कम करने के लिए, वैज्ञानिक संभावित टीकाकरण की जांच के लिए कड़ी मेहनत और तेजी से काम कर रहे थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 15 जनवरी, 2021 तक दुनिया भर में 64 टीकों का चिकित्सीय मूल्यांकन चल रहा था। वैक्सीन अनुसंधान प्रयासों में तेजी आई, नए टीके पेश किए गए और दवा कंपनियों की निर्माण क्षमता में वृद्धि हुई। और, इस प्रकार कई टीके जो सुरक्षा और गुणवत्ता के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं, नियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद लॉन्च किए गए थे।

बिहार सरकार कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई में परीक्षण, ट्रैकिंग, उपचार, कोविड उपयुक्त व्यवहार और टीकाकरण के पांच बुनियादी सिद्धांतों का पालन करते हुए इस कठिन चुनौती के लिए तैयार है और एक एकीकृत रोडमैप और विस्तृत रूपरेखा योजना के माध्यम से अपने महत्वाकांक्षी टीकाकरण कार्यक्रम को शुरू करने के लिए तैयार है।

THE FIVE BASIC PRINCIPLES OF GOVERNMENT OF BIHAR IN THE FIGHT AGAINST COVID-19





Before the Vaccination


कोविड टीकाकरण
महाअभि
कोविड टीकाकरण

A sound start

The proactive strategy by the government to roll out a COVID-19 vaccination programme that was timely, efficient and equitable, aimed to reduce the risk of infections, prevent virus related serious illness and avoid resurgence of the pandemic. The vaccination process against COVID-19 commenced in the state on 16th January 2021, with the Hon' Chief Minister himself taking the inoculation on 1st March, 2021. But the preparatory work commenced much before that. The state government left no stone overturned and took stringent measures to ensure the success of the programme right from the word go, and provided the much-needed guidance and support to address and monitor all aspects of vaccine administration.

With the clear objective of 'free COVID-19 vaccines for the people of Bihar', as announced by the Hon' Chief Minister, Sh. Nitish Kumar, on 1st March, the aim was crystal clear-to ensure that every village, every lane and every home was included in this massive inoculation programme. With an adult population of 7 Crore 34 Lakh eligible beneficiaries as of 2021 in the state, it was a logistic challenge to ensure that an uninterrupted vaccine delivery system reached all levels, to every community and every individual.

All of this required detailed planning, coordination and strategizing between the various departments of the government, with constant follow up and monitoring. The vaccination drive has gained momentum since it started, and as of 30th September, 2021, 4 Crore 35 Lakh eligible beneficiaries have been administered the first dose, and 1 Crore 8 Lakh eligible beneficiaries have received both the doses.[3]

Immunization of the public is crucial to stem the tide of the pandemic, and the factors that helped the government to a sound start include:

3 https://dashboard.cowin.gov.in/

एक ठोस शुरूआत

कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करने के लिए सरकार द्वारा उचित समय पर, कुशल और न्यायसंगत सक्रिय रणनीति बनायी गयी थी जिसका उद्देश्य संक्रमण के जोखिम को कम करना, वायरस से संबंधित गंभीर बीमारी को रोकना और महामारी के पुनरुत्थान से बचना है। राज्य में कोविड–19 के खिलाफ टीकाकरण की प्रक्रिया 16 जनवरी, 2021 को शुरू हुई, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री ने स्वयं 1 मार्च, 2021 को टीका लगवाया था। लेकिन तैयारी का काम उससे बहुत पहले शुरू हो गया था। राज्य सरकार ने इस कार्य में कोई कसर नहीं छोड़ी और कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए। राज्य सरकार ने टीका व्यवस्था के सभी पहलुओं को संबोधित करने और निगरानी करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया।

1 मार्च को माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार द्वारा घोषित "बिहार के लोगों के लिए मुफ्त कोविड–19 टीके" के स्पष्ट उद्देश्य के साथ इसका लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट था – यह सुनिश्चित करना कि हर गाँव, हर गली और हर घर को इस बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाए। 7 करोड़ 34 लाख पात्र लाभार्थियों की वयस्क आबादी के साथ राज्य में 2021 तक यह सुनिश्चित करना कि सभी स्तरों, प्रत्येक समुदाय और प्रत्येक व्यक्ति तक निर्बाध टीका वितरण प्रणाली पहुंचे, एक व्यवस्थात्मक चुनौती थी।

इन सबके लिए सरकार के विभिन्न विभागों के बीच एक ऐसी विस्तृत योजना, समन्वय और रणनीति की आवश्यकता थी, जिसमें निरंतर फालोअप और निगरानी हो। टीकाकरण अभियान के शुरू होने के बाद से इसने गति पकड़ी है, और 30 सितंबर, 2021 तक, 4 करोड़ 35 लाख पात्र लाभार्थियों को पहली खुराक दी जा चुकी है एवं 1 करोड़ 8 लाख पात्र लाभार्थियों को दोनों खुराक प्राप्त हुई हैं[2]।

महामारी के प्रवाह को रोकने के लिए लोगों का टीकाकरण महत्वपूर्ण है, और इस कार्य में जिन महत्वपूर्ण कारकों ने सरकार को एक ठोस शुरुआत प्रदान करने में मदद की, उनमें शामिल हैं:

2 CoWIN

4 CRORE 35 LAKH

ELIGIBLE BENEFICIARIES HAVE BEEN ADMINISTERED **THE FIRST DOSE**







1 CRORE 8 LAKH

ELIGIBLE BENEFICIARIES HAVE RECEIVED **BOTH THE DOSES**

I. Cooperative federalism

In response to the pandemic, the state government worked under the guidance laid down by the centre, a unique experience of cooperative federalism in these trying times. The vision of the political leaders in Bihar aided by the implementation carried out by the bureaucracy, helped the state strengthen its capabilities. This diffused democratic federal system helped meet the extraordinary demands during this crucial period.



1 सहयोगी संघवाद

महामारी के प्रतिउत्तर में, राज्य सरकार ने केंद्र द्वारा निर्धारित मार्गदर्शन में काम किया जो इस कठिन समय में सहयोगी संघवाद का एक अनूठा अनुभव था। राज्य में नौकरशाही द्वारा किए गए क्रियान्वयन के सहयोग से बिहार में राजनीतिक नेताओं के विजन ने राज्य को अपनी क्षमताओं को मजबूत बनाने में मदद की। इस विस्तृत लोकतांत्रिक संघीय व्यवस्था ने इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान असाधारण मांगों को पूरा करने में मदद की।

II. Strong politico-administrative commitment

a. Chief Minister leads from the front

To address the formidable challenge of a state wide inoculation programme that ensures free vaccination for the entire Bihar state, the Hon' Chief Minister, Sh Nitish Kumar pledged his total support and commitment. Under his clear, decisive leadership, the state government was able to assess, strategize and speedily roll out a vaccination policy. The target to protect every citizen of the state through vaccination relied on a robust mechanism for the storage, distribution and administration of the vaccine. This required a comprehensive plan and strategy through which the state machinery could be readied, supported and monitored with ease.

The Chief Minister remains at the helm of the vaccination programme, directing and motivating his team to ensure a range of actions that strengthen this life saving process. Effective coordination between different departments, frequent field visits to monitor progress, consistent feedback by teams and responsive directives have been the hallmark of his deep involvement in the programme.

2 मजबूत राजनीतिक–प्रशासनिक प्रतिबद्धता

अ) मुख्यमंत्री ने आगे आकर नेतृत्व किया

पूरे बिहार राज्य के लिए मुफ्त टीकाकरण सुनिश्चित करने वाले राज्यव्यापी टीकाकरण कार्यक्रम की विकट चुनौती से निपटने के लिए, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अपना पूर्ण समर्थन और प्रतिबद्धता व्यक्त की। उनके स्पष्ट व निर्णायक नेतृत्व में राज्य सरकार, टीकाकरण नीति का आकलन, रणनीति बनाने और तेजी से लागू करने में सक्षम थी। टीकाकरण के माध्यम से राज्य के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा करने का लक्ष्य वैक्सीन के भंडारण, वितरण और व्यवस्था के लिए एक मजबूत तंत्र पर निर्भर था। इसके लिए एक व्यापक योजना और रणनीति की आवश्यकता थी जिसके माध्यम से राज्य मशीनरी को आसानी से तैयार किया जा सके, सहयोग दिया जा सके और निगरानी में रखा जा सके।

मुख्यमंत्री ने स्वयं टीकाकरण कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए अपनी टीम को इस जीवन रक्षक प्रक्रिया को मजबूत करने वाले विभिन्न कार्यों को सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित और प्रेरित किया है। विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय, प्रगति की निगरानी के लिए लगातार क्षेत्र का दौरा, टीमों द्वारा निरन्तर फीडबैक और जिम्मेदारीपूर्ण निर्देश कार्यक्रम में उनकी गहरी भागीदारी को दिखाता है।



b. Strategic actions at state level

The Bihar COVID 19 Emergency Response Team (BCERT) was formed as a nodal body to manage the pandemic situation in the state of Bihar, on 25th March 2020. To further formulate the state strategies' for COVID vaccine planning and distribution, a State Steering Committee was formed for enhanced inter-sector coordination and support, that included officials from various other departments along with the essential Health Department.

c. COVID 19 vaccination Cell

Constituted at the state level to work as the nodal centre for all COVID vaccine related activities, it included state officials, specifically from the health sector along with the development partners. In its first meeting on 23rd November 2020, it deliberated on the ways to streamline the working of the vaccination programme. Thus, the groundwork for an efficient and time specific vaccination programme began in earnest much before the vaccination process actually took off in the field.

ब) राज्य स्तर पर रणनीतिक कार्यवाही

25 मार्च 2020 को बिहार राज्य में महामारी की स्थिति का प्रबंधन करने के लिए बिहार कोविड–19 आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (BCERT) का गठन एक नोडल निकाय के रूप में किया गया था। कोविड वैक्सीन योजना और वितरण के लिए राज्य की रणनीति तैयार करने हेतु एक राज्य संचालन समिति का गठन अंतर–क्षेत्रीय समन्वय और सहयोग को बढ़ाने के लिए किया गया जिसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ–साथ अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल थे।

स) कोविड–19 टीकाकरण सेल

सभी कोविड वैक्सीन संबंधी गतिविधियों के लिए नोडल केंद्र के रूप में काम करने के लिए राज्य स्तर पर कोविड–19 टीकाकरण सेल का गठन किया गया जिसमें राज्य के अधिकारी, विशेष रूप से स्वास्थ्य के क्षेत्र से, के साथ–साथ डेवलपमेण्ट पार्टनर भी शामिल थे। 23 नवंबर 2020 को अपनी पहली बैठक में, इस सेल ने टीकाकरण कार्यक्रम के कामकाज को कारगर बनाने के तरीकों पर विचार–विमर्श किया। इस प्रकार, एक कुशल और समय विशिष्ट टीकाकरण कार्यक्रम के लिए जमीनी स्तर पर कार्य वास्तव में क्षेत्र में टीकाकरण प्रक्रिया शुरू होने से बहुत पहले शुरू हो गया था।





d. Formation of a State Task force

With its first meeting scheduled as early as 5th December,2020, the STF's purpose to translate the suggestions and the recommendations of the State Steering Committee into feasible action and work, began in earnest. To add to the impetus, and for the vaccination to reach every home and every household in the state, district and block level work forces were also created to operate easily and efficiently at every level.

e. Cluster approach undertaken

The state adopted a cluster focused strategy to ensure that maximum number of people in the target age group were covered by the vaccination programme. Cluster was defined as a sub-unit within a block, where the vaccination team would be deployed, and be responsible for covering all eligible beneficiaries. This was ensured so that the vaccine facilitation activity could be intensified in smaller geographical areas, and reach every single village in the state.

द) स्टेट टास्क फोर्स का गठन

5 दिसंबर, 2020 को अपनी पहली बैठक के साथ गठित स्टेट टास्क फोर्स का उद्देश्य राज्य संचालन समिति के सुझावों और सिफारिशों को व्यवहारिक कार्य में लाना था। राज्य में हर घर और हर टोले में टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए और हर स्तर पर आसानी और कुशलता से इसे संचालित करने के लिए जिला और ब्लॉक स्तर के कार्यदल भी बनाए गए थे।

य) समूह/क्लस्टर केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाना

लक्षित आयु वर्ग के अधिकतम लोगों को टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना सुनिश्चित करने के लिए राज्य ने समूह केंद्रित रणनीति अपनाई। इसके तहत प्रत्येक क्लस्टर को एक ब्लॉक के भीतर एक उप–इकाई के रूप में परिभाषित किया गया था, जहां टीकाकरण दल तैनात किया जाएगा, और वह सभी पात्र लाभार्थियों को कवर करने के लिए जिम्मेदार होगा। यह भी सुनिश्चित किया गया कि भौगोलिक दृष्टिकोण से छोटे क्षेत्रों में वैक्सीन सुविधा गतिविधि को तेज किया जा सके और राज्य के हर एक गाँव तक पहुँचाया जा सके।



III. Devising an effectual Strategy

a. Re strengthen existing system

For Bihar, immunization has been a priority for decades, and the state has an enviable immunization programme that provides these essential services across the state to every village and hamlet. A series of micro plans are created, reviewed and scheduled to augment these immunization drives that filter down from the state to the district, till the block levels. The decision was taken to strengthen the existing system and use it as a springboard to further the COVID-19 vaccination programme.

3 एक प्रभावी रणनीति तैयार करना

अ) मौजूदा व्यवस्था को फिर से मजबूत करना

बिहार के लिए, टीकाकरण दशकों से एक प्राथमिकता रही है, और राज्य में एक वांछनीय टीकाकरण कार्यक्रम है जो राज्य भर में हर गांव और टोले को ये आवश्यक सेवाएं प्रदान करता है। इन टीकाकरण अभियानों को बढ़ाने के लिए माइक्रो प्लानिंग की गयी, समीक्षा की गयी और उनका कार्यक्रम निर्धारित किया गया ताकि इसे राज्य से जिले और ब्लॉक स्तर तक सुगमता से ले जाया जाये। इसी क्रम में यह निर्णय लिया गया कि मौजूदा प्रणाली को मजबूत किया जाए और आगे कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिए इसे स्प्रिंगबोर्ड के रूप में उपयोग किया जाए।

b. Thinking ahead

Careful and deliberate planning to ensure the readiness of the organisation and the public began much before the vaccination program was launched. Vaccine availability, eligibility criteria, roadmap for vaccination implementation- these were some of the crucial factors to strategize the vaccination campaign. Government of Bihar was supplied the first order of vaccines by the Serum Institute Life Sciences Private Limited in Pune on 12th Jan 2021. The orders for this had been placed with the Centre on 16th November 2020, much ahead of the commencement of vaccination. Other focus areas were:

i. Check the numbers

For the vaccination programme to be effective and successful, it was essential to appreciate the numbers involved. With this in mind, creation of a database of the healthcare workers was initiated as early as 12th November 2020. Generation of database on frontline (6 lakh) and healthcare workers (5 lakh) gave an initial estimate of nearly 11 lakh beneficiaries. Besides these government employees, private agencies uploaded their healthcare workers database on the 'heath worker 'software, developed exclusively by SHSB for this purpose. Further estimation brought the figure of the population above 60 years to nearly one crore, and those in the 45 to less than 60 co-morbidity bracket to 20 lakhs[4]. In the 18-44 age bracket, around 5.39 crore[5] people were identified.

GENERATION OF DATABASE ON FRONTLINE (6 LAKH) AND HEALTHCARE WORKERS (5 LAKH) GAVE AN INITIAL ESTIMATE OF NEARLY 11 LAKH BENEFICIARIES.

4 https://www.newindianexpress.com/nation/2021/may/26/surprise-surprise-bihar-no-1-state-in-vaccinating-the-18-44-in-india-2307923.html

5 Government documents



ब) आगे की सोच

टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होने से बहुत पहले संगठनों और जनता की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक और संकल्पित योजना शुरू हुई। वैक्सीन की उपलब्धता, पात्रता मानदंड, टीकाकरण कार्यान्वयन के लिए रोडमैप– ये टीकाकरण अभियान की रणनीति बनाने के कुछ महत्वपूर्ण कारक थे। 12 जनवरी 2021 को सीरम इंस्टीट्यूट लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, पुणे द्वारा बिहार सरकार को टीकों के पहले ऑर्डर की आपूर्ति कर दी गयी थी। इसके लिए टीकाकरण शुरू होने से काफी पहले 16 नवंबर 2020 को केंद्र के साथ मिलकर ऑर्डर दिए गए थे। अन्य फोकस क्षेत्र थे–

i संख्या की जांच

टीकाकरण कार्यक्रम के प्रभावी और सफल होने के लिए, इसमें शामिल को संख्याओं समझना/आंकना आवश्यक था। इसे ध्यान में रखते हुए, स्वास्थ्य कर्मियों के डेटाबेस का निर्माण 12 नवंबर 2020 की शुरुआत में शुरू किया गया था। फ्रंटलाइन (6 लाख) और स्वास्थ्य कर्मियों (5 लाख) के डेटाबेस ने लगभग 11 लाख लाभार्थियों का प्रारंभिक अनुमान दिया। इन सरकारी कर्मचारियों के अलावा, निजी एजेंसियों ने इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से SHSB द्वारा विकसित 'heath worker 'सॉफ्टवेयर पर अपने स्वास्थ्य कर्मियों के डेटाबेस को अपलोड किया। इसके अलावा 60 वर्ष से ऊपर की आबादी का आंकड़ा लगभग एक करोड़ और 45 से कम गम्भीर बिमारी वाले वर्ग में 20 लाख[3] तक का अनुमान लगाया गया। 18–44 आयु वर्ग में लगभग 5.39 करोड़[4] लोगों की पहचान की गई।

3 https://www.newindianexpress.com/nation/2021/may/26/surprise-surprise-bihar-no-1-state-in-vaccinating-the-18-44-in-india-2307923.html

4 Government documents



ii. Formulate a vaccine schedule

Before the roll out of COVID-19 vaccines could begin, it was essential to formulate a schedule to prioritize the beneficiaries, based on the actual availability of the vaccines. People at higher risk, the healthcare and frontline workforce workers were placed in the first priority group and their vaccination process began on 16th January 2021, when Healthcare Workers were prioritized for vaccination in the state. The second phase catered to all individuals above the age of 60, and also those between 45 and less than 60, but with co-morbidities, and started on 1st march 2021. Next to be considered were all above the age of 45, and finally every citizen above the age of 18 years. This was in line with the GoI guidelines followed across the country.

ii वैक्सीन कार्यक्रम तैयार करना

इससे पहले कि कोविड–19 टीकों का रोल आउट शुरू हो सके, टीकों की वास्तविक उपलब्धता के आधार पर लाभार्थियों को प्राथमिकता देने के लिए एक कार्यक्रम तैयार करना आवश्यक था। जब राज्य में टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य कर्मियों को प्राथमिकता दी गई तो उच्च जोखिम वाले लोगों, स्वास्थ्य देखभाल करने वाले और फ्रंटलाइन कार्यदल कार्यकर्ताओं को पहले प्राथमिकता समूह में रखा गया था और उनके लिए टीकाकरण प्रक्रिया 16 जनवरी 2021 को शुरू हुई थी। दूसरा चरण 1 मार्च 2021 को जिसमें 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों, और सह–रुग्णता वाले 45 और 60 से कम के बीच के लोगों के लिए शुरू हुआ। आगे 45 वर्ष की आयु से ऊपर विचार किया गया था, और अंत में 18 वर्ष से अधिक आयु का प्रत्येक नागरिक को इस अभियान से जोड़ना था। यह पूरे देश में भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप लागू किया गया था।



iii. Create State Vaccination Stores

The existing cold storage space in the state was listed and similar additional spaces, such as that with the Animal Husbandry Department, were explored and accounted for to ensure adequate storage for the vaccine in a meeting of the SSC in November, 2020. For the safe storage of the COVID-19 vaccine, stringent protocols as per the guideline developed by GoI were strictly adhered to. The State Vaccine Store in NMCH, Patna, was a key player in the storage and upkeep of the COVID vaccine stock before distribution. To ensure the readiness of the State Vaccine Store well in advance, two staff members from the RI Cell were deputed.

iii राज्य टीकाकरण स्टोर बनाना

राज्य में मौजूदा कोल्ड स्टोरेज स्पेस को सूचीबद्ध किया गया और इसी तरह के अतिरिक्त स्थान, जैसे कि पशुपालन विभाग, का पता लगाया गया और नवंबर, 2020 में एसएससी की एक बैठक में वैक्सीन के लिए पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के लिए हिसाब लगाया गया था। कोविड–19 वैक्सीन के सुरक्षित भंडारण के लिए, भारत सरकार द्वारा विकसित दिशा–निर्देशों के अनुसार कड़े प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया गया। स्टेट वैक्सीन स्टोर NMCH, पटना वितरण से पहले कोविड वैक्सीन स्टॉक के भंडारण और रखरखाव के लिए एक प्रमुख हितभागी था। राज्य वैक्सीन स्टोर की तैयारी पहले से सुनिश्चित करने के लिए, आरआई सेल के दो स्टाफ सदस्यों को प्रतिनियुक्त किया गया था।



iv. Map vaccination sites

For the mass-vaccination plan to reach every nook and corner of the state, vaccination sites were designated well in advance. In some places existing community-based health centres were leveraged, while in others large, mass vaccination sites like stadiums, convention centres etc. were earmarked. Prior to the start of the vaccination drive, more than 600 vaccination sites were created across the state.

For the elderly and others with limited mobility, access was improved by providing sites closer to the community and homes, called Near to Home COVID Vaccination Centres (NHCVC). There were more than 6000[6] vaccination centres created for citizens, both of permanent and temporary nature across the state. This number rapidly increased every month, and is now upto to the current level of 15,000 sites[7] (October, 2021).

These sites were selected on the criteria specified as per the COVID Vaccination Operational Guidelines (MoHFW). Number of eligible sites for every district were primed with vaccinators and vaccine doses, ready to conduct varying number of sessions for COVID vaccination throughout the campaign.



15,000

VACCINATION CENTRES CREATED FOR CITIZENS, BOTH OF PERMANENT AND TEMPORARY NATURE ACROSS THE STATE

6 https://www.hindustantimes.com/cities/patna-news/covid19-vaccination-drive-of-6-crore-people-over-six-months-launched-in-bihar-101624292438105.html

7 https://www.hindustantimes.com/cities/patna-news/bihar-crosses-6-crore-vaccine-doses-9-states-adopt-patna-s-successful-vaccination-model-101633810057772.html

iv टीकाकरण स्थल की मैपिंग

जन–टीकाकरण योजना को राज्य के कोने–कोने तक पहुँचाने के लिए टीकाकरण स्थलों को पहले से ही निर्धारित कर दिया गया था। कुछ स्थानों पर मौजूदा समुदाय–आधारित स्वास्थ्य केंद्रों का उपयोग किया गया, जबकि अन्य में बड़े व व्यापक पैमाने पर टीकाकरण हेतु टीकाकरण स्थल जैसे स्टेडियम, सम्मेलन केंद्र आदि निर्धारित किए गए थे। टीकाकरण अभियान शुरू होने से पहले राज्य भर में 600 से अधिक टीकाकरण स्थल बनाए गए थे।

बुजुर्गों और चलने फिरने में अशक्त अन्य लोगों के लिए, समुदाय और घरों के करीब साइटों को उपलब्ध कराकर पहुंच में सुधार किया गया, जिसे नियर टू होम कोविड टीकाकरण केंद्र (NHCVC) कहा गया है। राज्य भर में स्थायी और अस्थायी दोनों प्रकार के नागरिकों के लिए 6000[5] से अधिक टीकाकरण केंद्र बनाए गए थे। यह संख्या हर महीने तेजी से बढ़ी, और अब यह 15,000 साइटों (अक्टूबर, 2021)[6] के मौजूदा स्तर तक है।

इन साइटों का चयन कोविड टीकाकरण परिचालन दिशानिदशों (MoHFW) के अनुसार निर्दिष्ट मानदंडों पर किया गया था। प्रत्येक जिले के लिए उचित स्थलों की संख्या को वैक्सीनेटरों और वैक्सीन की खुराक के अनुसार तैयार किया गया था, जो पूरे अभियान में कोविड टीकाकरण के लिए अलग–अलग सत्र आयोजित करने के लिए तैयार थे।



5 https://www.hindustantimes.com/cities/patna-news/covid19-vaccination-drive-of-6-crore-people-over-six-months-launched-in-bihar-101624292438105.html

6 https://www.hindustantimes.com/cities/patna-news/bihar-crosses-6-crore-vaccine-doses-9-states-adopt-patna-s-successful-vaccination-model-101633810057772.html

v. Train manpower

To support the vaccination drive across the state, a large number of healthcare professionals were needed. Besides the need to handle, prepare and administer the vaccine, they had to be competent to respond and reassure recipients queries and concerns. As a first step, a two-day long virtual national orientation on COVID-19 vaccination for the State Programme Officers was carried out in December, 2020. All the matter and information gathered was translated into Hindi and reached the subordinate echelons of administration, when the district level officials underwent a similar training programme on 22nd December, 2020. To further consolidate the understanding, another one-day in person training for small batches of district officials was organised in January, 2021, which included COWIN app related understanding. Later on, when the patients numbers swelled and the importance of following recommended treatment protocols was paramount, state-wide virtual training programmes were organised to equip the health officials in April/May 2021, with the support of All India Institute of Medical Sciences (AIIMS). Adequate and timely orientation was provided to the vaccinators and a pool of trained paramedics and other health workers was created to carry out the vaccination.

vi. Thrust in rural areas

To facilitate COVID-19 vaccinations in remote, rural areas of the state, the approach of mobile vaccination clinics was considered, besides the primary healthcare facilities available in these locations. More than 700 *teeka*/ vaccination express vehicles were employed to inoculate people as close to their doorstep as possible. These ensured that vaccination could be carried out at places of convenience. Online registration for vaccination too was a challenge due to lack of mobile connectivity. To counter this, instructions were given to all the districts to increase slots for self-registration, while offline mode of registration too was accepted in rural areas.

v लोंगो को प्रशिक्षण

राज्य भर में टीकाकरण अभियान में सहयोग प्रदान करने के लिए बड़ी संख्या में स्वास्थ्य पेशेवरों की आवश्यकता थी। टीके की देखरेख, उसकी तैयारी और उसे व्यवस्थित करने की आवश्यकता के अलावा, उन्हें प्राप्तकर्ताओं के प्रश्नों और दुविधाओं का जवाब देने और आश्वस्त करने के लिए सक्षम होना चाहिए। पहले चरण के रूप में, राज्य कार्यक्रम अधिकारियों के लिए कोविड–19 टीकाकरण पर दो दिवसीय दूरस्थ संचार द्वारा राष्ट्रीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम दिसंबर, 2020 में किया गया। एकत्र किए गए सभी सामग्री और सूचनाओं का हिंदी में अनुवाद किया गया और जब 22 दिसंबर, 2020 को जिला स्तर के अधिकारियों ने इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तब उनके माध्यम से वह सभी सामग्री और सूचनाएं प्रशासन के अधीनस्थ विभागों तक पहुंचाया गया। समझ को और अधिक बेहतर बनाने के लिए, जनवरी, 2021 में जिला स्तर के अधिकारियों के छोटे बैचों के लिए एक दिवसीय व्यक्तिगत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें कोविन ऐप से संबंधित जानकारी शामिल थी। बाद में, जब रोगियों की संख्या बढ़ गई और अनुशंसित उपचार प्रोटोकॉल का पालन करने का महत्व सर्वोपरि हो गया था तब अप्रैल/ मई 2021 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सहयोग से स्वास्थ्य अधिकारियों को समर्थ बनाने के लिए दूरस्थ संचार द्वारा राज्यव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीकाकरण करने वालों को पर्याप्त और समय पर अभिमुखीकरण किया गया था और टीकाकरण करने के लिए प्रशिक्षित पैरामेडिक्स और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का एक पूल बनाया गया था।

vi ग्रामीण क्षेत्रों पर जोर

राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड–19 के टीकाकरण की सुविधा के लिए इन स्थानों पर उपलब्ध प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के अलावा मोबाइल टीकाकरण क्लीनिक के दृष्टिकोण पर भी विचार किया गया। 700 से अधिक टीका/ टीकाकरण एक्सप्रेस वाहनों को लोगों को उनके घर के करीब, जितना संभव हो सका, टीका लगाने के लिए लगाया गया था। इससे यह सुनिश्चित हो गया कि सुविधाजनक स्थानों पर टीकाकरण किया जा सकता है। मोबाइल कनेक्टिविटी की कमी के कारण टीकाकरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी एक चुनौती थी। इसका सामना करने के लिए, सभी जिलों को स्व–पंजीकरण के लिए स्लॉट बढ़ाने के निर्देश दिए गए, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में पंजीकरण के ऑफलाइन मोड को भी मान्य किया गया।



vii. Strengthen AEFI Surveillance mechanism

Adverse Effect Following Immunization (AEFI) is a critical aspect of any vaccination program. Bihar already has state and district level AEFI committees that deal with regular immunization, which were revamped, expanded and oriented to deal with the ongoing COVID-19 vaccination drive. Stress was laid on the inclusion of a cardiologist, neurologist, microbiologist and epidemiologist in the renewed committees. Ensuring availability of anaphylaxis kit and AEFI kit at the vaccination sites and health facilities are pre-requisite for management of AEFI cases. Current stock was assessed and shortages overcome to ensure the availability of these kits in all the locations.

viii. Tally of COVID-19 related death

The true toll findings of COVID related deaths were crucial in strategizing the vaccination programme. A three-level committee was formed to follow up the death of corona positive patients in the state. Woking at the district medical colleges and state levels, this committee's task was to truthify, record and scrutinise all covid related deaths in the state. This helped analyse the overall trends and factors that led to the deaths, and offer recommendations to reduce the mortality rate. The data collected was invaluable to predict future trends, and helped plan improved management strategies against

vii एडवर्स इवेंट फॉलोइंग इम्यूनाइजेशन (AEFI) निगरानी तंत्र को सुदृढ़ बनाना

प्रतिरक्षण के बाद प्रतिकूल प्रभाव (AEFI) किसी भी टीकाकरण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू है। बिहार में पहले से ही राज्य और जिला स्तर की AEFI समितियाँ हैं जो नियमित टीकाकरण से संबंधित हैं, जिन्हें चल रहे कोविड–19 टीकाकरण अभियान से निपटने के लिए पुनर्निर्मित, विस्तारित और उन्मुख किया गया था। नये सिरे से बनी समितियों में कार्डियोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजिस्ट और एपिडेमियोलॉजिस्ट को शामिल करने पर जोर दिया गया। टीकाकरण स्थलों और स्वास्थ्य सुविधाओं पर एनाफिलेक्सिस किट और AEFI किट की उपलब्धता सुनिश्चित करना AEFI मामलों के प्रबंधन के लिए पहले से ही अपेक्षित किया गया है। सभी स्थानों पर इन किटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान स्टॉक का आकलन किया गया और कमी को दूर किया गया।

viii कोविड–१९ से संबंधित मौत की गणना

टीकाकरण कार्यक्रम की रणनीति बनाने में कोविड से संबंधित मौतों की वास्तविक गणना का निश्कर्ष जानना महत्वपूर्ण था। राज्य में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत की जांच के लिए तीन स्तरीय कमेटी का गठन किया गया था। जिला मेडिकल कॉलेजों और राज्य स्तर पर इस समिति का काम राज्य में कोविड से संबंधित सभी मौतों की सत्यता, रिकॉर्ड और जांच करना था। इससे उन समग्र प्रवृत्तियों और कारकों का विश्लेषण करने में मदद मिली, जिनके कारण मौतें हुईं, और तदनुसार मृत्यु दर को कम करने के लिए सिफारिशें प्रस्तुत की गईं। एकत्र किए गए आंकड़े भविष्य के रुझानों की भविष्यवाणी करने के लिए बेहद जरूरी थे, और इन आंकड़ों ने आबादी में बीमारी की प्रगति के सापेक्ष बेहतर प्रबंधन रणनीतियों की योजना बनाने में मदद की। कोविड से संबंधित मौतों के एक विश्वसनीय अनुमान ने न केवल तबाही की एक सच्ची तस्वीर दी, बल्कि अधिकारियों को महामारी को ट्रैक करने और समय पर कार्यवाही करने में मदद की।



the progress of the disease in the population. A credible estimate of COVID related deaths not only gave a true picture of the devastation, but helped authorities track the pandemic and take timely actions.

c. Communication strategy

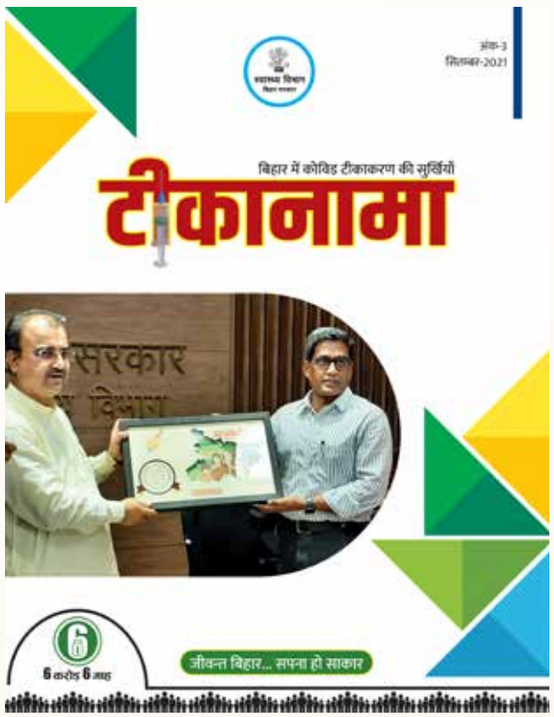
To build trust amongst people and facilitate vaccination, a communication campaign that amplified vaccine related information was essential . Online platforms, social media, hoardings, television, radio and newspapers relayed messages, addressed concerns and busted common myths regarding vaccines. In rural areas these were supplemented by vernacular newspapers, posters, miking and through panchayat meetings and other community engagements.

All of this public engagement and messaging helped tackle vaccine misinformation, address vaccine hesitancy during the crucial second wave of the pandemic and encourage better acceptance of the COVID-19 vaccine, resulting in an enhanced vaccine uptake across the state. Thus, the state machinery mounted a COVID-19 vaccine educational campaign that was both proactive and intensive.

स) संवाद कौशल

लोगों के बीच विश्वास पैदा करने और टीकाकरण की सुविधा के लिए टीके से संबंधित जानकारी को बढ़ाने वाला एक संचार अभियान काफी आवश्यक था। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, होर्डिंग्स, टेलीविजन, रेडियो और समाचार पत्रों ने संदेशों को प्रसारित किया, शंकाओं को दूर किया और टीकों के बारे में आम मिथकों का खुलासा किया। ग्रामीण क्षेत्रों में इन्हें स्थानीय भाशा के समाचार पत्रों, पोस्टरों, माइकिंग, पंचायत बैठकों और अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से संचालित किया गया था।

इस सभी सार्वजनिक जुड़ाव और संदेश ने वैक्सीन की गलत सूचना से निपटने में मदद की, महामारी की महत्वपूर्ण दूसरी लहर के दौरान वैक्सीन की झिझक को दूर किया और कोविड–19 वैक्सीन की बेहतर स्वीकार्यता को प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप राज्य भर में वैक्सीन लेने वालों की संख्या में वृद्धि हुई। इस प्रकार, राज्य मशीनरी ने सक्रिय और सघन तरीके से एक कोविड–19 वैक्सीन शैक्षिक अभियान चलाया।





IV. Creating an ecosystem for vaccination

To vaccinate and protect people against COVID-19, it was essential to provide a safe, easily accessible and risk-free environment. With timely planned initiatives by the state government in place, close collaboration between all the stakeholders and a thrust for timely strategy, a comprehensive approach for vaccination was developed and initiated.

a. Space and time

All days in the week were open at the vaccination centres for inoculation. This continued even on Wednesday, a day fixed for regular vaccination, and allotted for routine immunisation across the state in hospitals, community health centres, SHSB and the 24x7 designated centres. Saturday was reserved for ASHAs and ICDS workers, who could then bring their elderly family members in the next visit.

All sessions were conducted from 9 AM to 5 PM, ensuring no overcrowding at site and staggered time slots for the beneficiaries at the vaccination centres. However, the 24x7 COVID vaccination centres in Patna, were open all 24 hours of the day, where individuals could get vaccinated after online or onsite registration. These were fairly popular, with people coming in for their vaccination at their ease and convenience, and played a meaningful role in COVID-19 vaccination. Manned by a dedicated doctor, these provided round the clock vaccination service to the citizens of Bihar.

A 'drive-through' facility was created at certain immunization centres, where citizens could opt to get vaccinated as they drove into the centers, while sitting in the cars itself. In others, this special features of the "drive-through" facility was for helping out and easing the process for senior citizens and physically challenged people. To further facilitate the vaccination process, 9AM to 9PM centres were created. These centres open for 12 hours, was another measure undertaken by

4 टीकाकरण के लिए एक उचित माहौल बनाना

कोविड–19 के खिलाफ लोगों को टीका लगाने और उनकी सुरक्षा करने के लिए, एक सुरक्षित, आसानी से सुलभ और जोखिम मुक्त वातावरण प्रदान करना आवश्यक था। राज्य सरकार द्वारा समय पर एक नियोजित पहल की गयी जिसके तहत सभी हितधारकों के बीच नजदीकी सहभागिता और समयबद्ध रणनीति पर जोर देने के साथ, टीकाकरण के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित कर शुरू किया गया।

अ) समय और स्थान

टीकाकरण के लिए सभी टीकाकरण केंद्र सप्ताह के सभी दिन खुले थे। यह नियमित टीकाकरण के लिए निर्धारित एक दिन बुधवार को भी जारी रहा और राज्य भर के अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, एसएचएसबी और 24x7 नामित केंद्रों में नियमित टीकाकरण के लिए आवंटित किया गया। शनिवार को आशा और आईसीडीएस कार्यकर्ताओं के लिए आरक्षित किया गया था, जो अपने परिवार के बुजुर्ग सदस्यों को अगली बार में ला सकें।

सभी सत्र सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किए गए थे, यह सुनिश्चित किया गया कि साइट पर कोई भीड़भाड़ न हो और टीकाकरण केंद्रों पर लाभार्थियों के लिए अलग–अलग समय स्लॉट हों। हालाँकि, पटना में 24x7 कोविड टीकाकरण केंद्र, दिन के चौबीसों घंटे खुले थे, जहाँ व्यक्ति ऑनलाइन या ऑनसाइट पंजीकरण के बाद टीकाकरण करवा सकते थे। ये काफी लोकप्रिय थे, लोग अपनी
सुविधा और आराम से टीकाकरण के लिए आ रहे थे, और कोविड–19 टीकाकरण के लिए एक सार्थक भूमिका निभा रहे थे। एक समर्पित चिकित्सक द्वारा संचालित, ये केन्द्र बिहार के नागरिकों को चौबीसों घंटे टीकाकरण सेवा प्रदान कर रहे थे।

कुछ टीकाकरण केंद्रों पर एक 'drive-through' सुविधा बनाई गई थी, जहां नागरिक कारों में बैठकर ही केंद्रों में जाते समय टीकाकरण कराने का विकल्प चुन सकते थे। दूसरों में, 'drive-through' सुविधा की यह विशेष विशेषता वरिष्ठ नागरिकों और शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए प्रक्रिया को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए थी। टीकाकरण प्रक्रिया को और सुगम बनाने के लिए सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक वाले केंद्र बनाए गए। 12 घंटे के लिए खुले ये केंद्र, दैनिक टीकाकरण की संख्या बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा की गयी एक और पहल थी, जिससे नागरिकों को उनके व्यक्तिगत कार्यक्रम के अनुसार सुविधाजनक समय मिल सके।

the GoB to increase the number of daily vaccinations, providing the citizens with convenient timings as per their personal schedules.

b. Supervision and logistics

It was imperative to address and monitor all aspects of vaccine administration. These included tracking of the introduction activities, assessment of infrastructure and available human resources and supervision of the on-ground vaccination activities. Adequate availability of vaccine stocks and syringes; suitable space and crowd management for vaccination, waiting and observation; streamlining of the registration process; these logistics were catered to in every vaccination centre.

c. Awareness generation

To create adequate awareness, posters and messages were posted, and inter personal communication between the staff and beneficiaries encouraged, across the centres. This clear communication strategy undertaken, benefitted all stakeholders involved in this mammoth exercise.

ब) देखरेख और लाजिस्टिक्स

टीका व्यवस्था के सभी पहलुओं पर ध्यान देना और उनकी निगरानी करना अनिवार्य था। इनमें शुरूआती गतिविधियों पर नजर रखना, बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन और उपलब्ध मानव संसाधन और जमीनी स्तर पर टीकाकरण गतिविधियों का पर्यवेक्षण शामिल था। वैक्सीन स्टॉक और सीरिंज की पर्याप्त उपलब्धता, टीकाकरण, प्रतीक्षा और टीकाकरण के बाद निगरानी के लिए उपयुक्त स्थान और भीड़ प्रबंधन, पंजीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने जैसे इन लाजिस्टिक्स को हर टीकाकरण केंद्र में पूरा किया गया था।

स) जागरूकता उत्पन्न करना

पर्याप्त जागरूकता उत्पन्न करने के लिए, पोस्टर और संदश पोस्ट किए गए थे, और कर्मचारियों और लाभार्थियों के बीच अंतर–व्यैक्तिक संचार को प्रोत्साहित किया गया था। इस स्पष्ट संचार रणनीति को शुरू करने से इस विशाल अभ्यास में शामिल सभी हितधारकों को लाभ हुआ।





V. Priming the Team

The state government was highly invested in the teams that would be at the forefront in this vaccination programme rolled out. An exhaustive database of all healthcare workers in the state was created, which was uploaded in the software developed by the SHSB exclusively for this purpose. The entire monitoring and data collection for COVID vaccine was on CoWIN software, managed and developed by GoI with support from development partners, through which extensive training was provided to all state and district officials.

Comprehensive Capacity Building was undertaken as a Training-of-Trainers (ToT) model both before the launch date, as well as during the campaign as and when new training modules were released, or on a need-basis.

A National Orientation for State Program Officers on COVID-19 vaccine operation guidelines, conducted on 9th and 10th Dec 2020 by GoI, Ministry of Health, was

5. टीम को पहले से तैयार करना

राज्य सरकार द्वारा उन टीमों पर अत्यधिक ध्यान दिया गया था जो इस टीकाकरण कार्यक्रम में सबसे आगे होंगी। राज्य में सभी स्वास्थ्य कर्मियों का एक विस्तृत डेटाबेस बनाया गया था, जिसे विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए SHSB द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर में अपलोड किया गया था। कोविड वैक्सीन के लिए पूरी निगरानी और आंकड़ों का संग्रह CoWIN सॉफ्टवेयर पर था, जिसे भारत सरकार द्वारा डेवलपमेण्ट पार्टनर के सहयोग से प्रबंधित और विकसित किया गया था, जिसके माध्यम से सभी राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

व्यापक क्षमता निर्माण, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) मॉडल के रूप में, लॉन्च की तारीख से पहले, साथ ही अभियान के दौरान और जब नए प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किए गए थे तब भी, या आवश्यकता के आधार पर किया गया था।

भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 9 और 10 दिसंबर 2020 को कोविड–19 वैक्सीन ऑपरेशन दिशानिर्देशों पर राज्य कार्यक्रम अधिकारियों के लिए दूरस्थ संचार माध्यम से







organized virtually. State officials along with members from partner agencies attended this 2-day long training program. This comprehensive training helped orient stakeholders and officials regarding statutory requirements and important aspects of the vaccination campaign.

Following the GoI training, SHSB translated the presentation to Hindi and oriented all district officials on 22nd December 2020, wherein all major aspects of GoI guidelines were effectively covered. Another one-day long training was organized in batches on 5th and 6th January 2021, where DIOs, DM&E, DEO DIO Office, VCCM and Regional ICT CARE from all the districts participated, and CoWIN app related processes were elaborated to all the participants.

Thus, given the nature of this pandemic, most of the trainings were imparted virtually through available media such as NIC, Zoom, WebEx, Teams, etc. In the districts, the trainings were held in the respective block level health facilities or suitable locations with the appropriate facilities, wherein the existing facilities were used.

एक राष्ट्रीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। राज्य के अधिकारियों के साथ–साथ सहयोगी एजेंसियों के सदस्यों ने इस 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस व्यापक प्रशिक्षण ने हितधारकों और अधिकारियों को वैधानिक आवश्यकताओं और टीकाकरण अभियान के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानने में मदद की।

भारत सरकार के प्रशिक्षण के बाद, SHSB ने 22 दिसंबर 2020 को प्रस्तुतीकरण का हिंदी में अनुवाद किया और सभी जिला स्तरीय अधिकारियों का उन्मुखीकरण किया, जिसमें भारत सरकार के दिशानिर्देशों के सभी प्रमुख पहलुओं को प्रभावी ढंग से कवर किया गया था। 5 और 6 जनवरी 2021 को बैचेज में एक अन्य एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें सभी जिलों के डीआईओ, डीएम एंड ई, डीईओ कार्यालय, वीसीसीएम और क्षेत्रीय आईसीटी केयर ने भाग लिया और सभी प्रतिभागियों को कोविन ऐप से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

इस प्रकार, इस महामारी की प्रकृति को देखते हुए, अधिकांश प्रशिक्षण दूरस्थ संचार माध्यम पर उपलब्ध मीडिया जैसे एनआईसी, जूम, वेबएक्स, टीम आदि के माध्यम से प्रदान किए गए थे। जिलों में यह प्रशिक्षण, संबंधित ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा केन्द्रों या उपयुक्त सुविधाओं से युक्त उचित स्थानों पर आयोजित किए गए थे जिनमें मौजूदा उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग किया गया था।

VI. Dry Run

To test and ensure a smooth roll-out of the COVID-19 vaccination plan, two phases were conducted across the state to prepare health authorities for the vaccination drive, and to identify and rectify any shortcomings.

PHASE I

The first dry run for the vaccine was conducted on 2nd January 2021, in three places, Danapur Sub-Divisional Hospital, Pulwari Sharif PHC and Shastri Nagar Urban PHC. Observers from SHSB and development partners visited the sites to examine the process, discuss relevant issues and document the same. Some of the issues that were noted included overcrowding of beneficiaries, hiccups in the CoWIN app that allowed only one login option and time management in the observation room.

6. पूर्वाभ्यास

कोविड–19 टीकाकरण योजना के परीक्षण और सुचारू रूप से रोल–आउट सुनिश्चित करने के लिए टीकाकरण अभियान हेतु स्वास्थ्य से जुड़े विभागों व लोगों को तैयार करने, किसी भी तरह की कमियों की पहचान करने और उन्हें सुधारने के लिए राज्य भर में दो चरणों का आयोजन किया गया।

चरण 1

टीके के लिए पहला ड्राई रन 2 जनवरी 2021 को तीन स्थानों, दानापुर उप–मंडल अस्पताल, फुलवारीशरीफ पीएचसी और शास्त्री नगर शहरी पीएचसी में आयोजित किया गया था। एसएचएसबी और डेवलपमेण्ट पार्टनर के पर्यवेक्षकों ने प्रक्रिया की जांच करने, प्रासंगिक मुद्दों पर चर्चा करने और उसी का दस्तावेजीकरण करने के लिए साइटों का दौरा किया। जिन कुछ मुद्दों प्रमुखतया समझ में आए उनमें लाभार्थियों की भीड़भाड़, केवल एक लॉगिन विकल्प की वजह से CoWIN ऐप में अड़चनें और अवलोकन कक्ष में समय प्रबंधन शामिल थे।



PHASE II

In the second phase implemented on 8th of Jan 2021, each and every district in Bihar were covered. The Empowered Committee Meeting held on 10th January 2021 virtually, deliberated on the feedback received from the first dry run. State (State Immunization Cell members, ED) and district officials (DIOs) participated in the meeting held with the GoI on the Aadhar card registration process and actions to be taken in case no network or low connectivity. Besides the SHSB officials and development partners, PARAS hospital, IGIMS representatives were also present in the meeting.
A detailed orientation was carried out before the launch, and issues concerning AEFI management and registration of cases were discussed. Dummy data entry process was demonstrated and explained to the participants. Every step, from registration, to verification, to vaccine status update was explained for ease and greater clarity.





चरण 2

8 जनवरी 2021 को लागू दूसरे चरण में बिहार के प्रत्येक जिले को शामिल किया गया। 10 जनवरी 2021 को आयोजित अधिकार प्राप्त समिति की बैठक में पहले ड्राई रन से प्राप्त फीडबैक पर दूरस्थ संचार माध्यम से विचार–विमर्ष किया गया। राज्य (राज्य प्रतिरक्षण प्रकोष्ठ के सदस्य, ईडी) और जिला स्तरीय अधिकारियों (डीआईओ) ने आधार कार्ड पंजीकरण प्रक्रिया और नेटवर्क या कम कनेक्टिविटी होने की दशा में की जाने वाली कार्यवाही पर भारत सरकार के साथ हुई बैठक में भाग लिया। बैठक में एसएचएसबी अधिकारियों और डेवलपमेण्ट पार्टनर के अलावा, पी.ए.आर.ए.एस. अस्पताल, आई. जी.आई.एम.एस. के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। लॉन्च से पहले एक विस्तृत उन्मुखीकरण किया गया था, और ए.ई.एफ.आई. प्रबंधन एवं मामलों के पंजीकरण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई थी। डमी डेटा प्रविष्टि प्रक्रिया का प्रस्तुतीकरण किया गया और प्रतिभागियों को समझाया गया। टीके की स्थिति अद्यतन करने के लिए पंजीकरण से लेकर सत्यापन तक, प्रत्येक चरण को आसानी और अधिक स्पष्टता के साथ समझाया गया।

VII. Robust Supply Chain: On track

To build up a robust supply system for the vaccine was an integral step towards the successful implementation of COVID-19 vaccination programme. The onus for purchase of the vaccines was given to the Bihar Medical Services & Infrastructure Corporation (BMSICL) under the aegis of the Department of Health and Family Welfare (DoHFW). Vials of the injection were stocked up, to be distributed across the government/private hospitals, medical institutions and health centres. Through consistent checks and measures, stress was laid to prevent misuse and black marketing of this life saving drug at every level. To ensure a strong supply chain management team, critical for vaccine introduction, the following steps were inculcated:

7. मजबूत सप्लाई चेन– ट्रैक पर

वैक्सीन के लिए एक मजबूत आपूर्ति प्रणाली का निर्माण करना कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन की दिशा में एक अभिन्न कदम था। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग (DoHFW) के तत्वावधान में टीकों की खरीद का जिम्मा बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (BMSICL) को दिया गया था। इंजेक्शन की शीशियों को सरकारी/निजी अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों और स्वास्थ्य केंद्रों में वितरित करने के लिए स्टॉक कर लिया गया था। लगातार जांच और उपायों के माध्यम से इस जीवन रक्षक दवा का हर स्तर पर दुरुपयोग और कालाबाजारी रोकने पर जोर दिया गया। एक मजबूत सप्लाई चेन प्रबंधन टीम, जो टीके की शुरूआत के लिए महत्वपूर्ण है। इसे सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए–



a. Forecast vaccine and logistics needs

Determination of demand for vaccines and strengthening of logistics requirement was imperative to develop and build a robust supply chain. Systems to ensure effective vaccine storage, handling and distribution were vital to safeguard the COVID-19 vaccine supply and prevent any interruptions from the point of manufacturing through to service delivery. Two types of Vaccine were majorly approved and distributed to vaccination sites – Covaxin and Covishield.

b. Ensure stock and supply

To ensure timely vaccine availability, information on vaccine stock was imperative. An individual stock point was established in every district, wherein a designated official overlooked the distribution of the injections through related agencies. A daily report on the allotment and distribution of the vaccine was initiated, under the overall jurisdiction of the health department. For greater transparency, all hospitals placed their daily vaccine allotment and usage on the notice boards.





अ) वैक्सीन और लाजिस्टिक की जरूरतों का पूर्वानुमान

एक मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने और बनाने के लिए टीकों की मांग का निर्धारण और लाजिस्टिक आवश्यकताओं की मजबूती अनिवार्य थी। प्रभावी वैक्सीन भंडारण, हैंडलिंग और वितरण सुनिश्चित करने के लिए सिस्टम, कोविड–19 वैक्सीन आपूर्ति की सुरक्षा और उत्पादन से लेकर सेवा वितरण तक किसी भी रुकावट को रोकने के लिए महत्वपूर्ण थे। दो प्रकार के टीकों –कोवैक्सिन और कोविशील्ड को प्रमुख रूप से अनुमोदित किया गया और टीकाकरण स्थलों में वितरित किया गया।

ब) स्टाक और आपूर्ति सुनिश्चित करना

वैक्सीन की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वैक्सीन स्टॉक की जानकारी अनिवार्य थी। प्रत्येक जिले में एक व्यक्तिगत स्टॉक प्वाइंट स्थापित किया गया था, जिसमें एक नामित अधिकारी ने संबंधित एजेंसियों के माध्यम से इंजेक्शन के वितरण की व्यवस्था देख रहा था। स्वास्थ्य विभाग के समग्र अधिकार क्षेत्र में, वैक्सीन के आवंटन और वितरण पर एक दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना शुरू किया गया था। अधिक पारदर्शिता के लिए, सभी अस्पतालों ने अपने दैनिक वैक्सीन आवंटन और उपयोग को नोटिस बोर्ड पर लगा रखा था।



Vaccination in progress

I. Landscape of the vaccine rollout

The vaccine strategy was rolled out in phases, prioritising initially the need to safeguard the healthcare and frontline workers who faced the immediate onslaught of the pandemic. This was followed by the second phase wherein all of those above 60, along with those in the age bracket 45-59, but with comorbidities were targeted. Finally, the vaccination campaign was extended to the general population above the age of 18 years. Intense discussions, state level meetings and in-depth planning were an essential prelude to the actual vaccination programme.

The roll-out of Covid-19 vaccine campaign prioritised the healthcare workers and the frontline workers in the state, estimated to be around 11 lakhs in the first phase. This was followed by those above 60 years of age and those in the 45-59 age population group, but with co-morbidities, who numbered 1.2 crore.

As of 28th October, 2021, the district that boasts of the highest inoculation percentage is Patna with an impressive 76.7 percent coverage for the first dosage, while Jehanabad district lags at the end with 60.2 percent coverage. For the second dosage[8] too, Patna district leads at 66.2 percent coverage, with district Madhepura at the end with 23.8 percent coverage.



8 Dose 2 coverage estimated against Total Dose 1 administered in the district



1 टीकाकरण रोलआउट का परिदृश्य

टीकाकरण करने की रणनीति को चरणों में बांट कर शुरू किया गया था। टीकाकरण की शुरूआत करते समय कोरोना महामारी का सबसे पहले सामना करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं व फ्रण्टलाइन कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की आवश्यकता को प्राथमिकता दी गयी। दूसरे चरण में 60 वर्ष से उपर के लोगों के टीकाकरण के साथ–साथ 45–59 वर्ष के गम्भीर बीमारी के लक्षण वाले लोगों को भी वरीयता दी गयी। अन्ततः टीकाकरण अभियान को विस्तारित करते हुए 18 वर्ष से उपर के सभी लोगों का टीकाकरण किया जाने लगा। सघन चर्चाओं, राज्यस्तरीय बैठकों और गहन नियोजन के बाद ही वास्तविक टीकाकरण कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

कोविड–19 टीकाकरण अभियान के रोल आउट के प्रथम चरण में, राज्य में लगभग 11 लाख स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं फ्रण्टलाइन कार्यकर्ताओं के टीकाकरण को प्राथमिकता दी गयी। इसके बाद 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले और 45–59 आयु वर्ग के गम्भीर बीमारी के लक्षण वाले 1.2 करोड़ लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया था।

28 अक्टूबर, 2021 तक, टीके की पहली खुराक के 76.7 प्रतिशत कवरेज के साथ पटना जिला सबसे पहले स्थान पर तथा 60 प्रतिशत कवरेज के साथ जहानाबाद जिला सबसे अन्तिम स्थान पर था। दूसरी खुराक के मामले में भी 66.2 प्रतिशत कवरेज के साथ पटना जिला प्रथम स्थान पर तथा 23.8 प्रतिशत कवरेज के साथ मधेपुरा जिला सबसे पीछे था।

II. Phases in Vaccination

PHASE I:

High risk healthcare workers

Phase I of the state COVID-19 vaccination strategy was launched on 16th January, 2021 , when the healthcare workers were prioritized for vaccination. This workforce, including those in private institutions, was the first priority of the state. To ensure a seamless, responsive system, a robust database of all healthcare workers was created. ICDS workers were also included in this initial beneficiary target. Private institutions along with the government ones were engaged, and number of vaccination sites and sessions undertaken were increased to accommodate the growing numbers.

Though a voluntary process, consistent encouragement and motivation by the authorities was undertaken through focussed mobilization campaigns held for these workers. In the State Steering Committee meeting held on 30th January, 2021, the beneficiary target per site was doubled, from 100 to 200. To facilitate the process further, new beneficiaries were encouraged to get their vaccination on the spot following proper authentication, even if their name was absent in the site schedule. Efforts were carried out to issue provisional certificates to all beneficiaries and reconcile all the offline data on the same day itself.

2 चरणों में टीकाकरण

प्रथम चरण

उच्च जोखिम वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ता

कोविड–19 टीकाकरण रणनीति के तहत् राज्य में प्रथम चरण का आरम्भ 16 जनवरी, 2021 को किया गया और सबसे पहले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का टीकाकरण किया गया। इस कार्यबल में राज्य के निजी संस्थानों में काम करने वाले लोगों को भी प्राथमिकता दी गयी। एक निर्बाध प्रतिउत्तर प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए, सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से सम्बन्धित सघन आंकड़े तैयार किये गये। इस प्रारम्भिक लाभार्थी समूह में आईसीडीएस कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया गया। सरकारी के साथ ही निजी संस्थानों को भी इसमें शामिल किया गया और बढ़ती हुयी संख्या को समायोजित करने के लिए टीकाकरण स्थलों और सत्रों की संख्या भी बढ़ाई गयी।

हालांकि एक स्वैच्छिक प्रक्रिया के तहत् इन कार्यकर्ताओं को एक विशेष मोबीलाइजेशन अभियान के माध्यम से, अधिकारियों द्वारा निरन्तर प्रोत्साहित और प्रेरित किया जा रहा था। 30 जनवरी, 2021 को आयोजित राज्य स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में, प्रत्येक टीकाकरण स्थल पर लाभार्थियों की संख्या के लक्ष्य को दुगुना कर दिया गया। आगे प्रक्रिया को सहज करने के लिए, नये लाभार्थियों को उचित प्रमाण प्रस्तुत करते हुए टीकाकरण हेतु प्रोत्साहित किया गया। यहां तक कि जिन लोगों के नाम टीका स्थल के शिड्यूल में मौजूद नहीं थे, उन्हें भी यथोचित सहयोग देकर उनका टीकाकरण सुनिश्चित किया गया। एक दिन में टीका लगाये गये सभी लाभार्थियों को अस्थाई प्रमाणपत्र देने और सभी ऑफलाइन आंकड़ों को तैयार करने का भी प्रयास किया गया।



Frontline workers

The essential workers, such as the defence and security personnel, cleaning staff and the municipality workers were the next on the list of vaccination priority. Days were fixed for convenience, and the vaccination timings advanced to early mornings, so that there was no requirement for leave by the personnel for vaccination. This phase targeted the CISF, Home Affairs Department, Home Guards and the Nagar Nigam personnel, as well as the healthcare workers who were yet to be vaccinated. The Defence Ministry, Home Affairs and the Municipal Corporations were roped in to ensure that no one was left behind.

People engaged in security jobs continued with their work during the lockdowns, risking continuous exposure to the virus. These men and women working as private security guards and those in firefighting related services, too were thus considered frontline workers and received priority vaccine, after 8th May 2021.





फ्रण्टलाइन कार्यकर्ता

कुछ आवश्यक कार्यकर्ताओं जैसे– रक्षा और सुरक्षा कार्यकर्ता, साफ–सफाई करने वाले और नगर–निगम के कार्यकर्ता टीकाकरण प्राथमिकता की दूसरी सूची में थे। सुविधा हेतु उनके लिए दिन निर्धारित किये गये और टीकाकरण का समय बहुत सुबह से प्रारम्भ कर दिया गया ताकि टीकाकरण के लिए कोई भी कर्मचारी छूट न जाये। इस चरण में सीआईएसएफ, गृह विभाग, होमगार्ड्स एवं नगर निगम के कर्मचारियों के साथ ही साथ उन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया गया, जो किसी न किसी कारणवश प्रथम चरण में टीकाकरण से वंचित रह गये थे। रक्षा मंत्रालय, गृह विभाग और नगर निगम/नगर परिषदों को यह निर्देश दिया गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके विभाग से कोई भी कर्मचारी टीकाकरण से छूट न जाये।

सुरक्षा कार्यों में लगे लोग, लॉकडाउन के दौरान भी अपने कार्यों में पूरी मुस्तैदी से लगे रहे और उनके उपर वायरस से प्रभावित होने का खतरा निरन्तर बना रहा। वे महिला और पुरूष जो निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्य कर रहे थे और वे लोग जो आगजनी सम्बन्धित सेवाओं में संलग्न थे, उनको फ्रण्टलाईन कार्यकर्ताओं में शामिल करते हुए उन्हें भी 8 मई, 2021 के बाद टीका लगाया गया।

PHASE II:

Senior citizens

The vaccination campaign then extended to include the senior population, those above the age of sixty, as well as those between 45-59, but with comorbidities. As per estimation, the target estimated in the state was one crore above the age of sixty and another 20 lakh in the comorbidity bracket. This staggering number entailed a substantial increase in the workload, vaccination sites and manpower requirement. To meet this surge of demands, private facilities and Primary Health Centres that matched the site selection criteria were added. Other departments such as Rural Development and Panchayati Raj Institutions were included, software training carried out and slots for self-registration increased. Specific strategies were adopted to enhance the vaccination drive. One such example is the medical colleges targeting OPD patients that matched the selection criteria to be included in the vaccination drive. Using a similar approach, a list of pensioners was shared with the district authorities to mobilize them for vaccination.

द्वितीय चरण

वरिष्ठ नागरिक

टीकाकरण के दूसरे चरण में देश के 60 वर्ष से ऊपर की आयु वाले वरिश्ठ नागरिकों को शामिल किया गया। इसके साथ ही 45–59 वर्ष आयु वर्ग वाले गम्भीर बीमारी के लक्षण वाले लोगों का टीकाकरण किया गया। एक अनुमान के मुताबिक राज्य में 60 वर्ष से उपर की आयु वाले लगभग 1 करोड़ लोग तथा गम्भीर बीमारी के लक्षण वाले लोगों की संख्या अनुमानतः 20 लाख होगी। इस चौंका देने वाली संख्या ने कार्यबोझ, टीकाकरण स्थलों और मानवशक्ति की आवश्यकता में पर्याप्त वृद्धि की। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए टीकाकरण स्थल चयन मानदण्डों के उपर खरे उतरने वाले निजी सुविध ाओं और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को जोड़ा गया। ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थानों जैसे अन्य विभागों को शामिल किया गया, उन्हें साफ्टवेयर प्रशिक्षण दिया गया और स्व–पंजीकरण के लिए स्लॉट बढ़ाये गये। टीकाकरण अभियान को बढ़ाने के लिए विशेष रणनीति अपनाई गयी। ऐसा ही एक उदाहरण ओपीडी रोगियों को देखने वाले मेडिकल कालेज हैं, जो टीकाकरण अभियान में शामिल होने के लिए चयन मानदण डों को पूरा करते हैं। इसी तरह के दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, पेंशनरों की एक सूची जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ साझा की गयी ताकि टीकाकरण के लिए उन्हें मोबीलाइज किया जाए।



PHASE III:

All above 18 years

Vaccination continued at the centres, available to the general public of 18 years and above. For this the registration process remained the same as before, through the online CoWIN portal.

तृतीय चरण

१८ वर्ष से उपर सभी

सभी केन्द्रों पर, 18 वर्ष से उपर के सभी लोगों के लिए टीकाकरण किया जाने लगा। इसके लिए भी, पहले की ही तरह कोविन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया की जा रही थी।



III. Beyond the usual

Women centric drive

To prioritize women beneficiaries, a "Facilitated Cohort Mobilization" strategy was undertaken by the state authorities. On 8th March 2021, Women's Day, a vaccination drive targeting women above 60 years of age showed a positive response, and of the total two lakh individuals vaccinated on this day, 1.37 lakh were women, accounting for 68 percent of the beneficiaries. The success of this drive was duplicated up by similar events on 12th March 2021 by the PRI departments.

Urban Area Push

Certain pockets in urban areas fall short of basic healthcare services even though they lie inside a well-defined city limit. To counter this dichotomy, the State Health Society Bihar devised a separate strategy to motivate all of its urban citizens through the use of line listing of all eligible candidates, and approached them through ward members.





3 सामान्य से अलग

महिला केन्द्रित अभियान

महिला लाभार्थियों को प्राथमिकता देने के लिए राज्य के अधिकारियों द्वारा एक ''सुगमकर्ता समूह संघटन'' रणनीति प्रारम्भ की गयी। 8 मार्च, 2021 को ''महिला दिवस'' के अवसर पर, 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को लक्षित किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए और इस दिन कुल दो लाख लोगों का टीकाकरण किया गया, जिसमें 1.37 लाख महिलाएं थीं अर्थात् 8 मार्च, 2021 को कुल किये गये टीकाकरण में 68 प्रतिशत महिलाओं का रहा। इस अभियान की सफलता से उत्साहित होकर पंचायती राज संस्थान विभाग ने 12 मार्च, 2021 को इसी प्रकार के अभियान का आयोजन किया।

शहरी क्षेत्र को लक्षित करना

शहरी क्षेत्रों में कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जो कहने के लिए तो शहरी सीमा के अन्दर बसे हैं, परन्तु वहां पर बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की अत्यन्त कमी है। इस गैप को पूरा करने के लिए, स्टेट हेल्थ सोसाइटी, बिहार ने सभी पात्र उम्मीदवारों की सूची का उपयोग करते हुए अपने शहरी नागरिकों को अभिप्रेरित करने के लिए एक अलग रणनीति बनाई और टीकाकरण के लिए उनके वार्ड सदस्यों के माध्यम से उनसे सम्पर्क स्थापित



Safe journalists

In the midst of the raging pandemic, it was a challenge for journalists to collect and distribute accurate information from their vulnerable position at the field, amidst the sanitary risks caused by the COVID-19 virus. Thus, on 1st May 2021, the accredited journalists by Information and Public Relations Department, GoB, were given the status of frontline health workers. Even those accredited journalists, of print, electronic and other medias, working at the district levels were allotted the same status. This decision by the health department on behest of the government, paved the way for media persons to receive free vaccines through government run vaccination centers, irrespective of their age.

No identity proof, but vaccinated

Many people in the country do not possess a photo identity card. These include mentally challenged individuals, monks, the elderly living in old age homes and beggars. For them a special initiative was undertaken by the state government in accordance with GoI guidelines, to enroll these undocumented individuals and vaccinate them in separate vaccination

किया।

सुरक्षित पत्रकार

भीषण महामारी के बीच, कोविड–19 वायरस के कारण, उत्पन्न हुए साफ–सफाई के जोखिमों के बीच, क्षेत्र में नाजुक स्थिति में रहने वाले लोगों से सम्बन्धित सूचनाएं एकत्र करना और उन्हें प्रसारित करना पत्रकारों के लिए एक चुनौती थी। ऐसी स्थिति में, 1 मई, 2021 को बिहार सरकार के सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग से मान्यताप्राप्त पत्रकारों को फ्रण्टलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का दर्जा दिया गया। यहां तक कि जिले स्तर पर काम करने वाले प्रिण्ट, इलेक्ट्रानिक और एवं अन्य मीडिया से जुड़े मान्यताप्राप्त पत्रकारों को भी यही स्तर प्रदान किया गया। सरकार के आदेश पर स्वास्थ्य विभाग के इस निर्णय से प्रत्येक आयु वर्ग के पत्रकारों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला मुफ्त टीका प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

कोई पहचान पत्र नहीं, फिर भी टीकाकरण

देश में बहुत से लोगों के पास कोई फोटो पहचान पत्र नहीं है। इनमें मानसिक रोगी, भिक्षुक, वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धजन एवं भिखारी सभी शामिल हैं। भारत सरकार के दिशा–निर्देश के अनुसार राज्य सरकार द्वारा इनके लिए विशिष्ट पहल की गयी। इन अदस्तावेजित लोगों का नामांकन किया गया और अलग टीकाकरण केन्द्रों पर इन्हें टीका लगाया गया। अन्य दूसरे विभागों जैसे– अल्पसंख्यक मामले, सामाजिक न्याय और



centers. Support from other departments such as the Minority Affairs, Social Justice and Social Welfare, were sought to create a list of the beneficiaries.

Expectant mothers

Initially there was not enough evidence to fully understand the need to vaccinate a pregnant woman. Gradually the generated global evidence helped form a policy for vaccination among pregnant women. Based on GOI's instruction, a letter dated 8th July 2021, was issued by State Health Society, Bihar, to inform all civil surgeons regarding their vaccination. To motivate these expectant mothers, special emphasis was given to the pregnant women during VHND and UHND sites, by the frontline health workers.

Special vaccination drives

In order to augment the vaccination campaign, government of Bihar launched special vaccination drives throughout this period. One such "Mega Vaccination drive" was mobilized on 31st August 2021, where over 2.7 million people were vaccinated. These state wide campaigns were organized in the backdrop of massive community mobilization campaigns.





समाज कल्याण विभाग के सहयोग से लाभार्थियों की एक सूची तैयार की गयी।

गर्भवती माताएं

प्रारम्भ में, गर्भवती महिलाओं को टीका लगाये जाने की आवश्यकता को पूरी तरह समझने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। धीरे–धीरे वैश्विक स्तर पर उत्पन्न साक्ष्यों ने गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के लिए एक नीति बनाने में मदद की। भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के आधार पर, गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के सन्दर्भ में सभी सिविल सर्जनों को सूचित करने हेतु स्टेट हेल्थ सोसाइटी, बिहार द्वारा 8 जुलाई, 2021 को एक पत्र जारी किया गया। इन गर्भवती माताओं को प्रेरित करने हेतु, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोशण दिवसों तथा षहरी स्वास्थ्य एवं पोशण दिवसों के आयोजन के दौरान, फ्रण्टलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा इन गर्भवती महिलाओं के उपर विशेष जोर दिया गया।

विशिष्ट टीकाकरण अभियान

टीकाकरण अभियान की गति को तीव्र करने के लिए बिहार सरकार ने इस अवधि के दौरान निरन्तर विशेष टीकाकरण अभियान चलाया। ऐसा ही एक ''मेगा टीकाकरण अभियान'' 31 अगस्त, 2021 को चलाया गया, जहां पर 2.7 लाख लोगों का टीकाकरण हुआ। ये राज्यव्यापी अभियान सघन सामुदायिक अभियानों की पृष्ठभूमि में चलाये गये थे।

IV. Monitoring and Supervision

For this large-scale vaccination drive to achieve success, monitoring critical aspects of the COVID-19 vaccine availability, delivery and coverage, as also the health services and human resources capacities was imperative. A systematic approach to the complete process, helped place key strategies in place.

a. A responsible governance

The vision of erstwhile political leaders in Bihar, along with the implementation by the bureaucracy was a formidable combination in ensuring that the vaccination programme was run efficiently. Even though action plans for appropriate vaccine supply, store preparedness and schedules were devised in advance, close monitoring by the Hon' Chief Minister at every junction distilled the process further. He visited designated vaccine stores to monitor the storage and distribution leg of the campaign. Periodic review meetings of the program to assess the pandemic situation were regular features under the Chief Minister's leadership. All of this helped create an environment of trust and positivity amongst the health workers and citizens of the state.



4 निगरानी और देख–रेख

सफलता को हासिल करने के लिए, बड़े पैमाने पर होने वाले इस टीकाकरण अभियान के लिए, कोविड–19 टीके की उपलब्धता, आपूर्ति एवं कवरेज जैसे महत्वपूर्ण पक्षों की निगरानी के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं और मानव संसाधनों की क्षमता भी अनिवार्य थी। पूरी प्रक्रिया के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण ने उचित रणनीति निर्धारण में सहायता प्रदान की।

अ) जिम्मेदार प्रशासन

टीकाकरण कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक संचालित करने हेतु बिहार में तत्कालीन राजनेताओं के विजन और अफसरशाही द्वारा किये जा रहे क्रियान्वयन के बीच एक बेहतर सामंजस्य था। भले ही उपयुक्त मात्रा में टीके की आपूर्ति, स्टोर की तैयारी और कार्यक्रम के लिए कार्य योजना पहले से ही तैयार की गयी थी, लेकिन फिर भी प्रत्येक मोड़ पर माननीय मुख्यमंत्री की सघन निगरानी में ही प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने अभियान के दौरान टीका भण्डारण और वितरण चैनल की निगरानी के लिए नामित टीका भण्डार केन्द्रों का दौरा किया। महामारी की स्थिति का आकलन करने के लिए कार्यक्रम की समीक्षा हेतु मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समय–समय पर नियमित बैठकें की जानी एक विशिष्ट विशेषता थी। इन सभी ने राज्य के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और नागरिकों के बीच विश्वास और सकारात्मकता का माहौल बनाने में पर्याप्त मदद की।





b. Maintain quality

Adherence to applicable protocols and guidelines was strictly followed by the state government to maintain the quality of vaccination. Checks and counter checks were put in place to provide effective vaccine delivery, storage, distribution and maintain vaccination coverage. Routine monitoring visits were carried out by state teams to provide oversight in the vaccination process.

c. On field supervision

A monitoring and supervision team, adequately trained, was identified at the district levels for concurrent monitoring of vaccination activities. A supervisor[9] monitored 3-5 vaccination sites and ensured vaccine availability, site logistics and timely reporting. Over every ten such levels, one sector officer was deployed for supervision. To further support the vaccination programme, concurrent monitoring was prioritized in high risk, hard to reach areas and areas with low performance. Adequate training was provided beforehand to these personnel.

9 https://www.mohfw.gov.in/pdf/COVID19VaccineOG111Chapter16.pdf

ब) गुणवत्ता बनाये रखना

टीकाकरण की गुणवत्ता को यथावत बनाये रखने के लिए उचित प्रोटोकाल एवं दिशा–निर्देशों का राज्य सरकार द्वारा निष्ठापूर्वक अनुपालन किया गया। टीके की आपूर्ति, भण्डारण, वितरण एवं सुचारू टीकाकरण कवरेज को प्रभावी बनाने के लिए समय–समय पर जांच एवं आकस्मिक जांच भी किया गया। टीकाकरण प्रक्रियाओं को बेहतर दिशा–निर्देश देने के लिए राज्य टीमों द्वारा नियमित मानीटरिंग भ्रमण भी किया गया।

स) प्रक्षेत्र निरीक्षण

टीकाकरण गतिविधियों की एक साथ निगरानी करने के लिए जिला स्तर पर पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित एक निगरानी एवं निरीक्षण दल चिन्हित किये गये थे। एक निरीक्षणकर्ता[7] द्वारा 3–5 टीकाकरण स्थलों का निरीक्षण किया गया एवं टीके की उपलब्धता व टीकाकरण स्थल की लॉजिस्टिक व्यवस्था सुनिश्चित की गयी और समय से रिपोर्टिंग की गयी। निरीक्षण हेतु प्रत्येक दस टीकाकरण स्थल पर एक सेक्टर अधिकारी की नियुक्ति की गयी। टीकाकरण कार्यक्रम को आगे सहयोग प्रदान करने हेतु उच्च जोखिम वाले, आवागमन की दृष्टि से दुर्गम क्षेत्रों और निम्न प्रदर्शन वाले क्षेत्रों की नियमित निगरानी को प्राथमिकता दी गयी। इन कर्मचारियों को पहले से ही पर्याप्त प्रशिक्षण दिया गया था।

7 https://www.mohfw.gov.in/pdf/COVID19VaccineOG111Chapter16.pdf

V. Communication with masses

To build vaccine confidence amongst the community, it was imperative to share information on the vaccination process that was timely, accurate and transparent. Addressing apprehensions and myths, correcting vaccine misinformation and reducing vaccine hesitancy was the way forward to make this vaccination programme a success.

In order to manage this situation in the state, creation of a District Communication Task Force was proposed at the district level under the guidance of District Magistrate in the month of June, 2021. PRI members, religious leaders, reputed medical practitioners, members of private school associations, press and media person, amongst other community leaders were a part of this task force. This organization discussed issues regarding the vaccine campaign and then formulated plans to address them with skill and coordination by engaging local media to counter the floating false claims.

A person-centric communication strategy was devised, that used simple, clear messages in Hindi and English. These were transmitted through various formats, visual,

5 जन मानस के साथ संवाद

समुदाय के बीच टीकाकरण को लेकर विश्वास बनाने के लिए, यह आवश्यक था कि टीकाकरण प्रक्रिया से सम्बन्धित विभिन्न सूचनाओं जैसे– टीकाकरण का समय, पारदर्शिता एवं शुद्ध ता के ऊपर सूचनाओं को लोगों के साथ साझा किया जाये। आशंकाओं और मिथकों के ऊपर काम करने के लिए, टीके से सम्बन्धित गलत सूचनाओं को सही किया गया और टीका लगवाने हेतु लोगों में व्याप्त संकोच को कम किया गया, जिससे टीकाकरण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक दिशा मिली।

राज्य में इस स्थिति को प्रबन्धित करने के क्रम में माह जून, 2021 में जिला पदाधिकारी के निर्देशन में काम करने के लिए जिले स्तर पर एक जिला संचार टास्क फोर्स का गठन करने का प्रस्ताव दिया गया था। पंचायती राज्य संगठन के सदस्य, धार्मिक नेता, प्रतिष्ठित डाक्टर, निजी विद्यालय संगठनों के सदस्य, प्रेस एवं मीडिया के लोग तथा समुदाय के नेता इस टास्क फोर्स का हिस्सा थे। इस टास्क फोर्स ने टीका अभियान से सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा करने के उपरान्त ही उनके निवारण हेतु योजना बनाई। यह योजना स्थानीय मीडिया को शामिल करते हुए समन्वयन और दक्षता के साथ बनाई गयी ताकि झूठे दावों का निपटारा किया जा सके।

व्यक्ति केन्द्रित संचार रणनीति तैयार की गयी, जिसमें हिन्दी और अंग्रेजी में सरल व स्पष्ट संदेशों का प्रयोग किया गया। इसे विभिन्न प्रारूपों, दृश्य, श्रव्य एवं वीडियो के माध्यम से प्रसारित किया गया। साख को बढ़ाने तथा इन संदेशों की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से इन्हें पारम्परिक और ऑनलाइन







audio and video. To boost the credibility and reach of these messages, they were shared across the traditional mainstream and the online social media. Posters, wall hoardings, wall paintings and bus panels ensured a wide reach of the messages. Social media sites like Twitter, Facebook, WhattsApp, You Tube and Instagram carried this essential information to the phone users across the state. Besides these, the traditional methods of radio, television, cable and newspapers too were utilized, aided by proactive text messages, automated prerecorded calls, sound/video bytes and miking.

Positive examples of vaccine acceptance, talks by influencers and celebrities, addressing of common questions and concerns by frontline functionaries; all of this helped the community build trust and maintain confidence in the vaccine programme rolled out by the government.

सोशल मीडिया पर साझा किया गया। पोस्टर, वाल होर्डिंग्स, वाल पेण्टिंग एवं बस पैनलों के माध्यम से इन संदेशों की पहुंच बड़े पैमाने पर सुनिश्चित की गयी। ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सअप, यूट्यूब एवं इन्स्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया साइटों के माध्यम से पूरे राज्य में मोबाइल फोन प्रयोगकर्ताओं तक सूचनाएं पहुंचाई गयीं। इनके अलावा, सक्रिय लिखित संदेशों, स्वचालित पूर्व रिकार्डेड फोन कॉल, श्रव्य/दृश्य बाइट्स एवं माइकिंग आदि के लिए रेडियो, टेलीवीजन, केबल एवं समाचार पत्रों जैसे सूचना प्रसार के पारम्परिक साधनों का भी उपयोग किया गया।

टीके की स्वीकृति के सकारात्मक उदाहरण, प्रभावशाली लोगों और मशहूर हस्तियों द्वारा बात–चीत और फ्रण्टलाइन पदाधिकारियों द्वारा सामान्य प्रश्नों और विषयों को सम्बोधित करना आदि ने समुदाय के अन्दर सरकार द्वारा शुरू किये गये टीकाकरण कार्यक्रम की विश्वसनीयता और विश्वास को बनाये रखने में मदद की।

VI. Innovative technology to the rescue

In a bid to find fast and effective solutions to stem the tide of COVID-19 spread, existing technologies were re-purposed and new ones leveraged to find innovative answers. Across the globe, digital innovations were utilized to support the public-health response to the virus, be it in the field of early detection, containment, community transmission or public communication. In India, this digital adoption was embraced quickly by all concerned stakeholders- the government, medical institutions, industries and the community.

Surveillance technologies to track and contain the virus spread, portals to locate emergency medical supplies, real-time evaluation of exposure to the virus and updated behavioral messages; these are just a few ways through which digital technology provided support for the COVID-19 response. Details about some of the important applications are given below.

a. Covid Vaccine Intelligence Network (CoWIN) Application

The mobile application, CoWIN, was introduced by the Government of India in January 2021, to manage and streamline the inoculation drive in the country. This application deployed on a cloud account of the MoHFW, includes registration, appointment scheduling, managing vaccination and certification for COVID-19 vaccines, accessible across the country through the internet, through a choice of 12 major languages.

b. Unified Mobile Application for New-Age Governance (UMANG) Application

UMANG is a key initiative under the Digital India program to develop a common, unified platform and mobile app to facilitate a single point of access to all government services, supporting thirteen languages. Launched in November 2017, it offers 172 services that include Aadhar, PAN application and other

6 बचाव के लिए अभिनव तकनीक

कोविड–19 के प्रसार की तीव्र गति को रोकने के लिए तेज और प्रभावी समाधान प्राप्त करने हेतु, मौजूदा तकनीकों को फिर से तैयार किया गया और उन्नत जबाव पाने के लिए नये लोगों का लाभ उठाया गया। पूरे विश्व में, वायरस से निपटने की दिशा में, इसकी शीघ्र पहचान, रोक–थाम, समुदाय के बीच प्रसार या जन संचरण को रोकने हेतु जन–स्वास्थ्य प्रतिउत्तर को सहयोग प्रदान करने के लिए डिजिटल नवाचारों का उपयोग किया गया। भारत में, इस डिजिटल अनुकूलन को सभी सम्बन्धित हितभागियों– सरकार, चिकित्सा संस्थानों, उद्योगों एवं समुदाय, सभी के द्वारा तेजी से अपनाया गया।

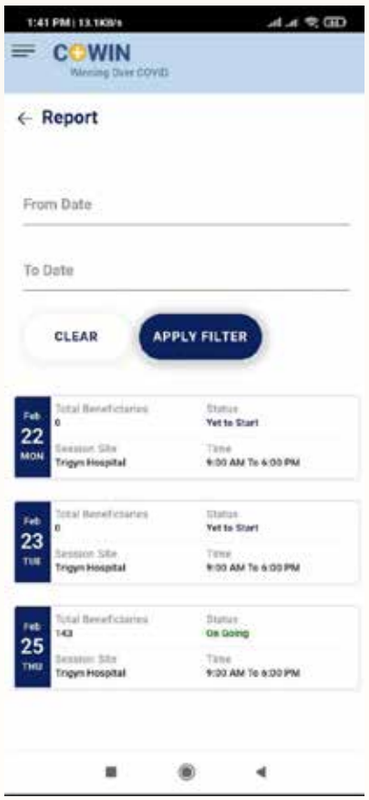
वायरस के प्रसार को जानने और नियंत्रित करने के लिए निगरानी तकनीकियां, आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति का पता लगाने के लिए पोर्टल, वायरस के सम्पर्क का वास्तविक समय मूल्यांकन और अपडेट, व्यवहार संदेश आदि ये सब कुछ ऐसे तरीके थे, जिनके माध्यम से डिजिटल तकनीक ने कोविड–19 रिस्पान्स के लिए सहयोग प्रदान किया। कुछ महत्वपूर्ण एप्लीकेशनों का विस्तृत विवरण निम्नवत् है –

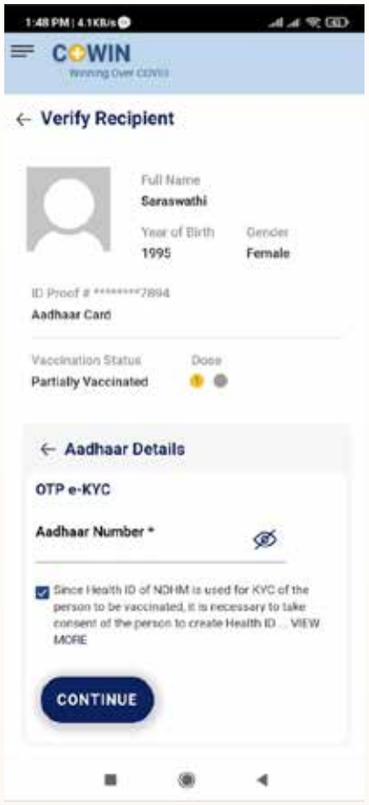
अ) कोविड वैक्सीन इन्टेलीजेन्स नेटवर्क (कोविन एप्लीकेशन

देश में टीकाकरण अभियान को प्रबन्धित एवं कारगर बनाये रखने के लिए जनवरी, 2021 में भारत सरकार द्व ारा एक मोबाइल एप्लीकेशन ''कोविन'' सामने लाया गया। इस एप्लीकेशन को गृह मंत्रालय के क्लाउड एकाउण्ट पर बनाया गया था, जिसमें पंजीकरण, एप्वाइण्टमेण्ट, शेड्यूलिंग, टीकाकरण प्रबन्धन एवं कोविड 19 टीके के लिए सर्टिफिकेशन शामिल था और इण्टरनेट के माध्यम से पूरे देश में कहीं भी टीकाकरण हेतु अपनी पहुंच सुनिश्चित कराई जा सकती थी। इसके साथ ही इस एप्लीकेशन का उपयोग करने हेतु 12 मुख्य भाषाओं में से किसी का भी चयन किया जा सकता था।

ब) यूनीफाईड मोबाइल एप्लीकेशन फार न्यू–एज गवरनेन्स (उमंग) एप्लीकेशन

उमंग, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत् एक साझा, एकीकृत प्लेटफार्म और मोबाइल एप विकसित करने की एक प्रमुख पहल है, जो सभी सरकारी सेवाओं तक पहुंच की सुविधा प्रदान करती है। नवम्बर 2017 में लांच किये गये इस एप्लीकेशन का उपयोग तेरह भाषाओं में किया जा सकता है और इसके माध्यम से 172 सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिसमें आधार, पैन तथा





essential entities from 36 state and central government departments, and four states.

अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए राज्य और केन्द्र स्तर के 36 सरकारी विभागों तथा राज्य से सम्बन्धित सेवाएं 4 शामिल हैं।

c. Aarogya Setu

Another important government initiative, this COVID-19 tracker that was launched on 2nd April,2020, ensures the safety of Indian citizens from the deadly virus by connecting health services to the people in these unpredictable times. It follows the concept of contact tracing, wherein the user is notified of any hotspot or 'high-risk' area near their residence, which assists them to adopt adequate measures to avoid infection.

स) आरोग्य सेतु

इस अप्रत्याशित समय में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने के लिए और वायरस से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2 अप्रैल, 2020 को सरकार की एक अन्य दूसरी पहल के रूप में कोविड–19 ट्रैकर को लांच किया गया। यह सम्पर्क सूत्र पकड़ने की अवधारणा पर कार्य करता है, जहां उपयोगकर्ता अपने आवास के निकट उच्च जोखिम वाले क्षेत्र या हॉटस्पॉट की सूचना प्राप्त कर सकता है और अपने आपको बचाने के लिए उचित सावधानियों एवं उपायों को अपना सकता है।



Milestones achieved

Actions that helped bend the curve

Bihar government is deeply committed to its COVID vaccination programme, wherein the entire population of the state is to be covered with no beneficiary left behind. It has been nearly ten months since the first COVID-19 vaccine was administered in the state, and since then a total of 7.34 crore people in the state have been vaccinated and 4.35 crore have taken their first dose (as of 30th September,2021). The pace and scale of the vaccination drive have been unprecedented, but there still remains a long road ahead.

In a bid to flatten the COVID-19 curve, the vaccination program in Bihar launched to reduce morbidity and mortality from the virus overcame many challenges and achieved numerous milestones. It was the culmination of months of careful and deliberate planning for the collection, distribution, deployment and acceptance of the approved vaccine amongst the public. The vaccination campaign, planned and rolled out by the Government of Bihar is of an unparalleled magnitude, never undertaken before on such a large scale, run under critical health and time constraints. Irrespective of the challenges, the state has built and begun its COVID-19 vaccination programme with foresight, confidence and urgent speed, achieving major milestones even as it ensures that all of its citizens have access to the lifesaving vaccine.

चुनौतियों से पार पाने में सहायक कार्य

बिहार सरकार कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के प्रति अत्यन्त प्रतिबद्ध है, जिसमें राज्य की पूरी आबादी को आच्छादित किया जाना है और यह भी सुनिश्चित करना है कि कोई लाभार्थी छूट न जाये। राज्य में कोविड–19 पहला टीका लगभग 10 माह पहले लगा था और तब से लेकर आज तक (30 सितम्बर, 2021 तक) राज्य में कुल 7.34 करोड़ लोगों का टीकाकरण हो चुका है और 4.35 करोड़ लोग टीके की दोनों खुराक प्राप्त कर चुके हैं। टीकाकरण अभियान की गति और पैमाना अभूतपूर्व रहा, लेकिन अभी भी लम्बा रास्ता तय करना बाकी है।

कोविड–19 की टेढ़ी–मेढ़ी रेखा को सीधा करने के लिए, बिहार में लांच किये गये टीकाकरण कार्यक्रम ने वायरस से होने वाली बीमारियों को कम करने की दिशा में कई चुनौतियों को पार किया और कई मील के पत्थर भी प्राप्त किये। यह जनता के बीच स्वीकृत टीके के संग्रह, वितरण, विघटन एवं स्वीकृति के लिए महीनों की सावधानीपूर्वक एवं सोची समझी रणनीति के तहत बनायी गयी योजना का परिणाम था। बिहार सरकार द्व ारा एक बेहतर योजना बनाकर शुरू किया गया टीकाकरण अभियान स्वास्थ्य और समय की कमी के बावजूद एक अद्वितीय अभियान है। इतने बड़े पैमाने पर पहले कभी इस तरह का अभियान नहीं चलाया गया था। चुनौतियों के बावजूद, राज्य ने दूरदर्शिता, आत्मविश्वास और त्वरित गति के साथ अपने कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम को प्रारम्भ किया और प्रमुख माइलस्टोनों को प्राप्त किया। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि उसके सभी नागरिकों की पहुंच जीवनरक्षक टीके तक हो।

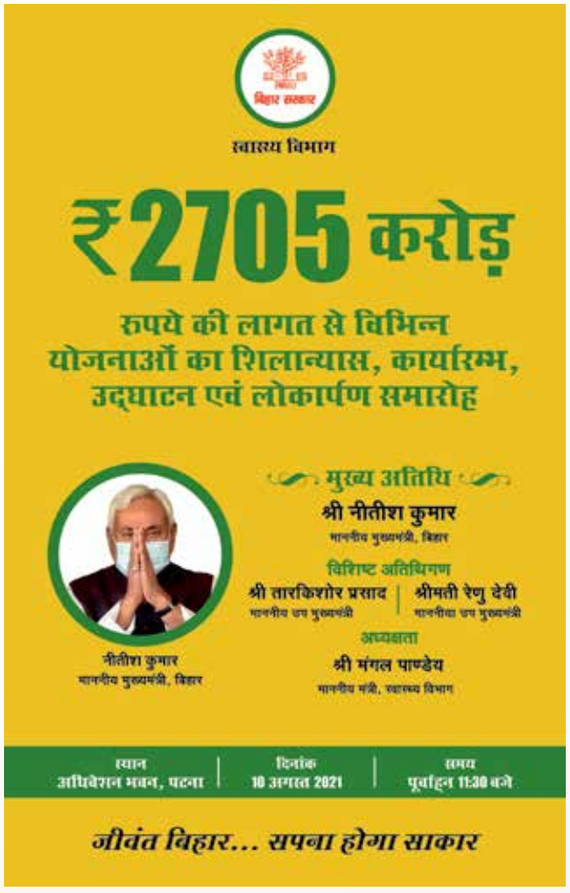


I. Key landmarks

a. Bihar is 'first'

Understanding the urgency for extended vaccination coverage, the government felt the need to assure its citizens of the ease of availability of the vaccines, one that would be available to each and every one, cutting across social, economic and gender bias. The concept of 'Free vaccine' was announced and committed with an approval from the Cabinet. Bihar, became the first state in the country to announce free vaccinations.

Even the private hospitals were given free vaccines to carry out vaccination programme. But, much before the actual vaccination started, the preparations began full swing to ensure its smooth roll. Dry Runs were conducted, Training and Capacity Building carried out, a focussed Task Force constituted and cold storages (deep freezers and ice packs) identified and kept ready.



1 प्रमुख लैण्डमार्क

1) सबसे आगे बिहार

टीकाकरण कवरेज को विस्तारित करने की तत्काल आवश्यकता को समझते हुए, सरकार ने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता महसूस किया कि उसके सभी नागरिकों को टीके की उपलब्धता सुगमता से हो। यह भी सुनिश्चित किया कि बिना किसी सामाजिक, आर्थिक और लिंग आधारित भेद–भाव के राज्य के प्रत्येक नागरिक को यह टीका समान रूप से उपलब्ध हो। ''मुफ्त टीका'' की अवधारणा की घोषणा की गयी और बिहार कैबिनेट से इसकी मंजूरी लेकर सरकार इसके प्रति प्रतिबद्ध भी हुई। इस प्रकार बिहार पूरे देश में मुफ्त टीकाकरण की घोषणा करने वाला प्रथम राज्य बना।

टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाने के लिए निजी हस्पतालों ने भी मुफ्त टीकाकरण किया। लेकिन, वास्तविक टीकाकरण प्रारम्भ करने से पहले, इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए पर्याप्त पूर्व तैयारी की गयी। ड्राई रनों का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण और क्षमता विकास किया गया, एक केन्द्रित टास्क फोर्स का गठन किया गया और टीका संग्रह हेतु डीप फ्रीजरों एवं आइस पैकों सहित कोल्ड स्टोरेज को चिन्हित कर उन्हें तैयार किया गया।



b. On ground Vaccination programme

It was the healthcare workers who were targeted in the first vaccination drive, and they were the foremost who were vaccinated. The Hon' Chief Minister, Sh. Nitish Kumar wholly committed to the implementation and success of the laid-out vaccination program, inaugurated the programme. The first two citizens to get vaccinated (who were healthcare workers) on 16th January, 2021, were Sh Rambabu, a '*safai karamchari*' and Smt Ranju Rani, a laboratory technician. After their vaccination, both of them appealed to their fellow citizens 'to get vaccinated promptly without fear, as this will help the fight against corona virus.' For the 60+ years vaccination phase, it was the Jeevika Didis and PRI members who were engaged in the strenuous drive.

2) जमीनी स्तर पर टीकाकरण अभियान

प्रथम टीकाकरण अभियान में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को लक्षित किया गया था और सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि उनका टीकाकरण हुआ भी। टीकाकरण कार्यक्रम के कियान्वयन एवं उसकी सफलता के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार जी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 16 जनवरी, 2021 को जिन दो नागरिकों को टीका लगाया गया, वे थे ''सफाई कर्मचारी'' श्री रामबाबू एवं ''प्रयोगशाला तकनीशियन'' श्रीमती रंजू रानी। इनके टीकाकरण के बाद, इन दोनों लोगों ने अन्य नागरिकों से बिना किसी डर–भय के तत्काल टीका लगवाने की अपील की ताकि कोरोना वायरस के विरूद्ध लड़ाई लड़ी जा सके। 60 वर्ष से उपर के लोगों के टीकाकरण वाले चरण में अभियान को जोरदार बनाने के लिए जीविका दीदी और पंचायती राज संगठनों के सदस्यों को शामिल किया गया।





c. Vaccine Mega-Events

Mega vaccination events were conducted across the state, to commemorate important days such as Gandhi Jayanti, PM Narendra Modi's birthday (17th Sept) and just before Chhath Puja. On 2nd October itself, thirty lakh people were vaccinated in the state. On several specific days, the coverage was enhanced. For the International Women's Day on March 8th, Jeevika Didis were engaged, who helped creating a festive environment at the event, to make women who turned up at vaccination centres feel motivated and special. In Gaya's Prabhavati hospital, 'pink booths' were created to encourage women beneficiaries to get vaccinated. On the occasion of International Yoga Day, more than 5,000 Jeevika Didi's participated in the mega vaccination camps, displaying great enthusiasm, and motivating friends and families to come ahead and get vaccinated.

On 5th September, Teachers' Day was commemorated through special vaccine camps organized across the state. Teachers, educationists, people associated with the education department and other related personnel were encouraged to get themselves vaccinated during this campaign. The existing PMSMA Day, when Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan sessions are organized on the 9th of every month to provide assured, comprehensive, and quality antenatal care, free of cost, universally to all pregnant women was linked to the vaccination programme, and used as a launch pad to vaccinate pregnant mothers. COVID vaccination is being provided to pregnant, lactating mothers in various districts as a part of PMSMA.



3) टीकाकरण का महा अभियान

विभिन्न महत्वपूर्ण दिवसों जैसे– गांधी जयन्ती, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) एवं छठ पूजा के तुरन्त पहले पूरे राज्य में टीकाकरण के महा अभियान आयोजित किये गये। 2 अक्टूबर को गांधी जयन्ती के अवसर पर पूरे राज्य में 30 लाख लोगों ने टीका लगवाया। विभिन्न विशिष्ट दिवसों के अवसर पर महा अभियान आयोजित करने से टीकाकरण लगवाने वाले लोगों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई। 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महा अभियान आयोजित करने और सफल बनाने के लिए जीविका दीदियों को जोड़ा गया, जिन्होंने इस विशिष्ट दिवस को खास बनाने की दृष्टि से महिलाओं को प्रेरित करते हुए टीकाकरण केन्द्रों तक लाने के लिए एक सकारात्मक माहौल तैयार किया। गया के ''प्रभावती अस्पताल'' में महिला लाभार्थियों को टीका लगवाने हेतु उत्साहित करने के लिए ''गुलाबी बूथ'' बनाये गये। अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस के अवसर पर आयोजित मेगा टीकाकरण कैम्पों में 5000 से अधिक जीविका दीदियों ने सहभागिता निभाई, अत्यधिक उत्साह दिखाया और टीकाकरण केन्द्रों पर आने व टीका लगवाने हेतु अपने परिवार, मित्रों, नाते–रिश्तेदारों को प्रेरित किया।

5 सितम्बर, शिक्षक दिवस के अवसर पर पूरे राज्य में विशिष्ट टीकाकरण कैम्पों का आयोजन किया गया। शिक्षक, शिक्षाविद्, शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों एवं अन्य सम्बन्धित कार्मिकों को इस अभियान के अन्तर्गत शामिल होने और टीका लगवाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। सभी गर्भवती महिलाओं को मुफ्त में सुनिश्चित, सघन और गुणवत्तापूर्ण देख–भाल उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक माह की 9 तारीख को आयोजित किये जाने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान सत्र को टीकाकरण कार्यक्रम से जोड़ा गया और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण हेतु एक लांच पैड के तौर पर उपयोग किया गया। विभिन्न जिलों में गर्भवती एवं धात्री माताओं को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के एक भाग के तौर पर कोविड टीका लगाया गया।

d. Super September 17

On 17th September 2021, Bihar topped the chart of daily vaccinations. A total of 33.18 lakh people were vaccinated on a single day, even as the state battled floods and heavy rains in many parts. This was 11 times greater than the daily goal of 3 lakh vaccinations in the state. And of these, nearly 208 lakh jabs were given in the rural areas of Bihar. There were 15 districts in all where the number of people vaccinated on this special day, crossed one lakh. This was part of a mega drive organized by the state government, to commemorate the birthday of Hon' Prime Minister, Sh Narendra Modi.

4) सुपर 17 सितम्बर

17 सितम्बर, 2021 को रोजाना के टीकाकरण की तालिका में बिहार का स्थान सबसे उपर था। राज्य के बहुत से भागों में बाढ़ एवं भारी बारिश की घटनाओं से जूझने के बावजूद मात्र इस एक दिन राज्य में कुल 33.18 लाख लोगों को टीका लगाया गया। यह राज्य में प्रतिदिन होने वाले औसतन 3 लाख टीकाकरण का 11 गुना अधिक था। राज्य में कुल 15 जिले ऐसे थे, जहां पर इस दिन टीकाकरण कराने वाले लोगों की संख्या 1 लाख से पार कर गयी थी। यह आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा आयोजित महा अभियान के एक भाग के तौर पर था।





e. 6 Crore, 6 Maah

On 21st June,2021, the Hon' Chief Minister, Sh Nitish Bihar launched a determined mega drive named 6 Crore, 6 Maah to inoculate six crore people in the state against Covid-19 within six months. More than 7 crore citizens [10] have already been vaccinated in Bihar, of which 5.3 crore have taken the first dose and 2.4 crore both the doses. (As of 25th November, 2021)

The government's ambitious plan of '6 Maah, 6 crore' aims to inoculate a staggering six crore citizens in six months. To achieve this target, nearly 3.3 lakh

10 https://dashboard.cowin.gov.in/

5) 6 करोड़, 6 माह

21 जून, 2021 को बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार ने राज्य में कोविड–19 से बचाव हेतु 6 माह के अन्दर 6 करोड़ लोगों का टीकाकरण किये जाने के कारण 6 करोड़ 6 माह नाम से एक निर्धारित महा अभियान लांच किया। बिहार में 7 करोड़[8] से अधिक नागरिक पहले ही टीकाकरण करा चुके हैं। इनमें से 5.3 करोड़ लोगों ने पहली खुराक प्राप्त की है और 2.4 करोड़ लोगों को टीके की दोनों खुराक दी जा चुकी है। (25 नवम्बर, 2021 तक)

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ''6 करोड़ 6 माह'' का उद्देश्य 6 माह के अन्दर 6 करोड़ नागरिकों को टीका लगाना था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, प्रत्येक दिन लगभग

8 https://dashboard.cowin.gov.in/

beneficiaries will have to be vaccinated every single day. The initial struggle of vaccine hesitancy improved considerably, thanks to the state run, multi-pronged mass awareness campaign to enhance public trust in the COVID-19 vaccination programme. But, with the fear of a potential third wave in the foreseeable future, the risk increases considerably. Accelerating the pace of inoculation becomes crucial in such a state.

f. Nation's pride 'Bankatwa'

Lying in East Champaran district of Bihar, this block has achieved a sterling success from the point of view of the COVID-19 vaccination process. All individuals above the age of 18 years here, have been inoculated against COVID-19. The dedication of the ASHA workers, AWWs, Health department officials and local leaders to ensure this 100 percent success is a motivational for all concerned.

g. Ease of vaccination

The first consignment of vaccines, Serum Covishield reached the state on 12th January, 2021, from Pune. In all, the state has received a total of 8,60,605 doses of Covaxin and 47,14,180 doses of Covishield vaccines (as of 30th September,2021)[11]. Comparing

3.3 लाख लाभार्थियों को टीका लगाया जाना था। कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए राज्य द्वारा चलाये जा रहे बहु–आयामी जन जागरूकता अभियान की बदौलत टीका लगवाने के प्रति लोगों की शुरूआती हिचकिचाहट में काफी कमी आयी। लेकिन निकट भविष्य में संभावित तीसरी लहर के आने की आशंका के कारण जोखिम काफी बढ़ गया है और इस दृष्टि से टीकाकरण अभियान की गति को तेज करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

6) राज्य का गर्व– ''बनकटवा''

कोविड–19 से बचाव हेतु टीकाकरण प्रक्रिया की दृष्टि से बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले में आने वाले इस प्रखण्ड ने वास्तविक सफलता प्राप्त की है। इस प्रखण्ड में रहने वाले 18 वर्ष से उपर के सभी लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। आशा कार्यकत्रियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी–कर्मचारियों तथा स्थानीय नेताओं के समर्पण की वजह से मिली यह शत–प्रतिशत सफलता सभी सम्बन्धित लोगों के लिए एक प्रेरणा है।

7) टीकाकरण की सुगमता

12 जनवरी, 2021 को सीरम कोविशील्ड टीका की पहली खेप पुणे से राज्य में पहुंची। समग्र रूप से पूरे राज्य को 8,60,605 खुराक कोवैक्सीन की तथा 47,14,180 खुराक कोविशील्ड की प्राप्त हुई। (30 सितम्बर, 2021 तक)[9]। पूरे देश में टीका वितरण की तुलना में, 20 नवम्बर, 2021 तक बिहार को लगभग 8.5 करोड़ टीका प्राप्त हुआ, जबकि देश में हिस्सेदारी के आधार पर राज्य को 110 करोड़ टीका मिलना





11 State Health Society, Bihar

9 State Health Society, Bihar

the vaccine distribution across the country as of as of 20th November 2021, Bihar has received an estimated 8.5 crores of vaccine out of 110 crores of the nation's share[12]. Easy and prompt registration for vaccination has aided the success of the vaccination drive. Even when the lockdown restrictions were in place, steps were undertaken to ensure that people traveling for vaccination and their vehicles were exempted, and allowed to travel with impunity.

h. Vaccination centres creation

To meet vaccination goals, multiple, temporary, large- and small-scale vaccination sites, both fixed location and mobile, were planned and operationalized so as to be able to vaccinate more of the population rapidly. The existing State Vaccine Store in NMCH, Patna, was designated as the state vaccinator store. In the early

12 State Health Society, Bihar

था[10]। टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में सरल और तत्पर पंजीकरण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि लॉकडाउन के दौरान भी, जबकि लोगों को कहीं आने–जाने पर प्रतिबन्ध था, लोगों को टीकाकरण हेतु आने–जाने में सुगमता प्रदान करने की दृष्टि से पूरी सुरक्षा के साथ आवागमन की सुविधा प्रदान करना सुनिश्चित किया गया।

8) टीकाकरण केन्द्रों का निर्माण

टीकाकरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, विभिन्न बड़े और छोटे स्तर के अस्थाई, स्थाई एवं मोबाइल दोनों प्रकार के टीकाकरण स्थलों की योजना बनाई गयी और इन्हें क्रियान्वित भी किया गया ताकि अधिक से अधिक जनसंख्या का टीकाकरण तेजी से हो सके। मौजूदा राज्य टीका भण्डार एन.एम.सी.एच, पटना को राज्य टीकाकरण भण्डार के तौर पर नामित किया गया। शुरूआती दौर में, जनवरी–फरवरी, 2021 के दौरान राज्य में कुल 300 टीकाकरण केन्द्रों को बनाकर टीकाकरण प्रारम्भ किया गया। प्रत्येक नागरिक तक टीकाकरण प्रक्रिया पहुंचाने की दृष्टि से प्रत्येक माह इस संख्या में तेजी से

10 State Health Society, Bihar





period, during January/ February 2021, vaccination was carried out at 300 vaccination centres in the state. This number rapidly increased every month, to ease the vaccination process for every citizen, and has grown to the current level of 15,000 sites, as of October 2021. For these, onsite registration facility was also made available.

i. On track to safety: The 'Tika Express'

To intensify the coverage of COVID-19 vaccination, a novel concept of 'Tika Express' was launched in the state on 3rd June, 2021, when the Hon' Chief Minister, Sh Nitish Kumar, launched off 121 of these from Patna. These mobile COVID vaccination centres that travelled on wheels were the express vans launched with the aim to inoculate maximum number of people at their convenience, on their own doorsteps, both in rural and urban areas, deployed on the vaccination days. A micro plan and route chart for the same was created for this mobile vaccination facility to travel to wards, community halls, schools and other convenient centres for ease of vaccination. The focus was to include every apartment, home, slum, vegetable mandi, business committees, auto rickshaw association, women organisation and all such varied conglomerates, so that maximum number of people were vaccinated. This was undertaken under the leadership of the district authorities, through the District Task Force. The

वृद्धि हुई और अक्टूबर, 2021 तक पूरे राज्य में टीकाकरण हेतु 15000 स्थल उपलब्ध हो गये थे। इनके लिए, साइट पर ही पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध है।

9) सुरक्षा की राह पर : टीका एक्सप्रेस

कोविड–19 टीकाकरण के कवरेज को सघन बनाने की दृश्टि से 3 जून, 2021 को राज्य में ''टीका एक्सप्रेस'' नाम से एक उत्कृष्ट अवधारणा को लांच किया गया जब माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार ने पटना से 121 मोबाइल टीकाकरण केन्द्रों को लांच किया। इस मोबाइल कोविड टीकाकरण केन्द्र को चलाने के लिए एक्सप्रेस मोबाइल वैन को इस उद्देश्य से लांच किया गया ताकि ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों मे अधिक से अधिक लोगों को उनकी सुविधा के अनुसार, उनके दरवाजे पर निर्धारित दिन पर टीकाकरण किया जा सके। टीकाकरण को सरल बनाने के लिए वार्डों, सामुदायिक हालों, विद्यालयों और अन्य सुगम केन्द्रों तक इस मोबाइल टीकाकरण सुविधा को पहुंचाने के लिए एक सूक्ष्म योजना और रूट चार्ट तैयार किया गया व तद्नुसार कार्य किया गया। इसमें प्रत्येक अपार्टमेण्ट, घर, मलिन बस्ती, सब्जी मण्डी, व्यापारिक समितियों, ऑटो रिक्शा संघ, महिला संगठन एवं अन्य विभिन्न प्रकार के समूहों/समितियों को शामिल करने के ऊपर ध्यान केन्द्रित किया गया ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोगों का टीकाकरण हो सके। इस कार्य को जिला टास्क फोर्स के माध्यम से जिला पदाधिकारियों के नेतृत्व में पूरा किया गया। टीकाकरण टीम में सत्यापनकर्ता एवं टीका लगाने वाले सहित एनाफ्लाक्सिस किटों, मास्क, सेनिटाइजर, दस्ताना एवं अन्य लॉजिस्टिक आवश्यकताएं शामिल थीं।

बड़े स्तर पर जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, टीकाकरण अभियान से एक दिन पहले पूरे क्षेत्र में स्थानीय प्रधिकरणों द्वारा माइक के माध्यम से टीकाकरण अभियान से सम्बन्धित आवश्यक सूचनाएं प्रसारित की जाती थीं। प्रत्येक





vaccination team included a verifier and a vaccinator, along with anaphylaxis kits, masks, sanitisers, gloves and other logistical needs.

To ensure a larger public mobilisation, local agencies help was garnered and information about the vaccination drive relayed a day prior through miking across the area. The daily target for each express was of 200 vaccinations, the details of which were uploaded on the portal every single day. More than 700 *teeka* express vans wheeled in the vaccines across the state, catering to the inoculation needs of people in rural and urban areas, as also the far flung, inaccessible areas of the state.

j. Talking numbers

The total number of eligible beneficiaries in the state, is a mind boggling 7 Crore 34 Lakh, as of September 2021. This is more than two and a half times the entire population of Australia, 1.25 times that of England and higher than that of the complete population of France. Of these beneficiaries in the state, 5 Crore 32 Lakh eligible beneficiaries have been administered the first dose, and 2 Crore 40 Lakh eligible beneficiaries have

टीका एक्सप्रेस वैन का दैनिक लक्ष्य 200 लोगों को टीका लगाने का था, जिससे सम्बन्धित विस्तृत सूचनाएं प्रत्येक दिन शाम को पोर्टल पर अपलोड कर दी जाती थीं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों, सुदूर दुर्गम क्षेत्रों तथा न पहुंच सकने वाले क्षेत्रों के लोगों की टीकाकरण की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूरे राज्य में लगभग 700 टीका एक्सप्रेस वैनों का संचालन किया गया।

10) संख्याएं बोलती हैं

राज्य में सितम्बर, 2021 तक पात्र लाभार्थियों की कुल संख्या 7 करोड़ 34 लाख थी, जो कल्पना से परे है। यह संख्या आस्ट्रेलिया की समग्र जनसंख्या का ढाई गुना, इंग्लैण्ड की जनसंख्या का 1.25 गुना तथा फ्रान्स की कुल जनसंख्या से अधिक है। 25 नवम्बर, 2021 तक राज्य में इन लाभार्थियों में से 5 करोड़ 32 लाख पात्र लाभार्थी टीके की प्रथम खुराक प्राप्त कर चुके हैं,[11] जबकि 2 करोड़ 40 लाख पात्र लाभार्थी टीके की दोनों खुराक प्राप्त कर चुके हैं। अर्थात् इस दिन तक 72.1 प्रतिशत लोगों को टीके की पहली खुराक मिल चुकी है[12]।

11 CoWIN Dashboard
12 State Health Society, Bihar

received both the doses, as of 25th November 2021.[13] This puts the vaccinated percentage of people in the state at 72.1 percent[14], who have received the first dosage as of the same date.

k. Fighting the vaccine hesitancy

Fuelled by misinformation and rumours, widespread vaccine hesitancy amongst the citizens could threaten the vaccination campaign. The reluctance of people to receive vaccination was tackled through a multi-pronged approach. This included taking support from religious leaders and community influencers, who were able to persuade people away from their inhibitions.

Turning the floods crisis in the state into a window of opportunity, it was made mandatory for the rescue teams to be vaccinated. Also, the community kitchens run during this period had special arrangements for vaccination, so as to ease the process. Another important factor was that to avail of any government scheme or benefit, it was made mandatory for the



13 CoWIN Dashboard
14 State Health Society, Bihar

11) टीका के प्रति हिचकिचाहट/संदेह से लड़ाई

टीका के प्रति गलत सूचना और अफवाहों के कारण, नागरिकों के बीच टीका को लेकर व्यापक हिचकिचाहट और झिझक थी, जिससे टीकाकरण अभियान को खतरा हो सकता था। इस खतरे से निपटने के लिए बहु–आयामी दृष्टिकोण अपनाया गया। इसमें धार्मिक नेताओं एवं समुदाय के उन प्रभावशाली लोगों की मदद ली गयी, जो इस अवरोध को दूर करने में सक्षम थे।

राज्य में बाढ़ के संकट ने अवसरों की एक और खिड़की खोल दी। बचाव दल में शामिल सभी लोगों का टीकाकरण होना अनिवार्य कर दिया गया। इसके साथ ही प्रक्रियाओं को सुगम बनाने की दृष्टि से इस अवधि में संचालित किये जा रहे सामुदायिक रसोई में टीकाकरण की विशिष्ट व्यवस्था की गयी। इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण कारक यह भी रहा कि किसी भी सरकारी योजना या लाभ का भागीदार वही होगा, जो कोविड का टीका लगवा चुका होगा। जमीनी स्तर पर होने वाले पंचायत चुनावों ने भी टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। यह आवश्यक कर दिया गया कि पंचायत चुनाव में जो भी व्यक्ति खड़ा होगा, उसे अपना पर्चा दाखिला से पूर्व टीकाकरण करवाना जरूरी है। इससे चुनाव में खड़े होने वाले प्रत्याशियों ने अपने कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को टीका लगवाने हेतु प्रेरित भी किया।

टीका लगवा चुके लाभार्थियों ने भी दूसरे लोगों को टीका लगवाने हेतु प्रोत्साहित किया। इस प्रकार, व्यवहारगत मुद्दों को दूर किया गया और टीका लगवाने के प्रति लोगों की झिझक को दूर करते हुए लोगों को प्रोत्साहित व जागरूक कर टीकाकरण की प्रक्रिया को नियमित रखा गया। इसके लिए, एन.एम.सी.एच, पटना के साथ बैठकों का आयोजन किया गया, जहां डाक्टरों और चिकित्सा स्टाफ को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया गया कि वे सुरक्षा एवं प्रभाविता को लेकर लोगों की झिझक दूर करने हेतु लोगों के साथ संवाद जारी रखें। इनके अलावा, प्रिण्ट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से जन सूचना प्रसारण और संचार तथा सोशल मीडिया की पारम्परिक पद्धतियों का भी सहयोग लिया गया।

लोगों को टीकाकरण करवाने के लिए उत्साहित करने हेतु, समुदाय के अन्दर मोबिलाइजेशन रैलियों का भी आयोजन किया गया। चूंकि इन रैलियों में समुदाय की सहभागिता रहती थी, इसलिए लोग मुद्दों को बेहतर ढंग से समझ पाए और इसके माध्यम से लोगों की टीके के प्रति झिझक एवं संकोच को दूर करने में काफी मदद मिली। ठीक इसी प्रकार, टीकाकरण को लेकर लोगों के अन्दर उत्पन्न डर एवं झिझक को दूर करने के लिए यूनिसेफ, बिहार द्वारा अन्य नागर समाज संगठनों की भागीदारी के साथ एक सामाजिक मोबिलाइजेशन

beneficiary to be inoculated. During the grassroot elections that took place during this period, every candidate that stood for election was required to be vaccinated before they filed their papers. This had a cascading effect, as the election candidate in turn encouraged his workers and followers to get their vaccines too.

Beneficiaries who had received the vaccination, were encouraged to reach out and motivate people to get themselves vaccinated. Thus, importance to behavioural issues were sorted out, and orientation and motivation for people who were hesitant to take vaccines carried out regularly. For this, meetings were held with NMCH, where doctors and the medical staff were encouraged to hold conversations that dealt with the safety and efficacy concerns of the hesitant public. Besides these, the traditional methods of social media, public broadcasting and communication through print and media continued.

To further encourage people to get vaccinated, community mobilisation rallies were undertaken. These played a crucial role in overcoming vaccine hesitancy, as community involvement helped people relate better to the issue and understand its essentiality. Similarly, Mission Surakshagrah, a social mobilization campaign initiated by UNICEF, Bihar in partnership with other Civil Society Organisations was utilised to overcome vaccine hesitancy mindset. The Suraksha Prahiris from the campaign used this platform to focus on community engagement at village and gram panchayat level in a bid to promote COVID Appropriate Behaviour (CAB) and create a conducive environment for vaccination.

People were encouraged to take vaccine through entertainment, with the help of folk artists who went from village to village telling the people the usefulness of the vaccine, through song-drama. In other areas, rangoli, wall writing, Prabhat Pheri and slogans etc. were undertaken to increase awareness of COVID-19 vaccination

अभियान ''मिशन सुरक्षाग्रह'' का प्रारम्भ किया गया। अभियान से जुड़े सुरक्षा प्रहरियों ने गांव एवं ग्राम पंचायत स्तर पर लोगों को जोड़ने हेतु इस मंच का उपयोग किया। इन्होंने कोविड यथोचित व्यवहार (सीएबी) को बढ़ावा दिया और टीकाकरण के लिए एक अनुकूल वातावरण का निर्माण किया।

टीकाकरण हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए मनोरंजन के साधनों का भी सहयोग लिया गया। लोक कलाकार गांव–गांव जाते थे और गीत तथा नाटकों के माध्यम से लोगों को टीका के उपयोग के बारे में बताते थे। अन्य दूसरे क्षेत्रों में, रंगोली, दीवाल लेखन, प्रभात फेरी एवं नारों आदि के माध्यम से भी कोविड–19 टीकाकरण के प्रति जागरूकता में वृद्धि की गयी।



COVID-19 helpline

Every district boasts of a free-toll helpline, where citizens can call up and their queries regarding COVID-19 were addressed. This helped curtail the chaos and confusion, especially in the initial days, when correct and apt information on COVID vaccination was not readily available. Answers to COVID related issues, awareness promotion, and better information on vaccination and safety measures through these helplines benefitted the citizens.

I. Synergy between different department

A *Teekashala* programme was constituted wherein the health department joined hand with the education department, to hold vaccination camps in schools. Through this, the teachers, working personnel and guardians/ parents of the children studying in the school were encouraged to get themselves vaccinated. This helped inoculate teachers of government and private schools and their families; and added to the strength of the ongoing vaccination progress in the state.

कोविड–19 हेल्पलाइन

प्रत्येक जिले में एक टोल–फ्री हेल्पलाइन की स्थापना की गयी, जहां प्रत्येक नागरिक कोविड–19 से सम्बन्धित अपनी चिन्ताओं एवं शंकाओं को कॉल करके पूछ सकता था और यथा संभव प्राप्त सभी शंकाओं एवं चिन्ताओं का समाधान भी किया गया। इससे विशेषकर प्रारम्भिक दिनों में, जब कोविड–19 टीकाकरण से सम्बन्धित सूचनाएं लिखित रूप में नहीं उपलब्ध थीं, उस समय अव्यवस्था एवं शंकाओं को दूर करने में काफी मदद मिली। कोविड सम्बन्धित मुद्दों के उत्तर, जागरूकता, प्रोत्साहन एवं टीकाकरण पर बेहतर जानकारी तथा सुरक्षा उपायों के बारे में इन हेल्पलाइनों के माध्यम से जानकारी पाकर नागरिक लाभान्वित हुए।

1. विभिन्न विभागों के बीच तालमेल

स्कूलों में टीकाकरण कैम्पों के आयोजन हेतु स्वास्थ्य विभाग ने शिक्षा विभाग के साथ मिलकर एक टीकाशाला कार्यक्रम संचालित किया। इसके माध्यम से, शिक्षकों, शिक्षा विभाग के कार्मिकों, विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के अभिभावकों/ माता–पिता को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपना टीकाकरण करा लें। इससे सरकारी एवं निजी विद्यालयों के शिक्षकों व उनके परिवारजनों का टीकाकरण करने में सहयोग प्राप्त हुआ और इससे राज्य में चल रहे निरन्तर टीकाकरण प्रगति को मजबूती मिली।



In the flood affected areas of Samastipur in Bihar, it was the complete support of the NDRF that pushed the COVID vaccination '*Mahaabhiyan*' ahead. The inherent coordination and synergy of the skilled NDRF personnel along with the committed health workers helped the vaccination process to reach unhindered in these far flung, flood infected areas.

II. Tika ki Naav

In the flood affected areas of Bihar, the challenge was to reach every village and every home. To overcome this, the concept of a vaccination boat was born. Through this novel idea, health officials travelled to flood hit areas in Muzaffarpur district, motivating people to get vaccinated and administering the inoculation in areas that were inaccessible and cut off from the close by vaccination centres. Hundreds of people from Katra, Gayghat and Aurai blocks in this district availed of this opportunity, essential in these trying times.

In Khagaria district, affected by the flood waters of

बिहार के समस्तीपुर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, कोविड टीकाकरण ''महा अभियान'' को आगे बढ़ाने में एनडीआरएफ का पूर्ण सहयोग रहा। एनडीआरएफ के दक्ष कार्मिकों के साथ प्रतिबद्ध स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के स्वाभाविक समन्वयन एवं तालमेल ने बाढ़ प्रभावित सुदूर क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

2. टीका की नाव

बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रत्येक गांव एवं प्रत्येक घर तक पहुंचना एक बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती से निपटने हेतु ''टीका की नाव'' अवधारणा ने जन्म लिया। इस अभूतपूर्व विचार के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों ने मुजफ्फरपुर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों को टीकाकरण हेतु प्रोत्साहित किया। इस प्रकार इन सुदूर क्षेत्रों और जिले के दूसरे भागों से अलग–थलग पड़े इन क्षेत्रों में लोगों तक टीकाकरण केन्द्रों की पहुंच सुनिश्चित कर उनका टीकाकरण किया गया। मुजफ्फपुर जिले के कटरा, गायघाट एवं औराई प्रखण्डों के हजारों लोगों ने इस अवसर का लाभ उठाया और इस चुनौतीपूर्ण समय में इससे लाभान्वित हुए।

सात नदियों के पानी के कारण बाढ़ प्रभावित खगड़िया जिले में भी लोगों तक पहुंचना और उनसे सम्पर्क स्थापित करना बहुत ही दुर्गम था। लेकिन बढ़ते पानी के कारण डूब क्षेत्र





seven rivers, it was a similar story of inaccessibility and unapproachability. But undaunted by the rising waters, a vaccine boat designed to provide vaccine assistance and act as an ambulance for affected patients was envisioned and put into practice. All of this helped ensure that the COVID-19 vaccine services to the needy, easily and effectively.

This *Tika wali Naav* was initially conceptualized by the DM of Muzzafarpur, Mr Pranav Kumar as a makeshift mechanism to inoculate people in the flood affected region of Bakuchi in Katra block, Muzzafarpur. The boats were decorated and posters were laid out to encourage people to vaccinate. This innovative *Tika wali Naav* went the extra mile throughout the state to ensure that floods didn't dampen the spirit and speed of the world's largest vaccine drive in Bihar.

होने के बावजूद, टीका का सहयोग प्रदान करने के लिए एक टीका की नाव को इस प्रकार डिजाइन किया गया कि वह एक एम्बुलेन्स के रूप में काम करे और प्रभावित रोगियों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाकर उनको स्वास्थ्य सहयोग प्रदान करे। इन सभी ने मिलकर आसानी से एवं प्रभावी ढंग से कोविड–19 टीका सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में मदद की।

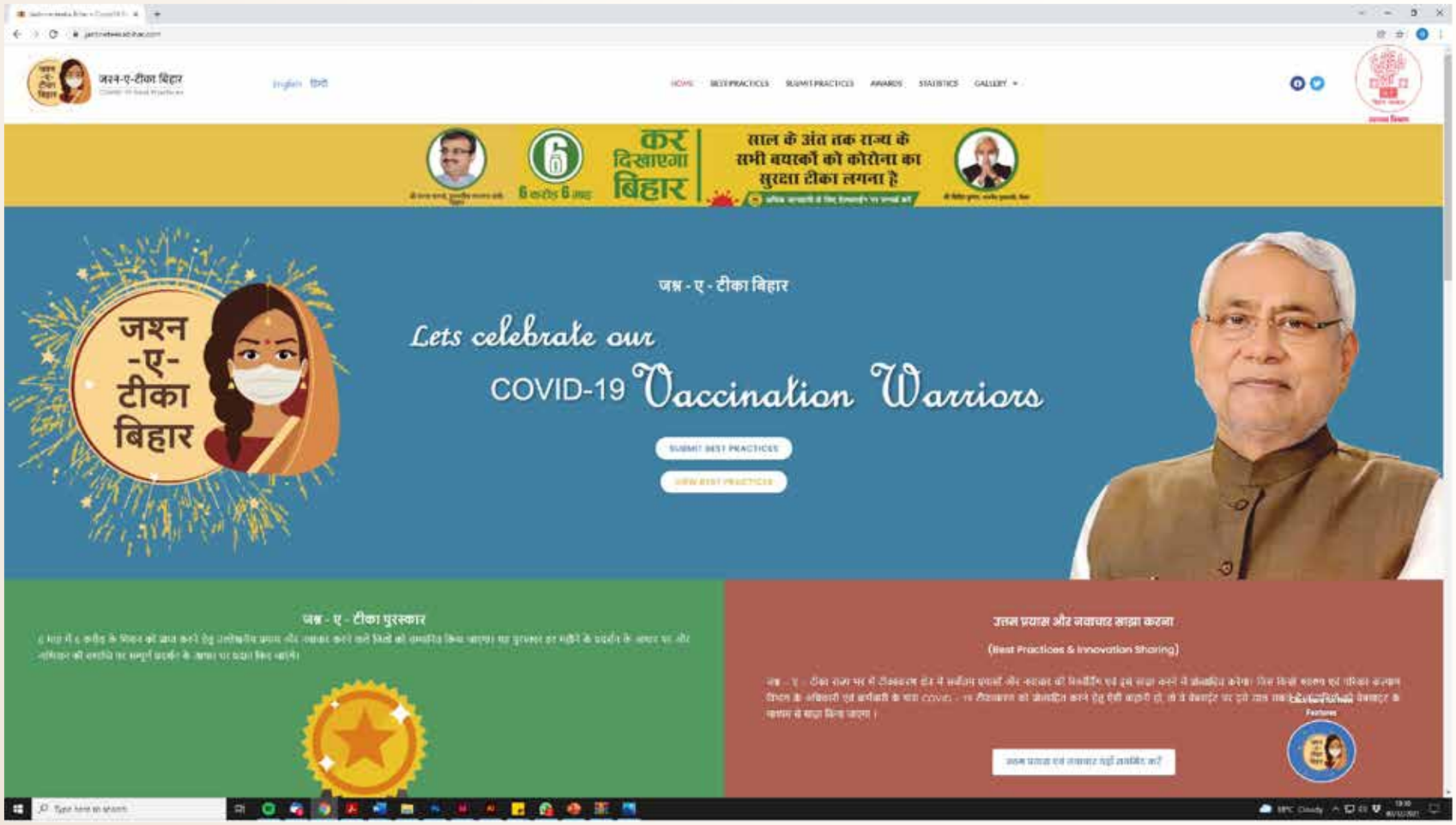
मुजफ्फरपुर के कटरा प्रखण्ड में बकुची क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को टीका लगाने की पद्धति के ऊपर विचार करते समय जिलापदाधिकारी, मुजफ्फरपुर श्री प्रणव कुमार ने इस ''टीका वाली नाव'' की अवधारणा को सबसे पहले प्रस्तुत किया। नाव को पूरी तरह सुसज्जित किया गया और लोगों को टीकाकरण के प्रति प्रोत्साहित करने हेतु पोस्टर आदि भी नाव पर लगाये गये। इस अभिनव प्रयास ''टीका वाली नाव'' ने पूरे राज्य में अतिरिक्त दूरी तय की और यह जता दिया कि विश्व के सबसे बड़े टीका अभियान की भावना एवं गति पर बिहार की बाढ़ के कारण कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा।

III. Jashn-e-Tika

A portal, "*Jashn-e-Tika*", was launched to document new initiatives, innovations and best practices concerning COVID-19 vaccination process in Bihar. Information on the state doctors, nurses and other social workers who have done exemplary work and contributed significantly towards COVID-19 vaccination, is also shared here. Initiated by the State Health Society, Bihar, this programme will honour districts that have made remarkable efforts and innovations to achieve the mission of 6 crores in 6 months. The *Jashn- e Tika* awards for the COVID vaccination warriors, that are both team and individual based, were conferred on 18th November, 2021, Thursday by Health Minister, Shri Mangal Pandey to doctors, nurses and other social workers from the state, in recognition of their outstanding contribution in carrying out the vaccination process.

3. जश्न – ए– टीका

बिहार में कोविड–19 टीकाकरण प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए एक अन्य नवाचार के रूप में ''जश्न–ए–टीका'' नाम से एक पोर्टल लांच किया गया। इस पोर्टल पर कोविड–19 टीकाकरण की दिशा में उदाहरण स्थापित करने वाले कार्यों एवं सहयोग के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान देने वाले राज्य के डॉक्टर, नर्सों एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं से सम्बन्धित सूचनाएं भी साझा की गयीं हैं। स्टेट हेल्थ सोसाइटी, बिहार द्वारा प्रारम्भ किये गये इस कार्यक्रम का पूरा श्रेय जिलों का जाता है, जिन्होंने 6 माह में 6 करोड़ का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु उल्लेखनीय प्रयास और नवाचार किये। टीकाकरण प्रक्रिया में अपने उल्लेखनीय योगदान देने वाले कोविड टीकाकरण वॉरियर्स, टीम के रूप में और व्यक्तिगत तौर पर, दोनों प्रकार से काम करने वाले राज्य के डाक्टरों, नर्सों एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को दिनांक 18 नवम्बर, 2021 को स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय द्वारा ''जश्न–ए–टीका'' का पुरस्कार प्रदान किया गया।



IV. Maha Survey

A '*Maha*' survey was conducted in Bihar from 18-20 October, 2021 to identify the left-out beneficiaries. This follow up was essential to reach the state's ambitious target in achieving a 100 percent vaccination coverage. The updated electoral roll was referred to, survey and supervision micro plans prepared, duty rosters organized and training of facilitators carried out. A mammoth task that was completed in a short duration, this had to be meticulously planned and strategically streamlined to achieve results. More than one lakh surveyors deployed for this, surveyed over 6 crore beneficiaries, across 8333 panchayats spread all over the state, in just three days.

4. महा सर्वेक्षण

छूट गये लाभार्थियों की पहचान करने के लिए दिनांक 18–20 अक्टूबर, 2021 को बिहार में एक ''महा सर्वेक्षण'' का आयोजन किया गया। राज्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्य 100 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए यह कार्यवाही आवश्यक थी। इसके अन्तर्गत अपडेट मतदाता सूची का सहयोग लिया गया। सूक्ष्म सर्वेक्षण और पर्यवेक्षण योजनाएं तैयार की गयीं, ड्यूटी रोस्टर तैयार किये गये और सुविधाकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। यह एक बड़ा कार्य था, जिसे बहुत कम अवधि में पूरा किया गया था, परन्तु परिणाम प्राप्त करने के लिए इसे सावधानीपूर्वक नियोजित और रणनीतिक रूप से सुव्यवस्थित किया जाना था। इसके लिए एक लाख से अधिक सर्वेक्षणकर्ता नियुक्त किये गये, जिन्होंने मात्र 3 दिनों में राज्य के 8333 ग्राम पंचायतों में 6 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों का सर्वेक्षण किया।





The *Maha* survey outcomes threw up definite, detailed data which allowed a clearer picture to emerge. It was seen that of the 18+ population surveyed, 2.9 crore were partially vaccinated and had received the first dose only, while 1.7 crore were fully vaccinated with both the doses. Thus, 72.4 percent of the population had received at least one dose, while another 34 lakh were identified ready to take their vaccination[15]. All of this specific information helped the authorities to readjust and mould their action plan, to strengthen the ongoing vaccination programme. '*Har Ghar Dastak*' is an outcome of this survey, where healthcare workers go from door-to-door to vaccinate people, so that no one is left un- vaccinated in this ongoing fight against the corona virus.

राज्य में टीकाकरण की वास्तविक तस्वीर प्राप्त करने के लिए महा सर्वेक्षण के परिणामों ने एक निश्चित और विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किये। परिणामों से यह देखा गया कि सर्वेक्षित 18 वर्ष से ऊपर की जनसंख्या में से 2.9 करोड़ लोगों को केवल पहली खुराक मिली है, जबकि 1.7 करोड़ लोग दोनों खुराक प्राप्त कर पूर्ण टीका लगवाने वालों की सूची में थे। इस प्रकार 72.4 प्रतिशत आबादी ने टीके की कम से कम एक खुराक प्राप्त कर ली थी जबकि अन्य 34 लाख लोग टीकाकरण के लिए तैयार थे[13]। इन सभी विशिष्ट सूचनाओं से चल रहे टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूत बनाने के लिए अधिकारियों को अपनी कार्य योजना की समीक्षा करने और फिर से नये बिन्दुओं को शामिल करने में सहयोग मिला। ''हर घर दस्तक'' इसी सर्वेक्षण का परिणाम है, जहां स्वास्थ्यकर्मी घर–घर जाकर लोगों को टीका लगाते हैं ताकि कोरोना वायरस के खिलाफ चल रही इस लड़ाई में कोई भी व्यक्ति टीकाकरण से वंचित न रह जाये।







15 State Health Society, Bihar

13 State Health Society, Bihar



COVID warriors

AMIT ACHAL "MOTIVATED TEAM DOES WONDERS"

Travelling to the Bankatwa block in East Champaran district of Bihar is not an easy matter. Not only is the terrain difficult and the area hard to reach, but it also lies close to the Nepal border. But for Sh Amit Achal, the DPM, East Champaran, the goal was never clearer. The challenge lay in vaccinating all the beneficiaries in this area, and he decided to take it head on.

He and his motivated team, determinedly set about their task to transform Bankatwa into a model worth emulating. In a deliberate manner, they increased the number of teams on ground, the number of verifiers and number of vaccination camps run in the block. . Decorated e-rickshaws and miking made their way across roads and tracks, broadcasting information on the urgency and efficacy of the COVID-19 vaccination. The mobile teams followed, walking from house to house, talking and motivating every household and each individual they met. They were followed by the vaccinating team, who went about their job of inoculating the people in the block.

In the rural area, where the network is erratic, the team moved with five/six SIMS of varied network operators like BSNL, Jio etc. so that they were always some connections that would work, that they could fall back upon. The process of verification took a considerable time, and once the number of verifiers was increased, the vaccinators were able to do their job in a more efficient and rapid manner. The number of beneficiaries who got vaccinated rose to 300 in one single session.

Overcoming vaccine hesitancy, through talks and messages was the one of the many crucial steps taken up. Even after the vaccination team finished its initial run, a mop up team followed up in the same area. This ensured that any leftover or hesitant beneficiaries did not miss out on the vaccination process. All of these initiatives placed Bankatwa block in an enviable position. It became the first in Bihar to achieve the exemplar feat of administrating of the first dose among all its residents above the age of 18, which is nearly 60,000 residents, and all of this in a short time span of 3-4 days.

And as Sh Amit Achal says, "We have turned Bankatwa into a model worth emulating, one that can be duplicated elsewhere; thanks to the fantastic teamwork involved!"

कोविड वॉरियर्स



अमित अचल "प्रेरित टीम ने कमाल कर दिया"

बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले के बनकटवा प्रखण्ड तक पहुंचना बहुत आसान नहीं था। यहां न केवल भू–भाग दुर्गम है वरन् नेपाल सीमा से सटे होने के कारण वहां तक पहुंचना भी कठिन है। पूर्वी चम्पारण के डीपीएम श्री अमित अचल के लिए यह लक्ष्य कभी भी आसान और स्पष्ट नहीं था। इस क्षेत्र के सभी लाभार्थियों का टीकाकरण करने की चुनौती थी और उन्होंने इस चुनौती से निपटने का फैसला किया।

वह और उनकी प्रेरित टीम ने बनकटवा को अनुकरणीय मॉडल के रूप में बदलने हेतु दृढ़ संकल्प लिया और उस दिशा में कार्य करना सुनिश्चित किया। उन्होंने पूरी योजनाबद्ध तरीके से सोच–समझकर क्षेत्र में टीमों की संख्या, सत्यापनकर्ताओं की संख्या और प्रखण्ड में चलाये जा रहे टीकाकरण शिविरों की संख्या बढ़ाई। सुसज्जित ई–रिक्शा के माध्यम से सड़कों और गलियों में माइकिंग कर कोविड–19 टीकाकरण की आवश्यकता और क्षमता पर जानकारी प्रसारित की गयी। मोबाइल टीमों ने घर–घर जाकर बात की। उन्होंने हर घर और प्रत्येक व्यक्ति से सम्पर्क स्थापित किया और उनके साथ चल रहा टीकाकरण दल लोगों को टीका लगा रहा था।

इण्टरनेट नेटवर्क की समस्या वाले ग्रामीण क्षेत्रों में जाने वाली टीमें पांच/छह नेटवर्कों जैसे– बीएसएनएल, जियो आदि के साथ जाती थीं, ताकि जहां जिस नेटवर्क का कनेक्शन मिले, उससे अपना काम निपटा सकें। सत्यापन की प्रक्रिया में काफी समय लगा और एक बार सत्यापनकर्ताओं की संख्या बढ़ने के बाद, टीकाकरण करने वाले लोग अपना काम अधिक कुशलता से और तेजी से करने में सक्षम हो गये। एक ही सत्र में टीकाकरण कराने वाले लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 300 तक हो गयी।

टीका लगवाने में आने वाली झिझक सम्बन्धी समस्या को दूर करने के लिए लोगों के साथ बात–चीत करना एवं संदेश देना एक बहुत महत्वपूर्ण चरण था, जिसे टीम द्वारा बखूबी अपनाया गया। यहां तक कि टीकाकरण टीम द्वारा अपना कार्य पूरा कर वापस आने के बाद एक मॉप अप टीम ने भी उस क्षेत्र का दौरा किया और यह सुनिश्चित किया कि कोई भी लाभार्थी झिझक या संकोच के कारण टीका लगवाने से बच तो नहीं गया। इन सभी उपक्रमों ने बनकटवा प्रखण्ड को एक महत्वपूर्ण स्थिति में ला दिया। लगभग 60000 घरों वाले इस प्रखण्ड में 18 वर्ष से ऊपर की आयु वर्ग वाले सभी लोगों द्वारा टीके की पहली खुराक प्राप्त करने वाला यह प्रखण्ड बिहार राज्य का पहला प्रखण्ड है और यह कार्य मात्र 3–4 दिनों के अन्दर हुआ, जो अन्य सभी के लिए अनुकरणीय है।

और श्री अमित अचल के शब्दों में, "हमने बनकटवा को एक मॉडल के रूप में बदल दिया है, जिसे कहीं और भी दुहराया जा सकता है। इस शानदार टीम कार्य के लिए शामिल सभी लोगों को धन्यवाद।"

DR SUNIL SHARMA 'FROM DESPAIR TO STRENGTHENED RESOLVE"

For Dr Sunil Sharma, CS Nalanda, this journey of COVID vaccination was both personal and emotional. Having tested COVID positive in April 2021 along with his BP health issue, he was in home isolation for nearly three weeks. Although he personally recovered from it, he faced the brunt of it when he lost key members in his team to the pandemic. Their deep loss and his personal experience made his resolve to stand up to this unprecedented attack even stronger.

His mantra was very simple; Do everything possible to promote vaccination. He along with his team, made it their goal to go out and meet people and help them overcome their vaccine hurdle mentality. Teachers and educationists were roped in to talk and motivate individuals on the need for vaccination. Many minority groups and religious sects in the district were vehemently against the vaccination, resentful against the whole process itself. To overcome this, Dr Sharma met and discussed the issue with '*Dharam Gurus*' or their religious leaders and preachers. Their intervention helped clear the doubts and myths related to vaccination.

His team carried out a survey based on the voter list to check family details, numbers, willingness for vaccination; all to ensure that no one is missed out and falls through any gap. Synchronized efforts bore fruit. The house-to-house visits helped weed out and counsel those individuals with vaccine hesitancy. Specific cases like the older people, religious groups or even pregnant and lactating mothers, were then handled with utmost care and guidance, with special, well equipped vaccination centres catering to their specific needs..

To reduce the spread of the pandemic, a rigorous testing mechanism was put in place at the bus stations and railway stations, to check people coming into the district from other places. Wherever needed, home isolation was encouraged for affected individuals. The final outcome of this multi-pronged attack has been that today there is no longer a single active case of COVID-19 in the district. In the district, till now, more than 70 percent of the beneficiaries have received their first dosage, the vaccine hesitancy hurdle has reduced, and for Dr Sunil Sharma and his motivated team, there can be no better reward than this.

डॉ0 सुनील शर्मा ''निराशा से दृढ़ संकल्प की ओर''



सिविल सर्जन नालन्दा डॉ0 सुनील शर्मा के लिए कोविड टीकाकरण की यात्रा व्यक्तिगत और भावनात्मक दोनों रूपों में है। पहले से ही रक्तचाप सम्बन्धी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे डॉ0 शर्मा अप्रैल, 2021 में कोरोना पॉजिटिव हो गये। इन्होंने लगभग 3 सप्ताह के लिए अपने–आपको घर में एकान्तवास में रख लिया। यद्यपि व्यक्तिगत तौर पर तो वह इससे उबर गये, परन्तु इस महामारी से उन्होंने अपनी टीम के प्रमुख सदस्यों को खो दिया। अपने भारी नुकसान और स्वयं के व्यक्तिगत अनुभव ने इस अप्रत्याशित हमले की लड़ाई लड़ने के उनके संकल्प को और मजबूती प्रदान की।

उनका मंत्र बहुत सरल था– टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करें। अपनी टीम के साथ मिलकर बाहर जाना, लोगों से मिलना और टीका में आने वाली झिझक सम्बन्धी मानसिकता को दूर करना उन्होंने अपना लक्ष्य बना लिया। टीकाकरण की आवश्यकता पर बात करने और लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने शिक्षकों और शिक्षाविदों को अपनी टीम में शामिल किया। जिले में कई अल्पसंख्यक समूह और धार्मिक सम्प्रदाय टीकाकरण एवं उसकी पूरी प्रक्रिया के खिलाफ थे। इस समस्या से निपटने के लिए, डॉ0 शर्मा ने ''धर्म गुरूओं'' या उनके धार्मिक नेताओं और प्रचारकों के साथ इस मुद्दे पर मुलाकात एवं चर्चा की। उनके इस हस्तक्षेप से टीकाकरण सम्बन्धित शंकाएं और भ्रम को दूर करने में सहायता मिली।

प्रत्येक व्यक्ति का टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए परिवार का विवरण, संख्या, और टीकाकरण की इच्छा को जांचने हेतु उनकी टीम ने वोटर लिस्ट के आधार पर एक सर्वेक्षण किया। ये प्रयास फलीभूत हुए। घर–घर का दौरा करने से उन लोगों को बाहर निकालने और टीका लेने की सलाह देने में मदद मिली, जो टीका लेने से हिचकिचा रहे थे। वृद्ध लोगों, धार्मिक समूहों और यहां तक की गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं जैसे विशिष्ट मामलों को विशेश सावधानी और मार्गदर्शन के साथ उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाले पूर्णतया सुसज्जित टीकाकरण केन्द्रों पर टीकाकरण करवाया गया।

महामारी के प्रसार को कम करने की दिशा में, जिले में अन्य स्थानों से आने वाले लोगों के लिए रेलवे व बस स्टेशनों पर कठिन जांच तंत्र की व्यवस्था की गयी। जहां आवश्यक हुआ, कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों को घर में ही एकान्तवास करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस बहु आयामी प्रयास का परिणाम यह रहा कि आज जिले में कोविड–19 का एक भी सक्रिय केस नहीं है। जिले में अब तक 70 प्रतिशत से अधिक लोगों को टीके की पहली खुराक मिल चुकी है। लोगों के अन्दर टीका को लेकर झिझक सम्बन्धी बाधा कम हुई है और डॉ0 सुनील शर्मा और उनकी प्रेरित टीम के लिए इससे बेहतर इनाम और कुछ भी नहीं हो सकता है।

SMT PRATIMA DEVI: 'CHAMAK GAYA' BANKUTWA

An ASHA worker, Pratima Devi was at the forefront of the COVID vaccination impetus that placed Bankutwa in an enviable position, when it became the first block in the state to vaccinate all of its eligible 18+ citizens against the corona virus. The first step for the team on their journey to vaccinate other beneficiaries, was to protect themselves by getting themselves vaccinated. A micro-plan was created to plan out the strategy for the vaccination process. When they reached the area, meetings were organized with the PRI, women beneficiaries; a mothers '*baithak*' to talk and discuss covid related issues with pregnant women and young mothers. Lists were created to ensure no one was left out, a quick survey conducted to include the women who were at their '*nanihal*' or '*mayka*', out of station visiting relatives.

The major issue faced by Pratima and her team was the apprehension that greeted them when they visited families at their homes to motivate them to get themselves vaccinated. But as Pratima says, they were on a mission! A mission to save families and the nation.

Along with the *bhajans* and *Adhan* from the temples and mosques, announcement regarding the vaccination schedules were broadcast from there. The team, then took it upon themselves to walk on every road, knocking every single door to convince every family to get vaccinated. Many people were terrified after hearing uncorroborated stories from friends, or social media. In many homes, even if 2/3 members were vaccinated, they assumed they were in no need for the vaccination themselves. Pregnant women especially were reluctant to expose their unborn children to something new. Nevertheless, Pratima along with her team, strode on, convincing and cajoling people. They explained how vaccination was important for pregnant women for the safety of their child, how families could be wiped out even if one family member tested positive. They shared their own personal vaccination stories to further motivate them. For the women who found it difficult to walk to the AWC, transport was catered for, and soon tempos bursting with colourful, excited women began to reach the vaccination centre in droves. So, within a very short period of time, all the eligible beneficiaries of the block were vaccinated with their first dose.

And yes, thanks to Pratima and her tireless walks and talks, Bankutwa shone like a star!

श्रीमती प्रतिमा देवी : ''चमक गया'' बनकुटवा



एक आशा कार्यकर्ता श्रीमती प्रतिमा देवी कोविड टीकाकरण प्रोत्साहन में सबसे आगे थीं। 18 वर्श से ऊपर के शत–प्रतिशत नागरिकों को कोरोना वायरस से बचाव हेतु टीकाकरण करने वाला पहला प्रखण्ड बनाकर इन्होंने राज्य में बनकुटवा को एक उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करवाया। अन्य लाभार्थियों का टीकाकरण करने वाली टीम के साथ यात्रा करने से पहले पहला कार्य, स्वयं को टीका लगवा कर अपनी खुद की रक्षा करना था। टीकाकरण प्रक्रिया के लिए रणनीति बनाने हेतु एक माइक्रो प्लान तैयार किया गया। जब वे क्षेत्र में पहुंची, तो पंचायती राज संगठन के सदस्यों, महिला लाभार्थियों के साथ बैठक की गयी, गर्भवती महिलाओं एवं युवा माताओं के साथ कोविड सम्बन्धी मुद्दों पर बात–चीत एवं चर्चा करने के लिए माताओं की ''बैठक'' की गयी। कोई भी लाभार्थी छूटने न पाये, इसलिए पहले ही सूची बना ली गयी और इस सूची में ''ननिहाल'' अथवा ''मायके'' गयी महिलाओं तथा नातेदारी–रिश्तेदारी में गई महिलाओं को भी शामिल करने हेतु एक त्वरित सर्वेक्षण किया गया।

प्रतिमा और उनकी टीम के सामने सबसे बड़ी समस्या यह थी कि जब वे टीकाकरण हेतु प्रेरित करने के लिए घरों में परिवारों से मिलने जाती थीं, तो वहां उनका स्वागत एक आशंका के साथ किया जाता था। लेकिन प्रतिमा का कहना था कि वे एक मिशन पर हैं। परिवारों और राष्ट्र को बचाने का यह एक मिशन है।

मन्दिरों एवं मस्जिदों पर होने वाले भजनों और अजानों के साथ–साथ यहां से टीकाकरण शिड्यूल के सम्बन्ध में सूचनाएं भी प्रसारित कराई गयीं। इसके बाद टीम ने प्रत्येक परिवार को टीका लगवाने के लिए तैयार करने हेतु हर एक दरवाजे पर दस्तक देते हुए प्रत्येक गली–मोहल्ले के सड़कों पर चलने की जिम्मेदारी ली। दोस्तों अथवा सोशल मीडिया पर प्रसारित टीकाकरण से सम्बन्धित अपुष्ट कहानियां/सूचनाएं सुनकर बहुत से लोग डर गये थे। कई घर तो ऐसे थे, जहां पर 2 से 3 सदस्यों को टीका लग भी गया था, फिर भी उन्होंने यह मान लिया था कि उन्हें टीका की कोई जरूरत नहीं है। गर्भवती महिलाएं विशेष रूप से अपने अजन्मे बच्चे की सुरक्षा को लेकर चिन्तित थीं और कोई भी नया प्रयोग नहीं करना चाहती थी। फिर भी प्रतिमा ने हार नहीं मानी और अपनी टीम को लेकर इन भ्रम से भरे लोगों को समझाने और टीकाकरण हेतु तैयार करने के लिए आगे बढ़ीं। उन्होंने बताया कि कैसे गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण उनके अजन्मे बच्चे की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार का एक भी सदस्य कोरोना वायरस से पॉजिटिव होने की दशा में पूरे परिवार को खत्म कर सकता है। इस दौरान उन्होंने अपने व्यक्तिगत टीकाकरण के अनुभव भी साझा किये। जिन महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों तक चलने में कठिनाई होती थी, उनके लिए परिवहन की व्यवस्था की गयी और जल्द ही रंग–बिरंगे परिधानों से सजी महिलाओं से भरे टैम्पो बड़ी संख्या में टीकाकरण केन्द्रों तक पहुंचने लगे। अन्ततः बहुत ही कम समय में प्रखण्ड के सभी पात्र लाभार्थियों को उनकी प्रथम खुराक का टीका लगाया गया।

और हां, प्रतिमा और उनकी बिना थके, बिना रूके चलने और बात–चीत करने को धन्यवाद, जिनकी वजह से बनकुटवा एक तारे की भांति चमक गया।

CONCEPT AND GUIDANCE



Shri Pratyaya Amrit,
Additional Chief Secretary, Health Department,
Government of Bihar

CORE TEAM



Shri Sanjay Kumar,
Executive Director, State Health Society, Bihar



Shri Keshvendra Kumar,
Additional executive director, State Health Society Bihar



Shri Animesh Kumar Parashar,
Additional Executive Director, State Health Society, Bihar



Dr N K Sinha,
State Immunization Officer, State Health Society Bihar

DISTRICT TEAM



Dr. Ajay Kumar Bharti,
Civil Surgeon, Jamui



Dr. Amarendra Narain Shahi,
Civil Surgeon, Madhepura



Dr. Amarnath Jha,
Civil Surgeon, Khagaria



Dr. Anil Kumar,
Civil Surgeon, Darbhanga



Dr. Anjani Kumar,
Civil Surgeon, East Champaran



Dr. Arvind Kumar,
Civil Surgeon, Arwal



Dr. Ashok Kumar Choudhary,
Civil Surgeon, Jehanabad



Dr. Awadhesh Kumar,
Civil Surgeon, Saharsa



Dr. Binod Kumar Singh,
Civil Surgeon, Gopalganj



Dr. Birendra Kumar Choudhary,
Civil Surgeon, West champaran



Dr. Devendra Kumar Choudhry,
Civil Surgeon, Lakhisarai



Dr. Devendra Nath Pandey,
Civil Surgeon, Katihar



Dr. Harendra Kumar Aalok,
Civil Surgeon, Munger



Dr. Indra Jit Prasad,
Civil Surgeon, Supaul



Dr. Jitendra Nath,
Civil Surgeon, Baxur



Dr. Kamal Kishor Roy,
Civil Surgeon, Gaya



Dr. Kumar Birendra Prasad,
Civil Surgeon, Aurangabad



Dr. Laliteshwar Prasad Jha,
Civil Surgeon, Bhojpur



Dr. Maheshwar Prasad Gupta,
Civil Surgeon, Araria



Dr. Meena Kumar,
Civil Surgeon, Kaimur



Dr. Nirmala Kumari,
Civil Surgeon, Nawada



Dr. Pramod Kumar Singh,
Civil Surgeon, Begusarai



Dr. Prithviraj,
Civil Surgeon, Sheikhpura



Dr. Rajdev PD Singh,
Civil Surgeon, Sheohar



Dr. Sagar Dulal Sinha,
Civil Surgeon, Saran



Dr. Santosh Kumar Verma,
Civil Surgeon, Purnia



Dr. Satyendra Kumar Gupta,
Civil Surgeon, Samastipur



Dr. Sudhir Kumar Mehto,
Civil Surgeon, Banka



Dr. Sudhir Kumar,
Civil Surgeon, Rohtas



Dr. Sunil Kumar Jha ,
Civil Surgeon, Madhubani



Dr. Sunil Kumar,
Civil Surgeon, Nalanda



Dr. Suresh Chandra Lal,
Civil Surgeon, Sitamarhi



Dr. Suresh Prasad,
ACMO, Kishanganj



Dr. Umesh Sharma,
Civil Surgeon, Bhagalpur



Dr. Usha Kiran Verma,
Civil Surgeon, Vaishali



Dr. Vibha Kumari Singh,
Civil Surgeon, Patna



Dr. Vinay Kumar Shama,
Civil Surgeon, Muzaffarppur



Dr. Yaduvansh Kumar Sharma,
Civil Surgeon, Siwan

RESEARCH & COMPILATION



Ms Nivedita Mani,
Communications Consultant



Ms Sabita Singh,
Content Writer



HEALTH DEPARTMENT, GOVERNMENT OF BIHAR